नई दिल्ली

मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

पौष मास कृष्ण पक्ष,
पंचमी वर्ष : 29, अंक : 236
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 23
न्यून. 11

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द करेंगे ओमान की यात्रा, जिससे मामले को मिलेगा और बल

भारत के लिए ओमान का बड़ा धर्मार्थ, वायुसेना के जगुआर विमानों के लिए देगा कलपुर्जे

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

अलग खबर

दक्षिण-पश्चिम एशिया में अरब प्रायद्वीप के निकट बसे ओमान से भारत के लिए बड़ी खुशखबरी आ रही है। जिसमें यह पता चला है कि वह भारतीय वायुसेना के पुराने पड़ चुके जगुआर लड़ाकू विमानों में एक बार फिर से नई जान फूंकने के लिए कलपुर्जे देने के लिए तैयार है। दरअसल इस वक्त ब्रिटेन से लेकर जगुआर विमानों का इस्तेमाल करने वाले दुनिया के अन्य देश इन्हें अपने हवाई सैन्य बलों की सेवा से बाहर कर चुके हैं। इतना ही नहीं इनके कलपुर्जों व अन्य ▶▶शेष पेज 5 पर

धर्मार्थ के रूप में मुफ्त मिलेंगे कलपुर्जे

रक्षा सूत्रों ने बताया कि ओमान से वायुसेना को जगुआर विमानों के कलपुर्जे मिलेंगे। विमानों की हमें आवश्यकता नहीं है। क्योंकि पहले से हमारे युद्धक बेड़े में पांच से छह जगुआर विमानों की स्क्वाड्रन तैनात हैं। जिनमें स्क्वाड्रन नंबर 5, 14, 224, 27 और 6 मुख्य रूप से शामिल हैं। इन्हें मिलाकर विमानों की कुल संख्या करीब 108 है। अपग्रेड के जरिए इनका पूर्व में सेवाकाल बढ़ाया गया है। लेकिन कलपुर्जों की कमी की समस्या तो जस की तस बनी हुई है। बीते काफी वक्त से हमें जगुआर के लिए कलपुर्जों की तलाश थी। जो कि ओमान की मदद से पूरी ▶▶शेष पेज 5 पर

सातवें दिन भी इंडिगो का परिचालन संकट बरकरार, इंडिगो की 500 उड़ानें रद्द

827 करोड़ रिफंड, 4500 बैग भी लौटाए, राज्यसभा में विमानन मंत्री नायडू बोले- हम सख्त एक्शन लेंगे

इंडिगो संकट पर तुरंत दखल देने से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

दिल्ली एयरपोर्ट प्रबंधन ने कहा कि घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक जरूर करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

परिचालन संकट से जूझ रही एयरलाइन इंडिगो ने सोमवार को 500 उड़ानें रद्द कर दीं और दिन भर में कुल 1802 उड़ानों के संचालन कर रही है। यह जानकारी नागर विमानन मंत्रालय ने दी है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को इंडिगो 138 घरेलू-विदेशी गंतव्यों के लिए 1802 उड़ानें संचालित कर रही है, जिनमें से 500 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

साथ ही 9000 बैगों में से 4 500 बैग यात्रियों को सौंपे जा चुके हैं और बाकी बैग भी अगले 36 घंटों में सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्रालय ने ▶▶शेष पेज 5 पर

एयरपोर्ट पर यात्रियों का सामान

सीजेआई ने कहा- सरकार को ही ये मामला संभालने दें

सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो फ्लाइट से जुड़े संकट मामले में तुरंत दखल देने से इनकार कर दिया है। याचिका में इस मुद्दे को तुरंत सूचीबद्ध करने की मांग की गई थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हालात जस के तस होते तो अलग बात थी, हम समझते हैं कि लाखों लोग इस समस्या ▶▶शेष पेज 5 पर

एयर इंडिया कर रहा पायलटों की भर्ती

इंडिगो संकट के बीच एयर इंडिया पायलटों की भर्ती कर रहा है। उसने एक हायरिंग विज्ञापन निकाला है, जिसमें कहा है कि आसमान की कोई सीमा नहीं है, यह तो बस शुरुआत है। कंपनी ने पायलटों को अप्लाई करने की अपील की है। टाटा ग्रुप ने अक्टूबर 2021 में ▶▶शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की जमानत बरकरार रखी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग से रेप मामले में आसाराम को मिली जमानत को

बरकरार रखने का फैसला दिया है। यानी राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा दी गई छह महीने की जमानत जारी रहेगी। अदालत ने कहा कि वह इस जमानत को रद्द करने की मांग पर दखल नहीं देगी और राजस्थान हाई कोर्ट को आदेश दिया कि वह मामले की सुनवाई तेजी से करे।

तीन उड़ानों में बम होने की मिली धमकी

हैदराबाद। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विभिन्न शहरों से आने वाली तीन उड़ानों

को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। हीथ्रो से ब्रिटिश एयरवेज (बीए 277), फ्रैंकफर्ट से लुफ्थांसा (एलएच 752) और कन्नूर से इंडिगो के 6ई 7178 के संबंध में ईमेल प्राप्त हुए।

भोजपुरी अभिनेता पवन को धमकी

मुंबई। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य होने का दावा करने वाले

अज्ञात लोगों से कथित तौर पर धमकी मिली है। इन लोगों ने उन्हें अभिनेता सलमान खान के साथ मंच साझा करने के खिलाफ चेतावनी दी, जिसके बाद इस संबंध में मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस को एक इस संबंध में एक आवेदन मिला है।

लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरूआत करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा तो वंदे मातरम की ही पड़ताल शुरू कर दीः मोदी

प्रधानमंत्री ने किया सवाल, जब बापू को वंदे मातरम नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ?

वंदे मातरम ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, इसे स्मरण करना हम लोगों का सौभाग्यः प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में सवाल किया कि जब बापू को 'वंदे मातरम' नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ?' उन्होंने कहा, वंदे् को लेकर मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति तेज़ होती जा रही थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1937 को वंदे मातरम् के ख़िलाफ़ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा, बजाय इसके कि मुस्लिम लीग के आधारहीन दावों को वो करारा जवाब देते, इसके उलट उन्होंने वंदे मातरम की ही पड़ताल शुरू कर दी। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए ये बातें कही। उन्होंने 'वंदे मातरम' गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद में खास चर्चा को गौरव का पल बताया।

उन्होंने कहा कि हमने इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक सामूहिक चर्चा का रास्ता चुना है। जिस मंत्र और जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी और त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था। उस वंदे मातरम को स्मरण करना हम लोगों का सौभाग्य है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम इस पल के साक्षी बन रहे हैं। देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद में खास चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने बंकिम चंद्र चटर्जी के लिखे इस राष्ट्रीय गीत के आजादी की लड़ाई में योगदान, इसके ऐतिहासिक महत्व और आज की जरूरत पर बात की। लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ▶▶शेष पेज 5 पर, ▶▶देखें देश पेज भी

'वंदे मातरम' के साथ हुए राजनीतिक छल के बारे में सभी पीढ़ियों को जानना चाहिए : सिंह

वंदे मातरम से हमें 'एनर्जी' मिलती है, वहीं विपक्षी दल को इससे 'एलर्जी' होती हैः अनुराग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा के सोमवार को 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'वंदे मातरम' के साथ उतना न्याय नहीं हुआ, जितना होना चाहिए था। जन-गण-मन राष्ट्रीय भावना में पूरी तरह समा गया, किंतु 'वंदे मातरम' को जान-बूझकर दबाया गया। सदन के अध्यक्ष को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' के साथ इतिहास ने बड़ा छल किया है। इस अन्याय की बात हर भारतीय को जानना चाहिए।

सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि वंदे मातरम से हमें 'एनर्जी' मिलती है, वहीं विपक्षी दल को इससे 'एलर्जी' होती है। लोकसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा में भाग लेते हुए ठाकुर ने कहा,''कांग्रेस ने वंदे मातरम् के शताब्दी वर्ष पर आपातकाल लगाकर देश को अंधेरे में पहुंचाया। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि इस गीत पर भारत के लोगों को गर्व है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम एक ऐसा गीत है जिस पर पूरा देश गर्व करता है। आज यह बहुत सम्मान का पल है, जब इसके 150 साल पूरे होने पर सदन में चर्चा हो रही है और हम सभी उसमें शामिल हो रहे हैं। जदयू नेता देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि वंदे मातरम पर चर्चा हो रही थी। सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि भाजपा के नेता आज ▶▶शेष पेज 5 पर

जितने साल मोदी पीएम रहे उतने साल नेहरू जेल में रहे थेः प्रियंका गांधी

वंदे मातरम सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि इसका पालन करने के लिए हैः अखिलेश

अब चुनाव का समय है, इसलिए भाजपा इसे मुद्दा बना रही हैः मोइत्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह भाषण अच्छा देते हैं, लेकिन तथ्यों में कमजोर हैं। उन्होंने सदन में वंदे मातरम्-पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राष्ट्रीय गीत पर चर्चा की जरूरत नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह देश के कण-कण में बसा है तथा देश की भावना से जुड़ा है। प्रियंका गांधी ने सवाल पूछा कि ये गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा है। 75 सालों से लोगों के दिल में बसा है। फिर आज इस पर बहस क्यों हो रही है? मैं बताती हूं- क्योंकि बंगाल का चुनाव आ रहा। मोदी जी उसमें अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। मैं कहूं- मोदी जी अब वह पीएम नहीं रहे जो पहले थे। जहां तक नेहरू जी की बात है। जितने साल मोदी पीएम रहे, उतने साल नेहरू जेल में रहे थे।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि जब भारत की आजादी के लिए लड़ाई चरम पर थी, तब कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाकर कुर्बानी और बलिदान का इतिहास लिख रही थी। कांग्रेस के अधिवेशन 'वंदे मातरम' गीत के साथ शुरू और संपन्न होते हैं। उस समय भाजपा संगठन से जुड़े हुए उनके नेता अंग्रेजों की गुलामी कर रहे थे। अब भाजपा के लोग 'वंदे मातरम' पर चर्चा के जरिए अपने पाप का प्रायश्चित ▶▶शेष पेज 5 पर

700 से अधिक लोग ठगी का शिकार

1500 करोड़ की ठगी नेटवर्क में फंसे अभिनेता सोनू और खली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कानपुर

कानपुर के 1,500 करोड़ रुपए के बड़े धोखाधड़ी मामले में मास्टरमाइंड रवींद्रनाथ सोनी के फर्जी नेटवर्क का प्रचार करने के आरोप में अभिनेता सोनू सूद और पहलवान द ग्रेट खली का नाम सामने आया है।

कानपुर पुलिस ने दोनों सेलिब्रिटीज को पूछताछ के लिए कानूनी नोटिस भेजा है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के अनुसार,

700 से अधिक लोग इस ठगी के शिकार हुए हैं। दिल्ली के मालवीय नगर निवासी रवींद्रनाथ सोनी ने लगभग सात साल तक धोखाधड़ी का जाल फैलाया। उसकी मुख्य कंपनी ब्लूचिप कमर्शियल ब्रोकर 2018 से ▶▶शेष पेज 5 पर

कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर भर्ती के लिए पंजाब पुलिस नियमों में संशोधन को हरियाणा कैबिनेट की मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा सरकार की मंत्रिमंडल की बैठक सोमवार को प्रदेश पुलिस में कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर के पदों पर सीधी भर्ती के लिए पंजाब पुलिस नियम, 1934 में संशोधन करने को मंजूरी प्रदान की गई।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया गया कि इन नियमों को पंजाब पुलिस (हरियाणा संशोधन) नियम, 2025 के रूप में अधिसूचित किया जाएगा। इन संशोधनों के तहत पंजाब पुलिस नियम, 1934 को प्रतिस्थापित करते हुए यह प्रावधान किया गया है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग शारीरिक मापन परीक्षण (पीएमटी) और शारीरिक स्क्रीनिंग परीक्षण (पीएसटी) में उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से प्रत्येक श्रेणी के विज्ञापित पदों की संख्या से दस गुना उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करेगा, जिन्हें नॉलेज टेस्ट के ▶▶शेष पेज 5 पर

प्राइवेट पार्ट पकड़ना रेप नहीं... कहने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

सीजेआई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा- ऐसी भाषा न बोलें जो पीड़िता को डरा दे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस विवादित फैसले पर बेहद सख्त टिप्पणी की, जिसमें कहा गया था कि 'पायजामा का नाड़ा तोड़ना और स्तनों को पकड़ना रेप के प्रयास के आरोप के लिए पर्याप्त नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने रेप और यौन अपराध के मामलों में ▶▶शेष पेज 5 पर

इलाहाबाद हाईकोर्ट के विवादित आदेश पर रोक जारी

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस विवादित आदेश पर लगी रोक को जारी रखा है, जिसमें कहा गया था कि एक नाबालिग का सीना पकड़ने और पायजामे का नाड़ा तोड़ने जैसी हरकत को 'रेप की कोशिश' मानने के लिए पर्याप्त तथ्य नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर पहले ही स्वतः संज्ञान ले चुका है और अब सभी ऐसे विवादित आदेशों का रिकॉर्ड भी मांग लिया है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इलाहाबाद ▶▶शेष पेज 5 पर

जनवरी 2022 का मामला

यूपी के कासगंज की एक महिला ने 12 जनवरी, 2022 को कोर्ट में एक शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप था लगाया कि 10 नवंबर, 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ कासगंज के पटियाली में देवरानी के घर गई थी। उसी दिन शाम को अपने ▶▶शेष पेज 5 पर

आम अफगानी नागरिकों पर पाकिस्तान के हमलों की भारत ने की निंदा

बोले रणधीर जायसवाल, अफगानिस्तान की संप्रभुता क्षेत्रीय अखंडता और आजादी के पक्ष में है भारत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान के हमलों में सीमावर्ती इलाकों में मारे जा रहे बेकसूर अफगानी नागरिकों के मामले की सोमवार को भारत ने निंदा की है। साथ ही ये भी कहा है कि नई दिल्ली, अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और उसकी आजादी का समर्थन करती है। यहां आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी है।

> 10 दिसंबर से पुनः शुरू होगी भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत

> ब्रिटेन द्वारा भारत विरोधी आतंकी तत्वों पर लगाए गए प्रतिबंध के कदम का नई दिल्ली ने किया स्वागत

उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे हमलों की घटना और उनके जरिए आम अफगानी नागरिकों को निशाना बनाने की निंदा करते हैं। पाकिस्तान में जारी अस्थिरता, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी से जुड़े एक अन्य प्रश्न को लेकर उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश में जो भी घटनाएं होती हैं। उन पर हमारी पैनी नजर रहती है। जहां तक वहां लोकतंत्र के कमजोर होने का मामला है। तो लोकतंत्र और पाकिस्तान साथ-साथ नहीं चलते हैं। इसे लेकर हालांकि जितना कम बात की जाए, उतना ही अच्छा होगा।

10 से होगी बीटीए पर बातचीतः रणधीर ने बताया कि इस महीने 10 से 11 दिसंबर तक भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर पुनः बातचीत की शुरुआत ▶▶शेष पेज 5 पर

विदेश मंत्रालय में सोमवार को हुई मीडिया ब्रीफिंग में बोले रणधीर जायसवाल

22 दिसंबर से भारतीय नागरिकों के लिए चीन जारी करेगा एक ऑनलाइन वीजा आवेदन सिस्टम

भारतीय नागरिकों को सरकार की सलाह, चीन से गुजरते या यात्रा करते वक्त बरतें सावधानी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पिछले महीने अरुणाचल-प्रदेश की एक भारतीय महिला प्रेमा वांगजॉम थोंगडोक को शंघाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रताड़ित करने की एक बेहद अमानवीय घटना पर सोमवार को एक बार फिर से भारत ने बेहद सख्त अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी है।

जिसमें सोमवार को हुई विदेश मंत्रालय की मीडिया ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दो चीजें बिलकुल साफ कर दी। एक में उन्होंने कहा कि हमने अपेक्षा के साथ चीन की सरकार के ▶▶शेष पेज 5 पर

पुतिन की यात्रा पर बोला चीन, क्षेत्रीय-वैश्विक शांति, स्थिरता के लिए हितकर हैं भारत, चीन, रूस के त्रिपक्षीय संबंध

चीनी दूतावासों के समक्ष जताई आपत्ति

पूर्व में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि हमने मामले को लेकर नई दिल्ली और बीजिंग में चीनी दूतावास के समक्ष कड़ी नाराजगी जाहिर की है। साथ ही उन्हें ये भी साफ किया है कि भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के एक राज्य अरुणाचल-प्रदेश की भारतीय महिला को यूं प्रताड़ित करना द्विपक्षीय संबंधों के लिए मद्ददगार साबित नहीं होगा। अरुणाचल भारत का अभिन्न और अपरिहार्य अंग है और हमेशा बना रहेगा। इसे लेकर जमीनी स्तर पर बनी हुई सच्चाई को चीन के किसी भी कदम द्वारा बदला नहीं जा सकता है। चीन को भी इस बारे में भली-भांति पता होना चाहिए।

चीन ने जब्त कर लिया था पासपोर्ट

ज्ञात हो कि ये पूरा मामला प्रेमा थोंगडोक के ब्रिटेन से जापान की यात्रा करते वक्त चीन के शंघाई हवाईअड्डे पर कुछ घंटों के ले-ओवर में रुकने के दौरान सामने आया था। जिसमें चीनी आव्रजन अधिकारियों ने उनका पासपोर्ट अवैध बताते हुए सिर्फ इसलिए जब्त लिया था। क्योंकि उसमें थोंगडोक का जन्म-स्थान ▶▶शेष पेज 5 पर

चीन ने जारी किया ऑनलाइन वीजा सिस्टम

उधर, भारत के संदर्भ में चीन ने 8 दिसंबर को कुछ महत्वपूर्ण प्रतिक्रियाएं दी हैं। जिसमें सबसे पहले देश में मौजूद चीनी दूतावास ने ऐलान किया है कि वो 22 दिसंबर 2025 से भारतीय ▶▶शेष पेज 5 पर

पुरानी रंजिश का शक

कालिंदी कुंज में व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर में कथित पुरानी रंजिश को लेकर चाकू से हमला करके 19 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। दक्षिण पूर्व दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) हेमंत तिवारी ने एक बयान में कहा कि घटना सात दिसंबर को हुई और सूचना मिलने पर कालिंदी कुंज थाने की एक टीम मौके पर पहुंची और अपराध स्थल की घेराबंदी की। उन्होंने बताया कि पुलिस को तीन लड़के घायल अवस्था में मिले जिन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनमें से एक को मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान विकास के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दो अन्य का इलाज किया जा रहा है। डीसीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में स्थानीय बदमाश रवि उर्फ पव्वा और उसके कुछ साथियों की संलिप्तता की बात सामने आई है। तिवारी ने बताया कि टीम ने रवि को हिरासत में ले लिया है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

डीसीपी ने कहा, ₹ऐसा प्रतीत होता है कि यह हमला व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण किया गया है, हालांकि इसके पीछे का मकसद अभी पता लगाया जा रहा है। अपराध टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

शकरपुर में युवक को चाकू घोंप उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में 22 वर्षीय युवक की किसी अज्ञात व्यक्ति ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक को अस्पताल लेकर पहुंचे उसके रिश्तेदारों ने बताया कि एम्बुलेंस में युवक ने इलाके के ही किसी 'परिचित व्यक्ति' द्वारा उस पर हमला किये जाने का संकेत दिया था। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अभिषेक धानिया ने कहा कि रविवार शाम पांच बजकर 28 मिनट पर एक पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली थी कि शकरपुर में राम टेंट हाउस के पास एक व्यक्ति को चाकू मारा गया है। मौके पर पहुंचे पुलिस दल को सड़क पर खून के धब्बे मिले। उन्होंने बताया कि देव कुमार नामक इस युवक को उसके रिश्तेदार पटेल अस्पताल लेकर गए। उन्होंने बताया कि गंभीर हालत के कारण उसे लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि उसकी दाहिने जांघ पर धारदार हथियार के किए गए कई घाव थे। अधिकारी ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट में धारदार हथियार से तीन चोटों की पुष्टि हुई है। अपराध स्थल या अस्पताल में कोई चश्मदीद नहीं मिला है। प्रारंभिक निष्कर्षों और रिश्तेदारों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी शवगृह में रखा गया है। उपायुक्त ने बताया कि आरोपी की पहचान के लिए कई दल गठित किए गए हैं और घटना की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही हैं।

डेटिंग ऐप के जरिये एक लाख 9 हजार रुपये की ठगी करने के आरोप में युगांडा का नागरिक दबोचा

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

डेटिंग ऐप पर अपनी प्रेमिका की तस्वीरों का इस्तेमाल कर दिल्ली के एक युवक को लड़की होने का झांसा देकर उससे कथित तौर पर 1.9 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में युगांडा के 38 वर्षीय एक नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान माइकल इगा के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर बुराड़ी इलाके में बिना वैध दस्तावेजों के रह रहा था। उसने प्राथमिकी के हवाले से बताया कि इगा ने शिकायतकर्ता को असम से एक 'दुर्लभ तेल' खरीदने से संबंधित लाभदायक व्यवसाय की पेशकश की थी। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने बताया, ''किशनगढ़ निवासी शिकायतकर्ता डेटिंग ऐप के जरिये एक महिला से जुड़ा था। महिला ने कथित तौर पर एक सौंदर्य उत्पाद कंपनी में काम करने का दावा करके उसका विश्वास हासिल किया और उसे असम से एक दुर्लभ तेल की खरीद कर और भारी मुनाफे पर दोबारा बेचने से जुड़े कारोबार में शामिल करने का प्रलोभन दिया। उन्होंने बताया कि युवक ने कथित महिला पर भरोसा कर कई बैंक खातों में 1,90,000 रुपये अंतरित कर दिये, जिसके बाद उसने व्यक्ति को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने बताया कि डेटिंग ऐप पर इस्तेमाल की गई पहचान फर्जी थी और तेल व्यापार से जुड़ी पूरी कहानी मनगढ़ंत थी। उसने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि तकनीकी निगरानी, डिजिटल जानकारी का विश्लेषण और इस्तेमाल खातों के जरिये उसने इगा का पता लगाया, जो कथित तौर पर गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली-एनसीआर में बार-बार जगह बदल रहा था। गोयल ने बताया कि अंततः उसे बुराड़ी से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि उसके पास से चार मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल किए गए छह डेबिट कार्ड और 22,500 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, इगा कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रीय साइबर शिकायत मंच (एनसीआरपी) पर दर्ज कम से कम 14 साइबर धोखाधड़ी के मामलों में संलिप्त है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान इगा ने अपनी प्रेमिका की तस्वीरों का उपयोग करके फर्जी महिला प्रोफाइल बनाने और पीड़ितों को जाल में फंसाने तथा भारी मुनाफ दिलाने का प्रलोभन देकर ठगी करने की बात स्वीकार की है।

दुर्घटना का नाटक कर यात्री से लूटपाट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली में दुर्घटना का नाटक कर एक यात्री से लूटपाट करने के आरोप में 40 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मुल्तानी ढांडा निवासी आरोपी राहुल उर्फ विक्की का नाम पहाड़गंज थाने की खराब चरित्र (बैड कैरेक्टर) वालों की सूची में दर्ज है। पुलिस ने बताया कि घटना चार दिसंबर को हुई, जब शिकायतकर्ता गाजियाबाद के वैशाली से सदर बाजार जा रहा था। भारी ट्रैफिक के बीच उसकी गाड़ी धीरे चल रही थी, तभी पंजाबी अकादमी के पास उसे रोक लिया गया। एक व्यक्ति शिकायतकर्ता के पास आया और आरोप लगाया कि गाड़ी उसके पैर पर चढ़ गई है और शिकायतकर्ता से बहस करने लगा। इसी दौरान तीन अन्य लोग भी वहां आ गए। पुलिस ने बताया कि उनमें से दो लोगों ने शिकायतकर्ता के पैर पकड़ लिए और जबरन 9,900 रुपये लूटकर फरार हो गए। शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाकर राहुल को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान पुलिस को लूटी गई रकम में से 1,000 रुपये और शिकायतकर्ता का आधार कार्ड बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि राहुल चोरी, डकैती और झपटमारी जैसे 80 से अधिक मामलों में शामिल पाया गया है। बाकी आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर एक युवक की मौत और दो अन्य घायल

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर में सोमवार तड़के एक कार ने मोटरसाइकिल को कथित तौर पर टक्कर मार दी, जिससे 22 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस को घटना की सूचना तड़के चार बजकर 10 मिनट पर मिली।

पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा कि एक क्षतिग्रस्त बुलेट मोटरसाइकिल सड़क पर पड़ी मिली जबकि दुर्घटना में शामिल लाल रंग की कार डिवाइडर पर चढ़ी हुई मिली जिसका अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त था। इससे पता चलता है कि टक्कर काफी जोरदार थी। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि मोटरसाइकिल सवार खुरेजी निवासी सहबाज (22) को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे खुरेजी निवासी समीर (21) का उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि संगम विहार निवासी कार चालक ऋषभ (28) भी घायल हो गया जिसका उपचार हेडगेवार अस्पताल में जारी है। अधिकारी ने बताया कि ऋषभ के साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया।

पुलिस उपायुक्त गौतम ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज, वाहनों की तकनीकी जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर ही घटनाक्रम स्पष्ट हो पाएगा। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के आधार पर लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने के कारण मौत होने से जुड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया जा रहा है। (कार चालक के) फरार साथी का पता लगाने के लिए जांच जारी है और यह भी पता लगाने के प्रयास किए जा रहे है कि क्या दुर्घटना तेज गति से वाहन चलाने या किसी अन्य लापरवाही के कारण हुई। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है और दुर्घटना प्रभावित सभी लोगों के परिवारों को सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि यह भी जांच की जा रही है कि क्या दुर्घटना के समय कार चालक नशे में था। दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है।

सबसे उंची हाईट टावरिंग के लिए पंजीकरण के अंतिम दिन डीडीए ने कुछ घंटे के लिए बढ़ाया समय

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की पहली सबसे ऊंची टावरिंग हाईट बहुमंजिला इमारत के पंजीकरण के अंतिम दिन सोमवार को समय सीमा में कुछ घंटो की बढ़ोत्तरी की गई। योजना 8 दिसंबर 2025 को शाम 6 बजे बंद होनी थी। लेकिन डीडीए ने अंतिम समय में फैसला लेते हुए समय सीमा को कुछ घंटों के लिए बढ़ाते हुए देर रात 11.59 मिनट तक बढ़ा दिया था। जबकि इससे पहले इस योजना को बढ़ाकर 8 दिसंबर 2025 को शाम 6 बजे तक किया गया था। इस बारे में डीडीए के अधिकारी ने बताया कि विचार विमर्श के एलजी सक्सेना की मंजूरी मिलने के बाद योजना के अंतिम समय में कुछ घंटों को बढ़ाया गया। अधिकारी ने बताया कि हमें लगता है कि यह दिल्ली की सबसे ऊंची पहली डीडीए की हाईट टावरिंग आवास योजना है जिसमें अधिक से अधिक लोग शामिल हो सके। दो बार समय सीमा बढ़ाने का भी यही कारण रहा कि इस योजना में अधिक से अधिक लोग खुद को पंजीकृत कर सके। मंगलवार को इस योजना को आगे बढ़ाने पर अधिकारी ने बताया कि फिलहाल तो ऐसा कुछ नहीं है। लेकिन एलजी व डीडीए उपाध्यक्ष ही इस बारे में बेहतर जानते होंगे। बता दें कि डीडीए ने इस योजना में 1026 प्रीमियम फ्लैट शामिल किए है। अधिकारी ने बताया कि इससे पहले इस योजना की अंतिम तारीख 21 नवंबर 2025 थी, जिसे बढ़ाकर 8 दिसंबर 2025 कर दी गई थी। उस दौरान यह समय सीमा उन लोगों के लिए बढ़ाई गई थी कि जो किन्हीं कारणों से तब तक टावरिंग हाईट बहुमंजिला फ्लैट योजना में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण करने से वंचित रह गए थे। अधिकारी ने बताया कि पूर्वी दिल्ली स्थित कड़कड़डूमा में टावरिंग हाईट 48 मंजिला ऊंची इमारत होगी, जिसकी कुल ऊंचाई 155 मीटर होगी। यह इमारत आधिकारिक तौर पर राजधानी की सबसे ऊँची आवासीय इमारत के रूप में दर्ज होगी।

CAPITAL INDIA Home Loans
CIN: U65990DL2017PLC322041
पंजीकृत कार्यालय: 701, सातवाँ फ़्लोर, अग्रवाल कॉर्पोरेट टॉवर, प्लॉट नं. 23, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली – 110008
ईमेल: cihl@capitalindia.com
वेबसाइट: www.capitalindiahomeloans.com
पंजीकरण कोड – कॉर्पोरेट एजेंट CA0688

गुरुग्राम, हरियाणा में शाखा कार्यालय खोलने हेतु सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि **कैपिटल इंडिया होम लोन लिमिटेड ("कंपनी")** अपने ग्राहकों, सेवा प्रदाताओं तथा समस्त संबंधित व्यक्तियों/पक्षों की जानकारी हेतु गुरुग्राम, हरियाणा में अपना नया शाखा कार्यालय खोल रही है, जिसका पता निम्नानुसार है: **कैपिटल इंडिया होम लोन लिमिटेड, यूनिट नं. 1111, ईरोस कॉर्पोरेट पार्क, सेक्टर-02, टॉवर K, आईएमटी मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा – 122051**

उपरोक्त शाखा के उद्घाटन के संबंध में सभी संबंधित व्यक्तियों/पक्षों से अनुरोध है कि इस सूचना को संज्ञान में लें। किसी भी सहायता हेतु कृपया कंपनी से **+91 22 4503 6000** पर संपर्क करें अथवा कंपनी की वेबसाइट **www.capitalindiahomeloans.com** पर देखें।

दिनांक : 08.12.2025
स्थान : गुरुग्राम, हरियाणा

हस्ता./-, अधिकृत अधिकारी,
कैपिटल इंडिया होम लोन लिमिटेड

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जितेन्द्र उर्फ पादो पुत्र आजाद सिंह निवासी म. नं. बी–14, उत्सव विहार, रामा विहार के पास, दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 864/2018 अन्तर्गत धारा 392/394/397/34 आईपीसी थाना सुल्तानपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जितेन्द्र उर्फ पादो** मिल नहीं रहा है और मुझे सामाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जितेन्द्र उर्फ पादो** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 864/2018 अन्तर्गत धारा 392/394/397/34 आईपीसी थाना सुल्तानपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जितेन्द्र उर्फ पादो** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मुनीश गर्ग
अति. जिला एवं सत्र न्यायधीश–03
कमरा नं. 304
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/16350/OD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **साजिद खान पुत्र श्री बाबू खान पताः मकान नं 246/70, गली नं.5, स्कूल ब्लॉक, मंडावली, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 598/16 धारा 379/356/411/34 भा.द.स. के तहत** थानाः मधु विहार, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **साजिद खान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **साजिद खान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 598/16 धारा 379/356/411/34 भा.द.स. के तहत थाना मधु विहार, दिल्ली के उक्त साजिद खान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
उद्भव कुमार जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं.13, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16289/ED/2025

डीएमआरसी ने हैदराबाद की तिहान से किया समझौता, कई सुविधाएं मिलने की राह खुली

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने नेक्स्ट-जेन ऑटोनॉमस नेविगेशन सॉल्यूशंस के लिए आईआईटी हैदराबाद के तीहान के साथ समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इस बारे में डीएमआरसी कॉर्पोरेट संचार के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि डीएमआरसी और तिहान के बीच समझौता हुआ है। इस समझौते के बाद ऑटोनॉमस नेविगेशन को लागू करने में एक-दूसरे की ताकत और जानकारी का इस्तेमाल करेगा, जो बड़े मेट्रो शहरों में लास्ट माइल कनेक्टिविटी और टियर टू और थ्री शहरों में पब्लिक ट्रांजिट के लिए एक सुरक्षित, स्मार्ट और नेक्स्ट-जेन मोबिलिटी सॉल्यूशन है। उन्होंने कहा कि तिहान एक हब है जिसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के साइबर फिजिकल सिस्टम में नेशनल मिशन द्वारा ऑटोनॉमस नेविगेशन और डाटा एक्विजिशन सिस्टम के विकास के लिए स्थापित किया गया है। जो ग्राउंड वाहनों, रोबोट, मानवरहित हवाई वाहनों, ड्रोन या अन्य ऑटोनॉमस प्लेटफॉर्म को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के नेविगेट करने और डेटा इकट्ठा करने में सक्षम बनाता है। दयाल ने बताया कि इस अहम एमओयू पर डीएमआरसी की ओर से सलाहकार आर एंड डी शोभन चौधरी और आईआईटी हैदराबाद की ओर से तीहान के हब कार्यकारी अधिकारी डॉ. संतोष रेड्डी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मेट्रो की तरफ से डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार और निदेशक इंफ्रास्ट्रक्चर मनुज सिंघल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। जबकि आईआई हैदराबाद के डीन इनोवेशन प्रो. मल्ला रेड्डी और प्रो. पी. राजलक्ष्मी भी उपस्थित थी।

एक दर्जन से ज्यादा मामलों में वांछित बावरिया गिरोह के सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने बावरिया गिरोह के एक वांछित सदस्य एवं कथित तौर पर एक अंतरराज्यीय अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह आरोपी कई मामलों में फरार था।

अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के शामली निवासी आरोपी संजय उर्फ झल्लू को पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया जहां वह गिरफ्तारी से बचने के लिए छुपा हुआ था। पुलिस उपायुक्त (अपराध) हर्ष इंदौरा ने बताया कि संजय एक घोषित अपराधी है, जो दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या के प्रयास, डकैती, झपटमारी, सेंधमारी, चोरी और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन सहित 34 आपराधिक मामलों में शामिल है। आदर्श नगर थाने में दर्ज एक झपटमारी के मामले में भी उसे पहले दोषी ठहराया जा चुका है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर एक संगठित अपराध गिरोह चला रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के बीच घूमता रहता था। उत्तर प्रदेश पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर नकद इनाम भी घोषित किया था। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने करीब दो हफ्ते तक संजय की गतिविधियों पर नजर रखी और रविवार को मंडी गोबिंदगढ़ स्थित उसके ठिकाने पर छापा मारा गया जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान संजय ने पुलिस को बताया कि उसने एक दशक पहले अपने गांव के साथियों के साथ मिलकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़ और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों सहित कई राज्यों में डकैती तथा झपटमारी की वारदातें शुरू की थीं। पुलिस ने कहा कि जमानत मिलने के बाद भी वह बार-बार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहता और अदालत में पेश होना बंद कर देता था, जिसके कारण उसके खिलाफ कई गैर-जमानती वारंट जारी किए गए तथा उसे भगौड़ा अपराधी घोषित कर दिया गया। डीसीपी ने बताया कि दिल्ली, गाजियाबाद, मुरादाबाद और अमरोहा में उसके खिलाफ दर्ज कई मामलों की जांच की जा रही है।

बिना लाइसेंस धड़ल्ले से चल रहे अवैध 'ओपन टैरेस

दिल्ली में कभी भी हो सकता है गोवा जैसा अग्नि कांड : गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली में कभी भी गोवा जैसा अग्नि कांड हो सकता है। शनिवार को गोवा के 'बर्च बाई रोमियो लेन' के ओपन टैरेस में लगी आग में 25 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। क्योंकि उस रेस्तरां ओपर टैरेस को अवैध रूप से ढका और उसमें आग पकड़ने वाली वस्तुओं का उपयोग किया गया था। इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के नेता और दिल्ली नगर निगम में वरिष्ठ निगम पार्षद मुकेश गोयल ने सोमवार को उक्त आशंका जताते हुए निगम प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में तो गोवा से भी ज्यादा गंभीर स्थिति है और यहां गोवा से भी बड़ा हादसा हो सकता है।

नेता मुकेश गोयल ने कहा कि हमें सूचना मिली है कि जिस 'बर्च बाई रोमियो लेन' नामक रेस्तरां में गोवा में आग की दुखद घटना हुई है, उसी का एक रेस्तरां केशव पुरम जोन और एक रेस्तरां सिटी एसपी जोन में चल रहा है। यहां भी नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। केशव पुरम जोन में ही 'निओ बा स्काई बार' व 'किंजो' और सिटी एसपी जोन में 'बोआ' जैसे बार इसी तरह से चलाये जा रहे हैं और इनके संचालकों ने एमसीडी से लाइसेंस तक नहीं लिये हैं। गोयल ने निगम प्रशासन द्वारा दिए गए आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा कि लाइसेंस जारी करने में नियमों की अनदेखी का खेल हो रहा है।

मुकेश गोयल ने बताया कि एमसीडी के जन स्वास्थ्य विभाग ने साउथ जोन में ओपन स्पेस रेस्ताओं की संख्या कुल 7 बताई है। जबकि साउथ जोन के डीएचओ ने इस संख्या को 60 बताया है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस अवैध धंधे में किस तरह की मिलीभगत चल रही है। आश्चर्य की बात है कि शाहदरा उत्तरी क्षेत्र में 9 और शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र में 7 ओपन टैरेस रेस्तराओं को लाइसेंस जारी किये गये थे। परंतु 31 मार्च 2025 के बाद उनका नवीनीकरण तक नहीं किया गया है।

केंद्रीय आर्य सभा के प्रधान बने जोगेन्द्र खट्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

दिल्ली राज्य की समस्त आर्य समाज एवं आर्य संगठनों की केन्द्रीय संस्था - आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य का त्रैवार्षिक निर्वाचन 7 दिसंबर, 2025 को आर्य समाज, हनुमान रोड, नई दिल्ली के सभागार में सम्पन्न हुआ। सर्वसम्मति से चयन के बाद नवनिर्वाचित प्रधान जोगेन्द्र खट्टर ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन में दिल्ली की आर्यसमाजों से पधारे लगभग 350 प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। निर्वाचन अधिकारी कृपाल सिंह एवं सह निर्वाचन अधिकारी सुरेश चंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में हुए चुनाव में जोगेन्द्र खट्टर को सर्वसम्मति से प्रधान निर्वाचित घोषित किया गया। उपस्थित प्रतिनिधियों ने एक स्वर से नव निर्वाचित प्रधान जोगेन्द्र खट्टर को अपनी कार्यकारिणी गठित करने के अधिकार प्रदान किए।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

मु.न. 747 दिनांक 04.12.2025 धारा 127 (6) बी.एन.एस. थाना खरखौदा जिला सोनीपत।

गुमशुदा की पहचान

नाम- नितिन।
पिता का नाम - मनोज कुमार।
पत्ता- वासी गांव गढ़ी सिसाना खरखौदा जिला सोनीपत हरियाणा।
उम्र - 22 वर्ष।
कद- 5 फुट 8 इन्च।
हुलियाः- रंग गोरा, लम्बुतरा चेहरा, काले बाल, काली आँखे, हष्ट - पुष्ट शरीर है।
पहनावाः- नीले रंग की टी-शर्ट, काले रंग की लोवर व पैरों में चप्पल पहने हुए हैं।

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि दिनांक 26.11.2025 को नितिन पुत्र मनोज कुमार वासी गांव गढ़ी सिसाना खरखौदा जिला सोनीपत हरियाणा अपनी मर्जी से घर से बिना बताए कही चला गया हैं। जो अब तक वापिस नही आया हैं। जिस सम्बन्ध में उपरोक्त मुकदमा थाना खरखौदा में दर्ज रजिस्टर है। अगर किसी को उपरोक्त गुमशुदगी बारे कोई सूचना मिलती हैं तो निम्नलिखित नंबरों पर सुचित करे।

प्रबन्धक थाना खरखौदा - 7419410536
अनुसंधानकर्ता मो० न० - 9991162915
पुलिस कन्ट्रोल रुम सोनीपत - 0130-2222903,100

अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त।,
मुख्यालय, सोनीपत।

पीआरडीएच-1084/11/4191/2026/40976/88/7 दि. 08.12.2025

मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट पहुंची गुरु की नगरी अमृतसर

गुरु कृपा से ही हुआ दिल्ली में 'गुरमत समागम' का भव्य आयोजन : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ गुरु की नगरी अमृतसर पहुंची और हरमंदिर साहिब में शीश निवाया और दरबार साहब में शुकराना अदा किया। मुख्यमंत्री का मानना है कि गुरु कृपा से ही उनकी सरकार ने पिछले माह दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय 'गुरमत समागम' के भव्य व सफल आयोजन किया।

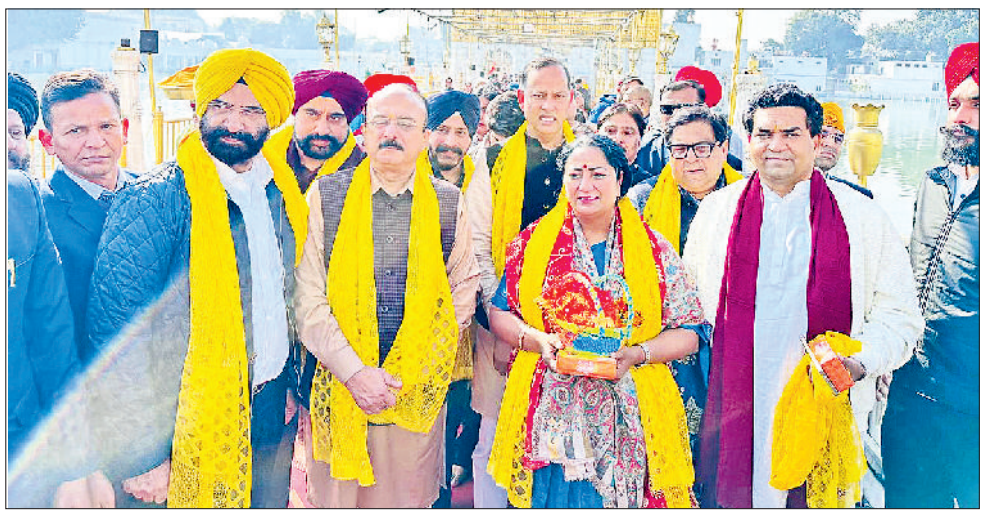

इस आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर गुरु साहिब को नमन किया और समागम की हर कार्यक्रम जैसे गुरबाणी कीर्तन, संकीर्तन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अपनी इस धार्मिक यात्रा में पवित्र शहर के दुर्गियाना मंदिर और वाल्मीकि मंदिर के भी दर्शन कर पूजा-अर्चना की और देश व दिल्ली की खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि लाल किला पर पिछले माह 23 से 25 नवंबर को तीन दिवसीय 'गुरमत समागम' स्वतंत्र भारत के सबसे भव्य और ऐतिहासिक धार्मिक आयोजनों में एक के रूप में स्थापित हुआ। अपनी इस धार्मिक यात्रा में मुख्यमंत्री अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ स्वर्ण मंदिर सदृश दिखने वाले प्रसिद्ध दुर्गियाना मंदिर भी पहुंची। वहां उन्होंने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और देश की खुशहाली के लिए कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि मंदिर (श्री रामतीर्थ मंदिर) में भी माथा टेका और आशीर्वाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी यही कामना है कि भगवान वाल्मीकि की कृपा सदैव सब पर बनी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृतसर की इस पवित्र भूमि पर दर्शन करना उनके लिए गहरा आध्यात्मिक अनुभव है। अमृतसर हर रूप में आस्था और ऊर्जा की नगरी है। गुरु की बड़ी कृपा है कि हमें दिल्ली की जनता की सेवा करने का अवसर मिला है। अमृतसर में स्थानीय लोगों द्वारा दिए गए प्रेम और स्वागत के प्रति मुख्यमंत्री ने आभार व्यक्त किया और इसे अपनी सबसे बड़ी शक्ति बताया। दिल्ली सरकार से मिली जानकारी के अनुसार इस समागम का संयुक्त आयोजन दिल्ली सरकार एवं दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा किया गया, जिसमें छह लाख श्रद्धालुओं ने भागीदारी की, जो एक रेकॉर्ड बताया जा रहा है।

छतरपुर-मैदान गढ़ी क्षेत्र में बस सेवाओं को किया जा रहा बेहतर : डॉ पंकज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में दिल्ली परिवहन निगम की बसों की लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को और ज्यादा बेहतर, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाया जा रहा है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने सोमवार को यह बात कही।

उन्होंने बताया कि सार्वजनिक परिवहन की सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने देवी बस रूट 7701ए को साउथ एशियन यूनिवर्सिटी (एसएयू) के मौजूदा टर्मिनल रूट से आगे बढ़ाते हुए एम्स-सीएपीएफआईएमएस (सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज़), मैदान गढ़ी तक बढ़ाने के लिए मंजूरी दे दी है। डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि दिल्ली सरकार ने यह फैसला एम्स-सीएपीएफआईएमएस के बस सेवा को मैदान गढ़ी तक बढ़ाने की गुजारिश के बाद लिया है, जिन्होंने स्टाफ के सुलभ परिवहन और सुरक्षित यात्रा के साथ बस कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए विशेष तौर पर सुबह और शाम के समय मेट्रो नेटवर्क और इंस्टीट्यूट के बीच डीटीसी की भरोसेमंद कनेक्टिविटी की आवश्यकता बताई थी।

■ देवी बस रूट 7701ए को एसएयू के मौजूदा टर्मिनल रूट से आगे बढ़ाया

एजुकेशनल और मेडिकल इंस्टीट्यूशन के लिए मजबूत नेटवर्क

दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हमारी सरकार की यह पहल सुबह और देर शाम के समय यात्रियों की सुरक्षा और सुगम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मुहैया कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मौजूदा देवी बसों के बेहतर इस्तेमाल के साथ छतरपुर-मैदान गढ़ी इलाके में कई बड़े एजुकेशनल और मेडिकल इंस्टीट्यूशन के साथ सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को और अधिक मजबूत करेगा। यह हमारी सरकार के रूट रेशनलाइजेशन और राजधानी दिल्ली में बेहतर लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के विजन के अनुरूप है।

एपीएमएस को पूर्ण रूप से लागू करने वाली देश की पहली विधानसभा बनी दिल्ली : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम (एपीएमएस) अब दिल्ली सरकार में पूर्णतः सक्रिय कर दिया गया है और दिल्ली संभवतः देश की पहली राज्य विधानसभा है जिसने इतने व्यापक और वास्तविक-समय वाले ऑडिट मॉनिटरिंग पोर्टल को लागू किया है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी-कैग) की रिपोर्टों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा हेतु आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में कही। अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम का अंगीकरण पारदर्शिता, प्रक्रियागत अनुशासन तथा जवाबदेह ऑडिट फॉलो-अप की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने पोर्टल पर प्रदर्शित आँकड़ों की समीक्षा करते हुए चिंता व्यक्त की कि विभिन्न विभागों द्वारा 142 ऑडिट पैराग्राफ़ अपलोड किए गए थे, जबकि केवल 30 एक्शन टेकन नोट्स (एटीएनएस) प्रस्तुत किए गए थे। उन्होंने कहा कि ऐसी लंबित स्थिति उचित नहीं है और सार्वजनिक लेखा समिति (पीएसी) को प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए समयबद्ध एवं पूर्ण प्रतिक्रियाएँ अनिवार्य हैं।

उपराज्यपाल ने किया इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के पुनरुद्धार हुए अस्पताल का उद्घाटन

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन में पुनरुद्धार हुए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस) अस्पताल का उद्घाटन किया। इस अस्पताल का नेतृत्व राष्ट्रपति के तहत उपराज्यपाल करते है। इस मौके पर एलजी ने कहा कि यह अस्पताल हमारे समाज के सबसे गरीब लोगों की सेवा के लिए था। जब मैंने एलजी की जिम्मेदारी संभाली और यहां का पहली बार दौरा किया, तो यह एक जर्जर और टूटी-फूटी इमारत बन चुका था। जिसके चलते यहाँ मरीजों की संख्या भी बेहद घट गई थी। उन्होंने कहा कि लेकिन नए मैनेजिंग बॉडी के सदस्यों और अधिकारियों के मजबूत इरादे, पक्के प्रयासों और सुपर विजन और समर्पित सीएसआर फंडिंग की वजह से दिल्ली पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा उसका फिर से विकास किया गया है। यह जिस प्रकार आधुनिक सुविधाओं से लैस बनकर तैयार हुआ है उसकी कल्पना शायद एक साल पहले तक किसी ने नहीं की होगी। उन्होंने कहा कि एक नई आधुनिक इमारत, वेटिंग एरिया, ओपीडी और आईपीडी सेवाओं, लेबोरेटरी, स्टाफ, मरीजों और अटेंडेंट के लिए पर्याप्त टॉयलेट, फिजियोथेरेपी सुविधाओं और मरीज और अटेंडेंट के लिए एक कैफेटेरिया के साथ-साथ सक्षम मेडिकल और पैरा-मेडिकल स्टाफ से लैस, आईआरसीएस दिलशाद गार्डन मैटरनिटी और चाइल्ड केयर के लिए एक क्वालिटी सेंटर बनने के लिए तैयार है।

डूटा ने जंतर -मंतर पर दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के तत्वावधान में डीयू शिक्षकों ने सोमवार को जंतर - मंतर पर बड़े स्तर पर धरना दिया। इसके बाद डूटा अध्यक्ष प्रो. वी. एस. नेगी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। धरना सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक दिया। इस धरने का मुख्य उद्देश्य शिक्षक समुदाय को प्रभावित करने वाले लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों पर शिक्षा मंत्रालय से तुरंत दखल देने की मांग की गई। शिक्षक सुबह से धरना स्थल पर आने शुरू हो गए थे। धरने में 11 बजे सैकड़ों शिक्षक इकट्ठा हुए और तीन घंटे से अधिक धरना चला। धरने का नेतृत्व प्रो. वी .एस. नेगी ने किया। इस अवसर पर प्रो. विमलेंदु तीर्थंकर, प्रो. अजय कुमार भागी, प्रो. हंसराज सुमन, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. चमन सिंह, डॉ. आकांक्षा खुराना, डॉ. अश्विनी शंकर, डॉ. भूपेंद्र कुमार, प्रो. संजय कुमार आदि भी उपस्थित रहे और सभी ने संसद में लाए जा रहे उच्च शिक्षा आयोग बिल पर विचार करने के लिए सरकार से मांग की।

एमसीडी में भ्रष्टाचार के खिलाफ मैदान में निगम पार्षद, सेंट्रल ज़ोन के बाहर शुरू किया धरना प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में भ्रष्टाचार और शिकायतों का समाधान नहीं होना इस कदर हावी हो गया है कि अब खुद ही निगम पार्षदों को भी निगम प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला निगम वार्ड 188 - अबुल फजल एन्क्लेव से सामने आया है। यहां की निगम पार्षद अरिबा खान ने एमसीडी प्रशासन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, शासन विफलताओं और बढ़ती सार्वजनिक शिकायतों को उजागर करने के लिए रोजाना, शांतिपूर्ण सेंट्रल जोन उपायुक्त कार्यालय के बाहर अकेले ही प्रतीकात्मक धरना प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। पार्षद अरिबा का कहना है कि यह प्रदर्शन सोमवार से शुरू हुआ है और 12 दिसंबर 2025 तक, हर दिन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन को बार बार शिकायतों की जानकारी दी है लेकिन समाधान नहीं हुआ है।

परिवहन मजदूर संघ ने डीटीसी चालक की पीटकर हत्या करने पर की एक करोड़ मुआवजे की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन मजदूर संघ ने बीते दिन डीटीसी के एक बस चालक की पीट पीटकर हत्या करने पर गहरा दुख प्रकट करते हुए मांग की है कि पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए। संघ के महासचिव भानु भास्कर ने कहा कि जेवीएम बस चालक की हत्या करना कोई मामूली घटना नहीं है। डीटीसी के अंतर्गत चलने वाली जेवीएम बसों में तैनात चालक की मामूली सी बहस के दौरान पब्लिक द्वारा की गई हत्या की घटना अत्यंत दुखद निंदनीय एवं अस्वीकार्य है। यह घटना स्पष्ट करती है कि प्राइवेट ठेकेदारों द्वारा बस सेवाओं में सुरक्षा व्यवस्था देने में विफल साबित हुए है। उनकी लापरवाही की कीमत कर्मचारियों को अपनी जान से चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि संघ दिवंगत चालक साथी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता है एवं इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। संघ मांग करती है कि दिल्ली सरकार मृतक चालक के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा तत्काल प्रदान करे, परिवार के एक आश्रित को नौकरी, आश्रित नियुक्ति दी जाए, जेवीएम प्रबंधन की खराब मैनेजमेंट पर सख्त कार्रवाई की जाए, सभी बसों में मार्शल सुरक्षा स्टाफ अनिवार्य किया जाए, भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम हेतु सुरक्षा नीति लागू की जाए, चालक परिचालक तथा कर्मचारियों की सुरक्षा की कानूनी जिम्मेदारी तय हो और बसों में सीसीटीवी सक्रिय निगरानी पैनिक बटन पुलिस प्रतिक्रिया व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार एवं प्रबंधन द्वारा समयबद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो दिल्ली परिवहन मजदूर संघ आंदोलनात्मक कदम उठाने पर बाध्य होगा।

खबर संक्षेप

एक्सीडेंट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। भोंडसी थाना क्षेत्र में गत 2 दिसंबर को एक थार गाड़ी को तेज गति से चलाकर गाड़ी में

टक्कर मारने वाले आरोपी को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। घामडोज टोल के पास पीछे से एक काले रंग की थार गाड़ी ने शिकायतकर्ता की कार (फिगो) को टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी गाड़ी चार बार पलटी खा गई और इसके सिर व हिस्से कंधे में चोट आई। वहां पर उपस्थित लोगों ने उसको कार से बाहर निकाला था।

हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। एक गैर इरादतन हत्या के मामले में पुलिस चौकी सैक्टर-55 की टीम ने अमित कुमार

निवासी संजय कॉलोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि 23 नवम्बर को आरोपी अपने भाई की दुकान पर बैठा था। उसने बाद में बाल्टी ले जाना बारे विवेक से कहा था लेकिन वह बाल्टी उठाकर जाने लगा तो आरोपी ने विवेक को धक्का दे दिया।

बच्चे की हत्या करने वाली सौतेली मां दोषी करार

गाजियाबाद। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार की अदालत ने मोदीनगर इलाके में 11

वर्षीय बच्चे की हत्या में अदालत ने सौतेली मां और उसकी सहेली को दोषी करार दिया है। में दोनों की सजा पर नौ दिसंबर को सुनवाई होगी। गोविंदपुरी डबल स्टोरी निवासी राहुल ने 16 अक्तूबर 2023 को मोदीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि वह अपने 11 वर्षीय बेटे शब्द और दूसरी पत्नी रेखा के साथ रहते थे। रेखा अपनी पहली शादी से हुई डेढ़ वर्षीय बेटी परी को भी साथ लाई थी। एक दिन शब्द अचानक लापता हो गया। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो शब्द घर में जाते हुए दिखाई दिया, लेकिन बाहर नहीं निकला। शक के आधार पर घर में उसकी तलाश शुरू की गई। इसी दौरान पुलिस की नजर घर के सेप्टिक टैंक पर पड़ी।

एसआईआर अभियान लोकतंत्र का बूस्टर डोज़: योगी आदित्यनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां कहा कि एसआईआर अभियान लोकतंत्र का बूस्टर डोज है। शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए व्यापक समन्वय, बूथ स्तर पर सक्रियता और परिणामकेंद्रित कार्यप्रणाली का अपनाना अनिवार्य है। मुख्यमंत्री सरस्वती शिशुमन्दिर में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक का आयोजन एस आई आर अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समीक्षा को लेकर किया गया था। इस बैठक में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया के साथ मंडल के जनपद गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बागपत, बुलंदशहर एवं मुजफ्फरनगर के सांसद, महापौर, विधान परिषद सदस्य, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, पंचायत प्रतिनिधि, जिलाध्यक्ष एवं महानगर अध्यक्ष सहित सभी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने सरस्वती शिशु मंदिर में बैठक को संबोधित किया

सीएम के मार्गदर्शन ने नई ऊर्जा दी

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार और संगठन को एक मंच पर लाकर एस आई आर अभियान को लोकतंत्र का बूस्टर डोज बताते हुए इसे शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए व्यापक समन्वय, बूथ स्तर पर सक्रियता और परिणाम केंद्रित कार्यप्रणाली पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य नहीं, बल्कि राजनीतिक जनसंपर्क एवं संगठन के सुदृढ़ीकरण का महाअभियान है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका निर्णायक है।

भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया ने भी अपने वक्तव्य में सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन ने संगठन को नई ऊर्जा दी है, और सभी की सहभागिता से यह अभियान निश्चित रूप से अपने लक्ष्य तक पहुंचेगा। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गाजियाबाद में बैठक आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया और आश्वस्त किया कि गाजियाबाद संगठन और कार्यकर्ता पूर्ण समर्पण के साथ एस आई आर अभियान को 100 प्रतिशत सफलता की ओर ले जाएंगे। बैठक में जनप्रतिनिधियों के सुझावों एवं क्षेत्रीय अनुभवों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सभी को सतत संवाद, निगरानी, जनजागरूकता और टीम भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

उपाध्यक्ष सुधा ने कहा- मांगों की अनदेखी की तो देशभर में आशा वर्कर आंदोलन करेंगी

सैकड़ों आशा वर्करों ने केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के कार्यालय पर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

आशा वर्कर्स एंड फैसिलिटेटर फेडरेशन के आह्वान पर सैकड़ों की संख्या में आशाओं ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्षता जिला प्रधान हेमलता ने की और संचालन राज्य उपाध्यक्ष सुधा ने किया।

प्रदर्शन के बाद आशाओं की मांगों का ज्ञापन मंत्री के निजी सचिव को सौंपा गया। प्रदर्शन में पलवल, नूंह मेवात, गुरुग्राम व फरीदाबाद जिले की आशाओं व फैसिलिटेटर ने भाग लिया। प्रदर्शनकारी आशा वर्कर बड़खल चौंक पर एकत्रित हुई और वहां से करीब 12.30 बजे मंत्री के कार्यालय के लिए मार्च किया। मंत्री कार्यालय पर पुलिस द्वारा रोके जाने पर

देशभर में आंदोलन अब और तेज होगा

पुलिस व आशाओं की बीच तीखी नोंकझोंक हुई और आक्रोशित आशाओं ने मंत्री के कार्यालय के सामने सड़क पर ही पड़ाव डाल दिया और घंटों वहीं पर नारेबाजी करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, सीटू गुरुग्राम के प्रधान सुरेश नौहरा, नूंह के प्रधान अनिल, पलवल की प्रधान रामरती व फरीदाबाद के सचिव भी पहुंचे और आशाओं को संबोधित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि सरकार एक तरफ पूंजीपतियों के लाखों करोड़ रुपए कर्ज व टैक्सों को माफ कर रही है लेकिन दूसरी तरफ अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य कर रही आशाओं को एनएचएम को एक स्थायी स्वास्थ्य कार्यक्रम बनाकर सरकारी कर्मचारी बनाने और 26 हजार न्यूनतम वेतन देने को तैयार नहीं है।

पिछले 12 सालों से केंद्र सरकार ने आशाओं के इंसेंटिव बेस कार्यों में बढ़ोत्तरी नहीं की

परंतु केंद्र और राज्य सरकार आशा वर्कर्स के महत्वपूर्ण कार्यों को अनदेखा कर रही है। लंबे समय से केंद्र सरकार द्वारा आशा वर्कर्स के मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर आशा वर्कर के काम को बढ़ा रही है। आशा वर्कर्स पर बिना संसाधन और बिना प्रोत्साहन राशि दिए अनेक तरह के ऐप में ऑनलाइन काम करने का दबाव बना रही है। केंद्र और राज्य सरकार के बढ़ते कामों की वजह से तमाम आशा वर्कर्स परेशान है। पिछले 12 वर्ष से केंद्र सरकार ने आशाओं के इंसेंटिव बेस कार्यों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। आशा वर्कर्स लंबे समय से सरकार से प्रोत्साहन राशियों को बढ़ाने की मांग कर रही है। पिछले बजट स्तर में केंद्र सरकार ने संसद में आशाओं की प्रोत्साहन राशियों में 1500 पर महीने बढ़ाने की घोषणा की है परंतु सरकार उसे घोषणा को लागू नहीं कर रही है।

अधिकारियों के साथ की बैठक

15 दिन में मोहना रोड पर डाली जा रही सीवर की लाइन का कार्य करें पूरा: विधायक शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने सोमवार को पीडब्ल्यूडी फरीदाबाद और नगर निगम बल्लभगढ़ के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने मोहना रोड एलिवेटेड पुल निर्माण के दौरान आमजन को हो रही मूलभूत सुविधाओं में अवरोधों पर गंभीर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीवर और पानी की लाइनों का कार्य युद्धस्तर पर पूरा किया जाए।

आगामी 15 दिनों के भीतर सीवर लाइन से जुड़े सभी कनेक्शनों को जोड़ने का कार्य पूर्ण किया जाए ताकि कुछ कॉलोनियों में लंबे समय से पैदा हो रही जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने पीडब्ल्यूडी और नगर निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसी के साथ उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में नगर निगम की भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों को तुरंत हटाया जाए और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

आमजन शिकायतों के निवारण के लिए समाधान शिविरों का उठाएं लाभः डीसी आयुष सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

लघु सचिवालय में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी आयुष सिन्हा ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

हरियाणा सरकार की पहल समाधान शिविर जिला वासियों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। इस पहल से नागरिकों को अपनी समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर मिल रहा है। सोमवार को सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी आयुष सिन्हा ने की।

डीसी आयुष सिन्हा ने जानकारी देते हुए कहा कि समाधान शिविरों में नागरिकों की

ओर से सबसे अधिक समस्याएं परिवार पहचान पत्र आईडी में आय संबंधी त्रुटियों और नए सदस्य जोड़ने से जुड़ी सामने आई हैं। इसके अलावा राशन कार्ड, अवैध अतिक्रमण, पुलिस और बिजली विभाग से संबंधित शिकायतें भी बड़ी संख्या में प्राप्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी मुद्दों के त्वरित निपटान के लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिकों की विभिन्न प्रशासनिक और शासकीय विभागों से जुड़ी समस्याओं का तुरंत निपटारा किया जा रहा है। इन शिविरों में लोगों को विशेष रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड, स्थानीय निकायों से नो.ड्यूज प्रमाण पत्र, नगरपालिका द्वारा नक्शा पास करवाने, बिजली, सिंचाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य और आपराधिक शिकायतों जैसी सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरदेश उर्फ सोनू उर्फ आरपी** पुत्र श्री सोदन सिंह **निवासी:** म.नं. 342, दूसरा तल, जागृति एनक्लेव, आनन्द विहार, दिल्ली ने **FIR No. 181/25 दिनांक 05.06.2025 U/s 25(1AA)(1a)(8)/ 54/ 59 Arms Act एवं 318/ 335/ 336(3) 337/241/61-2 भारतीय न्याय संहिता-2023 12 Pasport थानाः स्पेशल सेल, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हरदेश उर्फ सोनू उर्फ आरपी** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हरदेश उर्फ सोनू उर्फ आरपी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 181/25 दिनांक 05.06.2025 U/s 25(1AA)(1a) (8)/ 54/ 59 Arms Act एवं 318/335/336(3) 337/241/61-2 भारतीय न्याय संहिता - 2023 12 Pasport थानाः स्पेशल सेल, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **हरदेश उर्फ सोनू उर्फ आरपी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्रेया अग्रवाल
सीएमएम, (NDD), कमरा नं. 26
पटियाला हाउस कोर्ट, दिल्ली

DP/16460/Spl Cell/2025
(Court Notice)

अधिवक्ता से मारपीट के मामले में जिला न्यायालय में अधिवक्ताओं ने हड़ताल की

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद जिला न्यायालय में सोमवार को अधिवक्ता भूपेश जोशी पर मेडीचेक एन एच 1 के बाउंसरों व स्टाफ द्वारा कातिलाना हमला करने के विरोध में हड़ताल रही। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान राजेश बैंसला व महासचिव टीका डागर की अध्यक्षता में हुई बैठक में तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल रखने का निर्णय लिया गया जब तक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता।

उल्लेखनीय है इस हमले में भूपेश जोशी बुरी तरह से घायल हुए हैं और उन्हें इमरजेंसी में एम्स अस्पताल दिल्ली रेफर किया गया है

उनका मुंह फ्रैक्चर हुआ है। अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ ने अपना विरोध दर्ज करते हुए कहा कि वकीलों पर हमला किसी भी स्थिति में सहनीय नहीं है। ऐसा हमला वकील सहन नहीं करेंगे। हड़ताल में बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्तागणों के अलावा संजीव चौधरी, जे पी अधाना, मनोज अरोड़ा, पुनीत भाटिया, ओ पी परमार, हरीश चेतल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए।

डीजीपी ने साइबर ठगी से बचने के लिए लॉंच किया नया 'पीवीआर' मॉडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने गुरुग्राम के टाउनहॉल में ऑनलाइन साइबर ठगी से बचने के लिए एक नया और बेहद सरल 'पीवीआर' फॉर्मूला लांच किया। जिसे पॉज, वैरिफाई, रिपोर्ट (पीवीआर) नाम दिया गया है। यह मॉडल ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल स्कैम से बचने के लिए तुरंत अपनाया जा सकने वाला तीन-स्टेप का हथियार बताया गया है।

डीजीपी ने कहा कि आज के स्कैमर्स तकनीक से ज्यादा मानव भावनाओं को हैक करते हैं। हर धोखाधड़ी अक्सर इन छह ट्रिगर्स पर खेलती है डर, जल्दबाजी, भरोसा, जिज्ञासा, लालच और लापरवाही। उन्होंने पीवीआर को लेकर कहा कि पॉज मतलब रुकिए,स्कैमर आपकी घबराहट पर निर्भर करता है। दो सेकंड रुक जाएं, उनका खेल खत्म।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मनीष उर्फ मंगल पुत्रः जूगनू पताः मकान नं. 301ए, खसरा नं. 25/2 & 25/3, दीपक विहार, निलोठी, दिल्ली और आरजेडबी–18, निहाल विहार, दिल्ली** ने **FIR No. 10/2018 U/s 379/411/34 IPC, थानाः निहाल विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **मनीष उर्फ मंगल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मनीष उर्फ मंगल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 10/2018 U/s 379/411/34 IPC, थानाः निहाल विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मनीष उर्फ मंगल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 12.01.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कोमल गर्ग
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
पश्चिम जिला, रूम नं. 292
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16506/OD/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी देवा पुत्र** नरेश कुमार, **पताः** मकान नं. एस–16, विश्वास पार्क उत्तम नगर, बिंदापुर, द्वारका, **दिल्ली SC No. 43/2022, FIR No: 717/2021, Us: 307/120B/34 IPC & 25/27 ARMS ACT पुलिस थानाः बिंदापुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **देवा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **देवा** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **देवा SC No. 43/2022, FIR No: 717/2021, Us: 307/120B/34 IPC & 25/27 ARMS ACT, पुलिस थानाः बिंदापुर, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
गुरमोहिना कौर
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश–05
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/16358/DW/2025
(Court Matter)

उपायुक्त ने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उनका कुशल मंगल जाना तथा समस्याएं सुनी

चिकित्सकों की हड़ताल के बीच सिन्हा का बीके सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद जिले में चल रही चिकित्सकों की हड़ताल के बीच सोमवार को फरीदाबाद जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बीके सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।

उपायुक्त ने अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक, मातृत्व एवं शिशु वार्ड, आपातकालीन सेवाओं, दवा वितरण केंद्र और प्रयोगशाला सहित विभिन्न विभागों का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर सेवाओं की उपलब्धता, प्रतीक्षा समय सफाई व्यवस्था, दवाइयों की उपलब्धता तथा उपचार की गुणवत्ता के बारे में

विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकांश मरीजों ने बताया कि हड़ताल के बावजूद अस्पताल में व्यवस्थाएं सामान्य रूप से चल रही हैं और उन्हें उपचार, दवाइयां तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो रही हैं। उपायुक्त सिन्हा ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी परिस्थिति में सामान्य जनमानस को चिकित्सा सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी महसूस न हो। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि मरीजों के लिए सभी आवश्यक सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल में लाइटिंग, सुरक्षा, साफ-सफाई, पार्किंग, मार्ग व्यवस्था तथा भवन की आवश्यक मरम्मत से संबंधित कमियों का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इन व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र बेहतर किया जाए। वितरण केंद्र पर दवाइयों की उपलब्धता की भी जांच की तथा जन औषधि केंद्र में स्टॉक अद्यतन रखने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और चिकित्सा सुविधाओं की निगरानी लगातार की जा रही है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प हिसार	हरियाणा राज्य में दादरी चिड़िया रोड रोड आईडी 2440 का मजबूतीकरण और चौड़ा करना (एमडीआर 124) कि.मी. 30.55 से 48.57 तक (सीआरआईएफ योजना के तहत) (सजावटी स्ट्रीट लाइट इत्यादि का प्रावधान केवल) + 2 कार्य।	05.12.2025 11.12.2025	986.18 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
2	पंचायती राज भिवानी	खण्ड और जिला भिवानी के गांव राजगढ़ में बजरंगी चौपाल में निर्माण कार्य (रेलिंग और इलैक्ट्रिकल कार्य) डी प्लान योजना + 7 कार्य।	06.12.2025 11.12.2025	157.93 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
3	पंचायती राज करनाल	गढ़ी बराहल गांव देवीपुरा खण्ड घरौंडा, जिला करनाल में महिला चौपाल / महिला एसएचजी मीटिंग हॉल का निर्माण, वीएएनजीवाई योजना 2024-25 के तहत + 1 कार्य।	05.12.2025 15.12.2025	27.08 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896202019 prexeeng.krl@hry.nic.in
4	पंचायती राज कुरूक्षेत्र	केडीबी कार्य, खण्ड थानेसर जिला कुरुक्षेत्र में टॉयलेट ब्लॉक्स के सीवरेज कनेक्शन हेतु ब्रह्मसरोवर की साउथ साइड (आउटर) और ज्योतिसर तीर्थ तक।	05.12.2025 18.12.2025	8.37 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896224357 prexeeng.krk@hry.nic.in
5	पंचायती राज रेवाड़ी	गांव जीतपुरा ब्लॉक धारूहेड़ा, जिला रेवाड़ी में जीतपुरा से रोजका की तरफ सम्पर्क रास्ते का निर्माण + 8 कार्य।	05.12.2025 11.12.2025	342.72 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466112077 prexeeng.rwr@hry.nic.in
6	पंचायती राज फतेहाबाद	गांव मानावाली ब्लॉक और जिला फतेहाबाद में मानव वाली सुरज राम धाकड़वाल से खैराती रोड तक एचजीवीवाई।	05.12.2025 11.12.2025	69.80 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1667230855 prexeeng.ftb@hry.nic.in
7	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, सिरसा	सहारन डिस्टी. के आरडी 0-73740 टेल तक की आंतरिक सफाई का आकलन + 3 कार्य।	बंद होने की तिथि 11.12.2025	5.91 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9996665761 xensrs.swd1925@yahoo.com
8	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, करनाल	आगुमेंटेशन कैनाल के आरडी 74.080 पर वीआर ब्रिज का निर्माण।	04.12.2025 18.12.2025	162.77 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0184-2258008 xeninddivn@yahoo.in
9	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, मंडी डबवाली	कालांवाली एसटीपी कलेक्टिंग टैंक का निर्माण, पम्पिंग मशीनरी और इलैक्ट्रिकल स्थापना, 500 मिमी ओ/डी एचडीपीई राइजिंग मेन घग्गर ड्रेन के एसटीपी से बिछाना और प्रावधान और हाईड्रेंट्स इत्यादि का प्रावधान व फिक्सिंग, चार्जेबल हैड :- कालांवाली टाउन :- राइजिंग मेन को बिछाना और प्रावधान, मौजूदा 9.50 एमएलडी एसटीपी कालांवाली टाउन से रोड़ी घग्गर ड्रेन तक बिछाना और प्रावधान, निकट गांव फग्गू जिला सिरसा।	05.12.2025 29.12.2025	2112.75 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8730000001 ee.mandidabwali@gmail.com
10	वन विभाग भिवानी	ब्रिक्स बाउंड्री वॉल पिल्लर सहित और बारब्ड वायर फेंसिंग हेतु निविदा।	27.11.2025 12.12.2025	113.08 लाख	https://haryanaeprocurement.gov.in	9416251743 dfo.bhiwani@yahoo.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच–11/2026/200/40982/1/88/7 दि. 08.12.25

सीएम जनरल बिपिन रावत की स्मृति में बने ऑडिटोरियम का करेंगे उद्घाटन

सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के सैनिक स्कूल में स्वर्गीय बिपिन रावत की स्मृति में बने ऑडिटोरियम का उद्घाटन करेंगे। वह उनकी प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। यह कार्यक्रम रावत की चौथी पुण्यतिथि पर आयोजित है। मुख्यमंत्री पिपरौली में पावरग्रिड द्वारा निर्मित राजकीय आईटीआई का भी लोकार्पण करेंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोरखपुर

सीएम योगी आदित्यनाथ मंगलवार 9 दिसंबर को गोरखपुर के सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) स्वर्गीय बिपिन रावत की स्मृति में बने ऑडिटोरियम का उद्घाटन और उनकी प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसका निर्माण सैनिक स्कूल प्रोजेक्ट में राज्य सरकार द्वारा कराया गया है। पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर जीबीआर फाउंडेशन ऑफ इंडिया की तरफ से होने वाले आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री इस महान सैन्य अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ जनरल रावत के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। मंगलवार को ही दोपहर बाद मुख्यमंत्री, पिपरौली ब्लॉक के नरकटहा में पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड से बने राजकीय आईटीआई का भी लोकार्पण करेंगे।

कार्यक्रम मंगलवार सुबह 10 बजे से होगा

सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि अर्पण और उनकी याद में बनाए गए ऑडिटोरियम के उद्घाटन का कार्यक्रम मंगलवार सुबह 10 बजे से होगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लाखेड़ा, जीबीआर मेमोरियल फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया, जीबीआर मेमोरियल फाउंडेशन के सचिव मंजीत नेगी और जनरल बिपिन रावत की सुपुत्री कृतिका और तारिणी रावत की भी उपस्थिति रहेगी। गोरखपुर के सैनिक स्कूल में निर्मित जनरल बिपिन रावत ऑडिटोरियम की क्षमता 1000 से अधिक लोगों के बैठने की है।

देंगे पिपरौली क्षेत्र में नए राजकीय आईटीआई का उपहार

गोरखपुर दौरे के दौरान मंगलवार दोपहर बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिपरौली क्षेत्र के ग्राम नरकटहा में बने राजकीय आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) का लोकार्पण करेंगे। इस आईटीआई का निर्माण पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) फंड से 16 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। पिपरौली क्षेत्र का आईटीआई अब गोरखपुर का 11वां और पीपीपी मोड में संचालित होने वाला तीसरा राजकीय आईटीआई होगा।

खबर संक्षेप

दिनदहाड़े पेट्रोल पंप के कैशियर से 3 लाख लूटे

मुजफ्फरपुर। शहर के मोतीझील में पंजाब नेशनल बैंक के गेट पर सोमवार की दोपहर 12.21 बजे

स्टेशन रोड स्थित पेट्रोल पंप के कैशियर मनीकांत श्रीवास्तव से 3.11 लाख रुपए लूट लिया। पिस्टल के बट से मारकर रुपए लूटे। जिसके बाद तीनों अपराधी पाण्डेय गली से दीवान रोड होकर भाग निकले । मणिकांत श्रीवास्तव दशकों से स्टेशन रोड स्थित एलके बोस पेट्रोल पंप के कैशियर हैं।

एसआईटी करेगी जहरीली कफ सिरप मामले की जांच

लखनऊ। यूपी में जहरीली कफ सिरप मामले की जांच आईजी के नेतृत्व में गठित होने वाली राज्य

स्तरीय एसआईटी करेगी। कफ सिरप से मौत का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। ये जानकारी सोमवार को यूपी के डीजीपी राजीव कृष्ण और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने दी।उन्होंने बताया कि प्रदेश में ड्रग माफिया के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अब तक 128 एफआईआर दर्ज हुई हैं।

गोवा अग्निकांड में कानपुर के रोहन की मौत

कानपुर। गोवा के नाइट क्लब में शनिवार देर रात सिलेंडर विस्फोट और आग लगने से 25 लोगों की

मौत हो गई। गोवा के नाइट क्लब में हुए अग्निकांड में कानपुर के रोहन सिंह की भी मौत हुई है। रोहन की मौत की जानकारी मिलने के बाद घर पर मातम छाया है। परिवार के लोग शव लेने के लिए गोवा रवाना हुए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता को चिट्ठी लिखी

घुसपैठियों को पहचानने और उन्हें बाहर करने में मांगा सहयोग, कार्रवाई शुरू

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे नागरिकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से घुसपैठियों की पहचान करने में सहयोग मांगा है। सरकार ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है और संदिग्ध नागरिकों को डिटेंशन सेंटरों में भेजने की तैयारी है। मेरठ में भी डिटेंशन सेंटर बनाने के आदेश दिए गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राज्य में छिपकर रहे अवैध नागरिकों को लेकर सख्ती दिखाई है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण में राज्य में ऐसे लोगों की पहचान सामने आई है, जिसके बाद राज्य सरकार इनको डिटेंशन सेंटर में रखने की तैयारी में जुट गई है। इसी क्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के लिए एक पत्र जारी किया गया है, जिसमें घुसपैठियों की पहचान और उन्हें बाहर करने में सहयोग मांगा है। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'मेरे सम्मानित प्रदेश वासियों, यूपी की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त और निर्णायक कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

घुसपैठिये किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं

पोस्ट में 'योगी की पाती' भी साझा की है, जिसमें लिखा, 'मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, सर्वोच्च

न्यायालय ने एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि घुसपैठियों के लिए लाल कालीन नहीं बिछाई जा सकती है। संसाधनों पर अधिकार नागरिकों का है, घुसपैठियों का नहीं है। प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त और निर्णायक कार्रवाई प्रारंभ की गई है। सभी नगरीय निकायों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

संसाधनों पर अनधिकृत बोझ की सफाई आवश्यक

सार्वजनिक संसाधनों पर अनधिकृत बोझ की सफाई आवश्यक है। योजनाओं के माध्यम से वंचितों को मिलने वाले लाभ को बंटने नहीं दिया जा सकता है। इसी उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक मंडल में डिटेंशन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। मैं प्रदेश की जागरूक जनता से अपील करता हूं कि सतर्क रहे और घरेलू अथवा व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियोजित करने से पूर्व उसकी पहचान अवश्य सुनिश्चित करे।

आगरा पहुंचे सीएम योगी

एसआईआर पर कर रहे समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आगरा

मंडलीय समीक्षा और भाजपा जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार शाम करीब चार बजे आगरा पहुंचे। खेरिया हवाई अड्डे पर भाजपा के सांसद, विधायक, अध्यक्ष व अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने सीएम योगी का स्वागत किया।

आयुक्त सभागार में सीएम योगी एसआईआर व अन्य मामलों पर आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों संग बैठक करेंगे। करीब दो घंटे चलने वाली इस बैठक के दौरान सीएम दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुस्त रफ्तार की समीक्षा कर मतदाता बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रेरित करेंगे।

नीतीश सरकार ने हर महीने की तारीख तय की

शिक्षकों का वेतन देने के बाद ही अफसरों को मिलेगी सैलरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पटना

बिहार के शिक्षकों को अब हर महीने की एक तारीख को वेतन मिलेगा। टीचर्स को सैलरी मिलने के बाद ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों को वेतन मिलेगा। शिक्षा विभाग ने सोमवार को इससे संबंधित मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) जारी कर दिया है। इस संबंध में प्राथमिक शिक्षा निदेशक साहिला ने सभी डीईओ और डीपीओ को पत्र भेजा है।

अब शिक्षकों के वेतन में लेटलतीफी नहीं होगी

इस आदेश के बाद अब शिक्षकों के वेतन में लेटलतीफी नहीं होगी। और महीने की पहली तारीख को शिक्षकों को वेतन मिल जाएगा। पहले की व्यवस्था में वेतन भुगतान में देरी होती थी, जिससे शिक्षकों को परेशानी होती थी, खासकर त्योहारों के समय। सबसे ज्यादा दिक्कत नियोजित से सरकारी शिक्षक बने टीचर्स को होती थी।

लाखों शिक्षकों को राहत देगा

कई महीनों उनका वेतन लटका रहता था। इन शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा-1 पास करने के बाद विशिष्ट शिक्षक (स्पेशल टीचर) के रूप में नियुक्त किया गया था। बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित प्रधान शिक्षक और हेडमास्टरों को भी वेतन का इंतजार करना पड़ता था। हालांकि अब शिक्षकों को वेतन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नीतीश सरकार का यह फैसला बिहार के लाखों शिक्षकों को राहत देगा। नई व्यवस्था के लागू होने से वेतन भुगतान में पारदर्शिता बढ़ेगी और वेतन की देरी की समस्या भी खत्म हो जाएगी।

पेज एक का शेष

827 करोड़ रिफंड....

यह भी बताया कि 1 से 7 दिसंबर के बीच बुक किए गए 5,86,705 टिकटों के पीएनआर रद्द कर उनका पूरा रिफंड कर दिया गया है, जिसकी कुल राशि 569.65 करोड़ रुपए है। इसके अलावा 21 नवंबर से 7 दिसंबर तक कुल 9,55,591 पीएनआर रद्द कर रिफंड जारी किया गया, जिसकी कुल राशि 827 करोड़ रुपए है। कंपनी ने इस पूरे संकट का कारण 1 नवंबर 2025 से लागू नए फ्लाइट ड्यूटी नियमों को बताया है और स्वीकार किया है कि वह पायलटों की बढ़ी हुई जरूरत का सही आकलन करने तथा रोस्टर प्रबंधन में असफल रही। इसके बाद डीजीसीए ने पायलटों के साप्ताहिक विश्राम से जुड़ा नया नियम सभी एयरलाइंस के लिए वापस ले लिया है, जबकि नाइट ड्यूटी नियमों में इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक छूट दे दी गई है। नियामक ने इंडिगो को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। साथ ही, सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित कर दी है। राज्यसभा में सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि इंडिगो संकट उसके क्रू रोस्टरिंग और इंटरनल प्लानिंग सिस्टम में समस्याओं के कारण हुआ। इससे यात्रियों को काफी दिक्कतें हुईं। हम इसे हल्के में नहीं लेंगे। जांच जारी है। हम ऐसा एक्शन लेंगे जो दूसरों के लिए मिसाल बने।

सीजेआई ने कहा-...

का सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार मामले को देख रही है, उन्हें ही इसे संभालने दें। वहीं याचिकाकर्ता वकील ने कहा कि 2500 उड़ानें विलंबित हैं और 95 हवाई अड्डे प्रभावित हैं। पिछले 7 दिन से इंडिगो की ज्यादातर उड़ानें कैंसिल हो रही हैं, जिसे लेकर जनहित याचिका दायर की गई थी और तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की गई थी। याचिका में प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा और मुआवजे की मांग की गई थी।

एयर इंडिया कर ....

सरकार से यह एयरलाइन खरीदी थी। कंपनी ने कहा कि वह अपने एयरबस ए 320 और बोइंग 737 फ्लीट के लिए पायलटों को हायर करना चाहती है। वैसे तो यह सामान्य सी भर्ती का विज्ञापन है लेकिन इसने सोशल मीडिया पर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है क्योंकि एअर इंडिया की प्रतिद्वंद्वी, इंडिगो पर गहरा संकट मंडरा रहा है।

भारत के लिए ...

साजो-सामान से जुड़ी हुई कंपनियां भी अपना उत्पादन बंद कर चुकी हैं। एक जमाने में ओमान की वायुसेना भी जगुआर लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करती थी। लेकिन अब वो भी इन्हें सेवामुक्त कर चुकी है। इन सबके बीच भारत की वायुसेना जो कि इन विमानों का आज भी इस्तेमाल कर रही है। उसे अपने मौजूदा बेड़े की मरम्मत और देखरेख के लिए कलपुर्जों की आवश्यकता है। जिसे ओमान द्वारा पूरा किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही ओमान की यात्रा करने वाले हैं। ऐसे में इस मामले को और अधिक बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पीएम की यात्रा से मिलेगा बढ़ावा: प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही ओमान, जॉर्डन और इथोपिया जैसे तीन देशों की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होने वाले हैं। इथोपिया का यह उनका पहला दौरा होगा। विदेश मंत्रालय आगामी दिनों में पीएम की इस यात्रा के कार्यक्रम की व्यापक जानकारी साझा करेगा। लेकिन उससे ठीक पहले हालांकि ओमान से जगुआर विमानों के लिए कलपुर्जे मिलने के इस महत्वपूर्ण मामले के सामने आने के बाद देश के सामरिक गलियारों में इस प्रकार की चर्चाओं ने जोर पकड़ा है कि देश के शीर्ष नेतृत्व की ओमान यात्रा से मामले को और अधिक बल मिलेगा। हो सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी और ओमान के शीर्ष नेतृत्व के बीच होने वाली वार्ताओं में भी इस मुद्दे को शामिल किया जाए या फिर पीएम इसे लेकर अरब प्रायद्वीप के अपने साझेदार देश का शुक्रिया अदा करें।

कारगिल युद्ध, बालाकोट एयरस्ट्राइक में दिखाया दम: गौरतलब है कि जगुआर एक ब्रिटिश-फ्रेंच ओरिजन का लड़ाकू विमान है। जो पहली बार करीब 1979 में भारत पहुंचे थे। इसके बाद दशकों लंबे अपने सेवाकाल में इन लड़ाकू विमानों ने भारत की सीमाओं की रक्षा से जुड़ी हुई अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया है। पाकिस्तान के साथ 1999 में हुए कारगिल युद्ध से लेकर बीते वक्त में पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी अड्डों को चुन-चुनकर निशाना बनाने को लेकर गई वायुसेना की बालाकोट एयरस्ट्राइक में भी जगुआर विमानों ने अपनी प्रचंड मारक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए दुश्मन को चारों खाने चित कर दिया था। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी ये विमान देश की सुरक्षा में मुस्तैदी से तैनात रहे हैं।

वायुसेना को चाहिए 42 स्क्वाड्रन: वायुसेना को चीन और पाकिस्तान से दो मोर्चों पर मिल रही युद्ध की साझा चुनौती के बीच लड़ाकू विमानों की कुल 42 स्क्वाड्रन की आवश्यकता है। लेकिन अभी फिलहाल उसके पास ऐसी करीब 30 से 32 स्क्वाड्रन मौजूद हैं। जिसके चलते जगुआर की मरम्मत कर आगामी कुछ वक्त तक उनका ही इस्तेमाल करना पड़ेगा। नए लड़ाकू विमानों की बल में आवक में लगने वाला समय भी इसके पीछे की एक बड़ी वजह है। उधर, वायुसेना की भविष्य की योजना के मुताबिक, 2035 तक वो अपने बेड़े में शामिल जगुआर विमानों को सेवामुक्त करना चाहती है।

धर्मार्थ के रूप में ....

हो सकती है। सूत्रों ने कहा कि ओमान की तरफ से हमें जगुआर विमानों के कलपुर्जे मुफ्त में दिए जाएंगे। उनके पास वर्तमान में लगभग 20 जगुआर विमान हैं, जो सेवामुक्त हो चुके हैं।

नेहरू को अपना ...

ने वंदे मातरम पर समझौता किया, और उसी का नतीजा बाद में देश के विभाजन को स्वीकार करने के रूप में सामने आया। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस की नीतियों में तब से लेकर आज तक कोई बदलाव नहीं आया है। लोकसभा में चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि उन परिस्थितियों को भी नई पीढ़ियों को बताने का उनका दायित्व है जिनकी वजह से वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात किया गया। उन्होंने इस चर्चा के दौरान महात्मा गांधी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना का ज़िक्र किया। मोदी ने सवाल किया कि जब बापू को 'वंदे मातरम् नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ?' उन्होंने कहा, वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति तेज़ होती जा रही थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्तूबर 1937 को वंदे मातरम् के ख़िलाफ़ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा, बजाय इसके कि मुस्लिम लीग के आधारहीन दावों को वो करारा जवाब देते, इसके उलट उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी। पीएम मोदी ने कहा एक ऐसा कालखंड जो हमारे सामने इतिहास की अनगिनत घटनाओं को अपने सामने लेकर आता है। यह चर्चा सदन की प्रतिबद्धता को तो प्रकट करेगी ही, लेकिन आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह शिक्षा का कारण बन सकती है अगर हम इसका सदुपयोग करेंगे। आज हम वंदे मातरम् की 150 वर्ष की सामूहिक ऊर्जा की अनुभूति कर रहे हैं उन्होंने वंदे मातरम् के 150 वर्षों की यात्रा को याद करते हुए कहा, यह यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन वंदे मातरम् 50 वर्ष पूरे हुए तो देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। जब 100 साल पूरे हुए तो देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। देशभक्ति के लिए जीने-मरने वाले लोगों को जेल में बंद कर दिया गया था। दुर्भाग्य से एक काला कालखंड हमारे इतिहास में उजागर हो गया। प्रधानमंत्री ने कहा, 150 वर्ष के उस महान अध्याय और गौरव को दोबारा स्थापित करने का अवसर है। मैं मानता हूं कि सदन और देश को इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। यही वंदे मातरम् है, जिसने 1947 में देश को आजादी दिलाई। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर कहा कि बंगाल का विभाजन तो हुआ लेकिन बहुत बड़ा स्वदेशी आंदोलन हुआ और तब वंदे मातरम् हर जगह गूंज रहा था। अंग्रेज समझ गए थे कि बंगाल की धरती से निकला बंकिम बाबू का यह भाव सूत्र जो उन्होंने तैयार किया था उसने अंग्रेजों को हिला दिया था। इस गीत की ताकत इतनी थी कि अंग्रेजों को इस गाने पर प्रतिबंध लगाने पर मजबूर होना पड़ा था। गाने और छापने पर ही नहीं वंदे मातरम् शब्द बोलने पर भी सज़ा, इतने कठोर कानून लागू किए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंग्रेजों ने बांटों और राज करो, इस रास्ते को चुना और उन्होंने बंगाल को इसकी प्रयोगशाला बनाया क्योंकि वो भी जानते थे कि वो एक वक्त था जब बंगाल का बौद्धिक सामर्थ्य देश को दिशा, ताकत, प्रेरणा देता था और इसलिए अंग्रेज भी जानते थे कि बंगाल का यह जो सामर्थ्य है वो पूरे देश की शक्ति का एक केंद्र बिंदु है और इसलिए अंग्रेजों ने सबसे पहले बंगाल के टुकड़े करने की दिशा में काम किया। अंग्रेजों का मानना था कि एक बार बंगाल टूट गया तो यह देश भी टूट जाएगा...1905 में अंग्रेजों ने बंगाल का विभाजन किया लेकिन जब अंग्रेजों ने 1905 में यह पाप किया तो वंदे मातरम् चट्टान की तरह खड़ा रहा। बंगाल की एकता के लिए वंदे मातरम् गली-गली का नाद बन गया था और वो ही नारा प्रेरणा देता था।

'वंदे मातरम' के साथ .....

'वंदे मातरम' पर बोलेंगे, लेकिन उनके पूर्वजों ने 'वंदे मातरम' का समर्थन नहीं किया था। उनके (भाजपा) लिए इसका कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वे हिंदू-मुस्लिम बंटवारे पर ध्यान देते हैं।

जितने साल मोदी...

करेंगे। लोकसभा में वंदे मातरम पर चल रही बहस के दौरान कांग्रेस उपनेता गौरव गोगोई ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन पीएम मोदी हर चर्चा में नेहरू और कांग्रेस का नाम लेते रहते हैं। गोगोई ने कहा कि मोदी अपने भाषणों में नेहरू का नाम कई बार दोहराते हैं, चाहे 75वें संविधान दिवस की चर्चा हो या राष्ट्रपति के अभिभाषण नेहरू जी का नाम बार-बार लिया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश की असली समस्याओं सुरक्षा, आतंकी घटनाओं और प्रदूषण पर सरकार चुप है। लोकसभा में 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने पर बहस के दौरान पीएम मोदी के बोलने के बाद लोकसभा में कांग्रेस नेता गौरव गोगोई बोले। इसके बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने वंदेमातरम् पर चर्चा में हिस्सा लिया। अखिलेश यादव ने वंदे मातरम ने देश को एक किया और आज़ादी की लड़ाई में जान डाली। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष हर चीज पर कब्जा करना चाहता है। सत्ता पक्ष हमेशा सब कुछ अपना बनाना चाहता है। ये लोग हर बात का श्रेय लेने चाहते हैं, जो महापुरुष इनके नहीं हैं, ये लोग उनपर भी कब्जा करने की कोशिश करते हैं। इनकी बातों से ऐसा लगता है कि वंदे मातरम् भी इन्हीं का बनवाया हुआ गीत है। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि वंदे मातरम सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि इसका पालन करने के लिए है। जिन्होंने कभी आजादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया, वे वंदे मातरम का महत्व कैसे समझेंगे? टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि अब चुनाव का समय है, इसलिए बीजेपी इसे मुद्दा बना रही है। अगर उन्हें सच में सम्मान होता, तो हमारे लोगों को उनके राज्यों में नहीं पीटा जाता और हमारी भाषा को 'बांग्लादेशी' नहीं कहा जाता।

1500 करोड़ की....

सक्रिय थी, जिसके साथ ब्लूचिप इन्वेस्टमेंट एलएलसी जैसी 16 अन्य कंपनियां जुड़ी थीं। उसने रियल एस्टेट और सोने के खनन जैसे क्षेत्रों में हाई रिटर्न का लालच देकर निवेशकों को फंसाया। 90% पीड़ित भारत के हैं, जबकि नेपाल, वियतनाम, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों के 10% विदेशी निवेशक भी इसका शिकार हुए।

मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित: इस बड़े घोटाले के बढ़ते दायरे को देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने विशेष जांच दल के गठन का आदेश दिया। एडीशनल डीसीपी क्राइम अंजली विश्वकर्मा एसआईटी का नेतृत्व करेंगी और इसमें छह सदस्य होंगे। एसआईटी के सामने 16 कंपनियों के वित्तीय लेनदेन, बैंक खाते, क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन और सोनी व उसके सहयोगियों के निजी वित्त पर नज़र रखना बड़ी चुनौती है।

कॉन्स्टेबल और सब-....

लिए बुलाया जाएगा। नॉलेज टेस्ट में 97 प्रतिशत वेटेज होगा और यह वस्तुनिष्ठ, बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगा, जिसमें प्रत्येक प्रश्न समान अंक का होगा। परीक्षा हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में आयोजित होगी, सिवाय उन स्थितियों के जब हिंदी/अंग्रेजी भाषा के ज्ञान का परीक्षण किया जाना हो। प्रश्न पत्र में सामान्य अध्ययन, सामान्य विज्ञान, करंट अफेयर्स, सामान्य तर्कशक्ति, मानसिक योग्यता, संख्यात्मक क्षमता, कृषि, पशुपालन तथा संबंधित क्षेत्रों या ट्रेड्स से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे। कम से कम 10 प्रतिशत प्रश्न बेसिक कंप्यूटर ज्ञान से संबंधित और कम से कम 20 प्रतिशत प्रश्न हरियाणा के मूलभूत ज्ञान से संबंधित होंगे। प्रश्नों का स्तर शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप होगा।

टूरिस्ट गाड़ियों को चलाने की अवधि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई: मंत्रीमंडल बैठक में हरियाणा मोटर व्हीकल्स रूल्स, 1993 के तहत टूरिस्ट परमिट के अनुसार चलने वाली टूरिस्ट गाड़ियों को चलाने की अवधि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन नियमों को हरियाणा मोटर व्हीकल्स (संशोधित) नियम, 2025 माना जाएगा। संशोधित नियम अनुसार, एनसीआर में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट पर पेट्रोल या सीएनजी पर चलने वाली गाड़ियों को 12 साल तक चलाने की इजाजत होगी, जबकि इसी परमिट कैटेगरी की डीजल गाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाने की इजाजत होगी। नॉन-एनसीआर एरिया के लिए, पेट्रोल या सीएनजी और डीजल पर चलने वाली ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट गाड़ियों की भी ज्यादा से ज्यादा 12 साल तक चलाया जा सकेगा। एनसीआर इलाके में स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, गुड्स कैरिज और स्कूल बसों समेत शेष सभी गाड़ियों के परमिट के लिए, पेट्रोल, सीएनजी, इलेक्ट्रिक या दूसरे इंधन पर चलने वाली गाड़ियों की ज्यादा से ज्यादा अवधि 15 साल तय की गई है। हालांकि, केवल एनसीआर इलाके में इस टाइप के परमिट के तहत चलने वाली डीजल गाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाया जा सकेगा। गैर-एनसीआर इलाकों के लिए, पेट्रोल, सीएनजी, इलेक्ट्रिक या दूसरे स्वच्छ इंधन और डीजल पर चलने वाली स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, गुड्स कैरिज और स्कूल बसों समेत बाकी सभी परमिट की गाड़ियों को चलाने की ज्यादा से ज्यादा 15 साल तक की अवधि होगी।

सीजेआई ने इलाहाबाद ...

दिए जा रहे विवादित और महिला-विरोधी आदेशों पर गंभीर चिंता जताई। ऐसी टिप्पणियां पीड़ित पर चीलिंग इफेक्ट यानी भयावह प्रभाव डालती हैं। कई बार शिकायत वापस लेने जैसा दबाव भी पैदा करती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि 'हम हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करेंगे और ट्रायल को जारी रहने देंगे। अब सुप्रीम कोर्ट पूरे देश के हाई कोर्ट्स के लिए एक साफ और व्यापक गाइडलाइन बनाने की तैयारी में है। ताकि निचली अदालतें और हाई कोर्ट सही दृष्टिकोण अपनाएं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के .....

हाई कोर्ट ने एक अन्य मामले में यह टिप्पणी की थी कि रात का समय मानो आमंत्रण जैसा था। उन्होंने कहा कि कोलकाता हाई कोर्ट और राजस्थान हाई कोर्ट में भी इसी तरह की टिप्पणियां आई हैं। एक अन्य वकील ने कोर्ट को बताया कि हाल ही में एक सेशन कोर्ट में इन-कैमरा सुनवाई के दौरान भी एक लड़की को परेशान किया गया।

जनवरी 2022 का....

घर लौट रही थी। रास्ते में गांव के रहने वाले पवन, आकाश और अशोक मिल गए। पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने उस पर भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया, लेकिन रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की के प्राइवेट पार्ट को पकड़ लिया। आकाश ने उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करते हुए उसके पायजामे की डोरी तोड़ दी। जब पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, तो उसने अदालत का रुख किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 19 मार्च को कहा था कि 'किसी लड़की के निजी अंग पकड़ लेना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ देना और जबरन उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश से रेप या 'अटेम्प्ट टु रेप' का मामला नहीं बनता।' हाईकोर्ट के फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों, राजनेताओं और अलग-अलग क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स ने विरोध जताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले का खुद संज्ञान लिया था। फिर 25 मार्च को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी।

बोले रणधीर जायसवाल....

होगी। अमेरिका के उप-व्यापार प्रतिनिधि राजदूत रिक स्वाइट्जर के नेतृत्व में एक व्यापारिक दल भारत पहुंचेगा। यह एक सामान्य आदान-प्रदान से जुड़ी हुई यात्रा होगी। जिसमें अमेरिकी राजदूत स्वाइटजर भारत सरकार के आला अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच एक साफ सुथरे, संतुलित और साझा रूप से लाभप्रद बहुआयामी बीटीए को लेकर गतिविधियां चल रही हैं। इस संबंध में जारी चर्चाओं को समाप्त करने के संदर्भ से ही उनकी ये यात्रा जुड़ी हुई है।

ब्रिटेन के इस कदम से गदगद भारत: ब्रिटेन ने हाल ही में पहली बार अपनी घरेलू-आतंकवादी रोधी व्यवस्था का इस्तेमाल करते हुए भारत में खालिस्तानी आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े व नई दिल्ली द्वारा प्रतिबंधित बब्बर खालसा आतंकी संगठन को फंडिंग पहुंचाने के संदेह में एक सिख व्यापारी गुरप्रीत सिंह रेहल और उनसे जुड़े हुए एक समूह बब्बर अकाली लहर पर प्रतिबंध लगाने का एक बड़ा कदम उठाया है। जिसका 8 दिसंबर को भारत ने स्वागत किया। रणधीर जायसवाल ने कहा, हम ब्रिटेन की सरकार द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों को लेकर प्रतिबंध लगाने के इस कदम का स्वागत करते हैं। जो आतंकवाद और चरमपंथ के खिलाफ जारी वैश्विक लड़ाई को मजबूत करेगा। साथ ही अवैध वित्तीय व्यवस्था और विभिन्न देशों की सीमा-पार अपराध नेटवर्क को रोकने में भी मददगार साबित होगा। ऐसे व्यक्ति या समूह-संगठन भारत और ब्रिटेन के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लोगों के लिए खतरा हैं। हम ब्रिटेन की सरकार के साथ बेहद करीब से आतंकवाद का मुकाबला करने और सुरक्षा सहयोग के मामलों को लेकर काम करना जारी रखेंगे।

म्यांमार में लोकतंत्र बहाली के पक्ष में भारत: उन्होंने कहा कि भारत म्यांमार में लोकतंत्र बहाली के पक्ष में है। साथ ही हमारा ये भी मानना है कि इस प्रक्रिया में सभी पक्षों की भागीदारी होनी चाहिए। क्योंकि इसी से वहां होने वाले चुनावों की विश्वसनीयता प्रदर्शित होगी। भारत का मानना है कि म्यांमार में चुनाव स्वतंत्र और समावेशी तरीके से होने चाहिए। हम पड़ोसी देश में शांति स्थापना के लिए जारी बातचीत के सभी प्रयासों को समर्थन प्रदान करेंगे। जिससे वहां पर जमीनी स्तर पर सामान्य स्थिति बहाल हो सके। हमारे म्यांमार के साथ मजबूत रहे हैं। हालिया समय में आए भूकंप में भी हमने उन्हें मदद प्रदान की थी। इतना ही नहीं भारत ने सबसे पहले प्रतिक्रिया देते हुए एक टीम भेजकर म्यांमार तक मानवीय-चिकित्सा पहुंचाई, अस्थायी अस्पताल स्थापित कर प्रभावितों की मदद की थी। ताकि लोगों का जीवन सामान्य हो सके। हमारा म्यांमार के साथ विकास सहयोग है। जो हमारी साझेदारी का एक अहम स्तंभ है।

तेल खरीद पर पुराने रुख पर कायम: रणधीर ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों के मामले में कहा कि कानून व्यवस्था के मामले में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ही जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने भारत को आगामी समय में लगातार जारी रहने वाली कच्चे तेल की सप्लाई से जुड़े राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हालिया बयान को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कहा, वैश्विक स्तर पर चल रही हमारी कच्चे-तेल की खरीद को लेकर नई दिल्ली का पक्ष बिलकुल साफ है। भारत अपने आम उपभोक्ताओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजारों की स्थिति का आकलन करते हुए ही कच्चे तेल की खरीद कर रहा है। आगे भी ये सिलसिला जारी रहेगा। जहां तक निजी कंपनियों का मामला है। तो वो उक्त हालात के मद्देनजर ही अपना निर्णय करती हैं।

भारतीय नागरिकों को ...

अधिकारियों से इस बात का आश्वासन देने के लिए कहा है कि वो चीन के हवाईअड्डों से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को किसी प्रकार से निशाना नहीं बनाएंगे। मतलब उन्हें यात्रा के दौरान न तो रोका जाएगा और न ही किसी तरह से परेशान किया जाएगा। भारत चीनी पक्ष से ये उम्मीद करता है कि वो हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का पालन करेंगे। दूसरे में रणधीर ने बताया कि मंत्रालय ने अपने देश के नागरिकों को भी यह सलाह दी है कि वो चीन की यात्रा करते हुए या वहां से गुजरते वक्त उचित सावधानी बरतें। ब्रीफिंग में जायसवाल ने अरुणाचल पर चीन के दावे को पाकिस्तान का समर्थन देने को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कहा कि अरुणाचल-प्रदेश भारत का आंतरिक अंग है और हमेशा रहेगा। जिसमें हमें किसी का बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं है। भारत-चीन के संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और हम उन्हें इसी दिशा में लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं।

दुनिया के लाभप्रद है त्रिपक्षीय सहयोग: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया संपन्न हुई भारत यात्रा को लेकर भी चीन ने पहली बार अपना पक्ष रखा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत, चीन और रूस उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं हैं और ग्लोबल साउथ का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। राष्ट्रीय हितों से इतर हमारे बीच अच्छे त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के लिए हितकर हैं। चीन रूस व भारत के साथ मिलकर लगातार द्विपक्षीय संबंधों के विकास और उन्हें बढ़ावा देने के लिए काम करने के लिए तैयार है। अपनी भारत यात्रा से पहले रूस के राष्ट्रपति ने एक साक्षात्कार में भारत और चीन को अपना निकट मित्र बताते हुए कहा था कि हम इन संबंधों को गहराई के साथ खासा महत्व देते हैं।

चीन ने जब्त....

अरुणाचल प्रदेश लिखा हुआ था। चीनी अधिकारी अरुणाचल-प्रदेश को भारत का नहीं बल्कि चीन का अभिन्न अंग होने का दावा कर रहे थे। महिला ने दावा किया था कि उन्हें करीब 18 घंटे तक शंघाई हवाई अड्डे पर प्रताड़ित किया गया था, ना खाने-पीने को कुछ दिया, ना बैठने की जगह दी गई। जापान जाने वाली फ्लाइट में भी चढ़ने नहीं दिया गया। प्रेमा ने एक्स पर अपनी कुछ पोस्ट के जरिए आपबीती सुनाई थी। जिसके बाद ये मामला सार्वजनिक रूप से सामने आया, शंघाई में भारतीय दूतावास ने उनसे संपर्क साधा और जल्द ही उनकी जापान जाने की व्यवस्था मुकम्मल कराई।

चीन ने जारी किया .....

नागरिकों के लिए एक ऑनलाइन वीजा आवेदन सिस्टम लांच करेगा। जो पूर्वी लद्दाख में 2020 में हुए एलएसी विवाद की समाप्ति के बाद दोनों देशों के बीच यात्रा सुविधा को बढ़ावा देने के संबंध में एक बेहतरीन कदम साबित होगा। दूतावास के नोटिस के मुताबिक, आधिकारिक वेबसाइट के जरिए नए प्लेटफार्म पर जाकर वीजा पाने के इच्छुक लोग आवेदन के साथ अपना फार्म भर सकेंगे और अपनी जरूरी जानकारी साझा कर सकेंगे। मामले पर चीन के राजदूत ने एक्स पर पोस्ट के माध्यम से भी जानकारी साझा की है।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
नई दिल्ली ,मंगलवार
9 दिसंबर 2025

सहेली

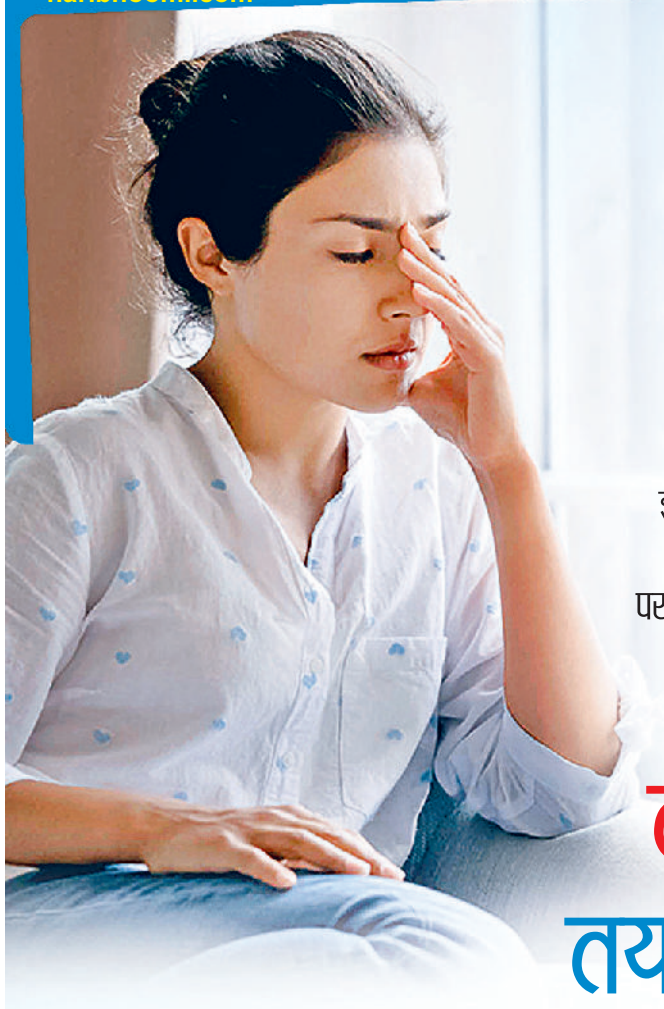

इस आधुनिक जीवनशैली में तनाव ही तनाव है। सर्वे बताते हैं, पुरुषों की तुलना में महिलाएं ज्यादा तनाव में रहती हैं। इसके पीछे है समाज की परंपरागत सोच, भले ही कहा जाए महिलाओं ने बहुत विकास किया है। देखा जाता है, समाज के दोहरे मानदंड महिलाओं में तनाव बढ़ाते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस समस्या का समाधान नहीं है।

तनाव को कहें अलविदा तय करें अपनी प्राथमिकताएं

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

महिलाएं ज्यादा चिंतित रहती हैं। स्ट्रेस लेती हैं। इन्हें पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक तनाव की शिकायत भी रहती है। ये शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। साल 2023 में तीन हजार से ज्यादा वयस्कों पर किए गए एक अध्ययन में महिलाओं ने अपने तनाव के स्तर को औसतन 10 में से 5.3 बताया, जबकि पुरुषों ने औसतन 10 में से 4.8 बताया। आखिर ऐसा क्यों? आइए, जानते-समझते हैं।

युवतियां सहती हैं सर्वाधिक तनाव

बहुत से लोग यह महसूस ही नहीं करते कि हर किसी के स्ट्रेस का अनुभव अलग होता है। जैसे, युवा महिलाएं सबसे अधिक तनाव का सामना करती हैं। ये बोझ अकसर उनके पालन-पोषण के दौरान पैदा होते हैं, जहां पुराने सामाजिक तौर-तरीके अभी भी इस बात को तय करते हैं कि एक महिला होने का क्या मतलब है। हाल के कुछ शोधों से पता चला है कि 35 साल से कम उम्र की महिलाओं का स्ट्रेस लेवल लगातार ज्यादा रहता है। ये महिलाएं खुद को सामाजिक उम्मीदों, जेंडर रोल्स और पर्सनल महत्वाकांक्षाओं के एक जटिल जाल में फंसा हुआ पाती हैं।

कहां से आता है स्ट्रेस

लाइफ कोच सुमन मनुजा बताती हैं, 'महिलाओं से अकसर यह उम्मीद की जाती है कि वे अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों, पार्टनर और दोस्तों का इमोशनल बोझ भी उठाएं। इससे उन्हें और ज्यादा स्ट्रेस होता है। परिवारों में महिलाओं की तारीफ भी अपेक्षाकृत कम होती है। इसमें अगर उनकी सैलरी, काम के अवसरों और कार्य स्थल पर भागीदारी में असमानताओं के साथ मिला दें, तो तनाव का स्तर इतना अधिक होगा कि उससे उनके मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा असर हो सकता है। एक सर्वे में करीब 73% महिलाओं ने बताया कि वे लगातार अपने आस-पास के लोगों का स्ट्रेस लेती हैं। उन्हें यह एहसास नहीं होता कि ऐसा करने से वे कितनी ऊर्जा बर्बाद कर देती हैं, जो अंततः भावनात्मक थकावट और एंग्जायटी के रूप में सामने आता है।

दोहरे मानदंड बढ़ाता है तनाव

पेशे से वकील मालिनी रैनी कहती हैं, 'इसमें दो मत नहीं कि समाज ने बराबरी के मामले में बहुत तरक्की की है। लेकिन आज भी हमें ऐसी दुनिया का सामना करना पड़ता है, जो पारंपरिक उम्मीदों से बनी है। महिलाओं को आजाद रहने, अपने करियर और पढ़ाई पर ध्यान देने, सपनों को पूरा करने के लिए तो खूब प्रोत्साहित किया जाता है। वहीं, दूसरी तरफ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे इमोशनली अवेलेबल रहें। सबकी देखभाल करें। इस प्रकार के दोहरे मानदंड से हमें संघर्ष करना पड़ता है। इतना ही नहीं, महिलाओं को अकसर अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करने के लिए गिल्ट और आलोचना का सामना करना पड़ता है। हालांकि, महिलाएं लैंगिक समानता को लेकर जागरूक हुई हैं। लेकिन बराबरी का मैदान अभी भी बहुत दूर है।' इस तरह, दोहरे दबाव से स्ट्रेस, निराशा, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्याएं होने लगती हैं।

पुरुषों से अधिक तनाव में रहतीं महिलाएं

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के साल 2023 के स्ट्रेस इन अमेरिका सर्वे के अनुसार, महिलाओं में पुरुषों की तुलना में औसत स्ट्रेस लेवल ज्यादा पाया गया। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रोजालिंड एस. डॉलेंन के अनुसार, 'पुरुष स्ट्रेस को अलग तरह से अनुभव करते हैं। वे स्ट्रेस से खुद को अलग कर लेते हैं, जबकि महिलाएं स्ट्रेस को अंदर ही अंदर महसूस करती हैं। इससे उनमें मानसिक और भावनात्मक विकारों की दर ज्यादा होती है।' सर्वे में 58% महिलाओं ने तनाव का मुख्य कारण परिवार की जिम्मेदारियों को ठहराया, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 52% था। इसी प्रकार, 50% महिलाएं वित्तीय चिंताओं से परेशान थीं। पुरुषों में यह आंकड़ा 44% था। महिलाओं के तनाव की एक और प्रमुख वजह उनके अपने रिश्ते थे। 49% महिलाओं ने इस बात को स्वीकार किया। जबकि सिर्फ 44% पुरुष ऐसा मानते थे।

हर समस्या का है समाधान

महिलाओं की अपनी चुनौतियां हैं, लेकिन उनके पास अपने स्ट्रेस को मैनेज करने के तरीके भी हैं। जैसे-

तुलना करने से बचें: सोशल मीडिया पर बहुत कुछ देखने को मिलता है, जिससे खुद में कमी या अधूरापन महसूस हो सकता है। ऐसे में उसका इस्तेमाल कम करें। ऐसे अकाउंट्स को फॉलो न करके हेल्दी एंटरटेनमेंट ही करें।

इमोशनल सपोर्ट सिस्टम तैयार करें: आपका स्ट्रेस सिर्फ भावनात्मक तनाव से कहीं अधिक होता है। इस तनाव को स्ट्रेचिंग या एक्सरसाइज करके दूर कर सकती हैं।

सेल्फ-केयर करें: उन चीजों के लिए समय निकालें जो आपको पसंद हैं। ऐसी एक्टिविटीज ढूंढें, जो आपको भावनात्मक रूप से मजबूत बनाएं। चाहे वह अच्छी किताबें पढ़नी हो, जर्नलिंग करनी हो या मेडिटेशन करना हो या फिर बिना किसी गिल्ट के आराम करना हो। सेल्फ-केयर ऐशो-आराम नहीं है। यह आपकी भलाई के लिए जरूरी है।

अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देना सीखें: ये सिर्फ आपको मालूम होता है कि आपकी प्राथमिकता क्या है। उस पर ध्यान दें। दूसरों के बारे में सोचने से बचें।

काउंसलिंग पर विचार करें: अगर कभी ज्यादा तनाव हो रहा हो, तो किसी काउंसलर या थेरेपिस्ट की मदद ले सकती हैं।

सपोर्ट ग्रुप जॉइन करें: ये इन पर्सन या ऑनलाइन ग्रुप हो सकते हैं, जहां आप दूसरों से अपने मन की बात शेयर कर सकती हैं, जो इसी तरह की दिक्कतों का सामना करते हैं। आप उन लोगों से जुड़ सकती हैं, जो आपको समझते हैं।

बुनाई भी...सुकून भी...

दादी, नानी और मां के हाथ से बुने ऊन वाले स्वेटर, स्कार्फ, मोजे, दस्ताने और टोपी भले अब आउट डेटेड कहे जाएं, लेकिन आज भी ये हमें उनके प्रेम-स्नेह में बांधते हैं। इतना ही नहीं, बुनाई हमें एक सुकून देती है, खुशियों से भरती है। यही नहीं, बुनाई हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

जानें-समझें
सरस्वती रमेश

सर्दियां आ गई हैं। कंबल, रजाई और गर्म कपड़े बाहर निकल आए हैं। गुनगुनी धूप में बैठी दादी, नानी, मौसी या चाचियों के हाथ में सलाई में पड़े फंदे तेजी से बुने जा रहे हैं। कुछ ही समय में वो रंग-बिरंगे स्वेटर, स्कार्फ, मोजे, दस्ताने तैयार कर अपने पोते-पोतियों को पहना देंगी। आप सोचेंगी पुराने समय की महिलाओं को बुनाई कला का शौक होता है। पर क्या आप जानती हैं, बुनाई सिर्फ शौक नहीं होता है, यह थेरेपी का भी काम करता है।

एक थेरेपी है बुनाई: हालिया एक अध्ययन से पता चला है कि मानसिक बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए बुनाई किसी थेरेपी से कम नहीं है। रिसर्च से मिले नतीजों में तीन बातें सामने आई हैं। पहला, बुनाई से तनाव कम होता है। दूसरा, बुनाई से आपकी एक सामाजिक पहचान बनती है, यदि आप इसे पेशे के तौर पर अपनाती हैं। तीसरा, बुनाई करने से हमारा दिमाग शांत और व्यवस्थित होता है। इस तरह जीवन और स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसके अलावा गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियां जैसे डिमेंशिया, अल्जाइमर आदि का खतरा कम होता है। कुछ शोध तो यहां तक बताते हैं कि बुनाई करने से क्रॉनिक पेन (दर्द) से भी राहत मिल सकती है।

बुन कर अच्छा लगता है: रिसर्च में शामिल लोगों ने महसूस किया कि हाथ से बुने हुए गर्म कपड़ों की हर कोई सराहना करता है। यह सराहना उन्हें खुशी देती है, जिससे उन्हें थोड़े समय के लिए अच्छा महसूस होता है। कुछ लोगों ने अपनी मानसिक प्रक्रियाओं में भी बदलाव महसूस किया। उन्होंने बताया कि बुनाई उनके मन में चल रही उलझनों को सुलझाता है। जैसे-जैसे उनके हाथ फंदों को आकार देते हैं, उनके दिमाग में भरी बातों को भी सही दिशा में जाने का रास्ता मिलता है।

शरीर और मस्तिष्क होते हैं स्वस्थ: ऊन सलाई की मदद से हाथ से बुनाई को भले ही हमारे देश में आउट डेटेड और टाइम टेकिंग कहकर खारिज किया जा रहा है, लेकिन विदेशों में इसके फायदों को देखते हुए फिर से बढ़ावा दिया जा रहा है। ब्रिटेन में तो 'निट फॉर पीस' (सुकून के लिए बुनाई) 15,000 से ज्यादा बुनाई करने वालों का एक बड़ा नेटवर्क है। यह जरूरतमंद लोगों के लिए कपड़े बुनकर उन तक पहुंचाने का काम करता है। इस संगठन में काम करने वाले लोगों के बात, व्यवहार से इस बात के पर्याप्त सुबूत मिले हैं कि बुनाई करने से शरीर और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ रहते हैं। इसी तरह 'ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी' के अनुसार बुनाई को अपनी आदत में शामिल करने के बाद अधिकतर लोगों ने महसूस किया कि वे पहले से कहीं ज्यादा खुश महसूस करने लगे हैं।

बढ़ती है एकाग्रता: बुनाई करने से आपके मस्तिष्क को वही फायदे मिलते हैं, जो ध्यान करने से मिलते हैं। बुनाई के समय अपने मस्तिष्क के अवचेतन को सलाई पर केंद्रित करना पड़ता है। ऐसा करने से तनाव पैदा करने वाली बातें हम भूल जाते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि बुनाई के दौरान मस्तिष्क के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल होता है, जिसके कारण इन हिस्सों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और तंत्रिकाओं के बीच संपर्क तेज होता है। सरल भाषा में कहें, तो बुनाई के समय दिमाग के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल होता है, इसलिए दिमाग स्वस्थ और एक्टिव बना रहता है।

यहां बताए गए इन फायदों के अलावा हाथ से बुने हुए स्वेटर में अपनों के प्रेम और स्पर्श का अहसास होता है। आप दूर हों या पास उनके करीब होने का अहसास हमेशा बना रहता है। तो इन सर्दियों में जब भी आपको मौका मिले, एक स्वेटर या स्कार्फ आप भी बुन डालें।

इंटीरियर
मधु सिंह

जरूरी नहीं कि घर को डेकोरेट करने के लिए बड़े परिवर्तन किए जाएं या बहुत पैसे खर्च किए जाएं। आप क्रिएटिव आइडियाज से थोड़े से खर्च में भी अपने घर का मेकओवर बिल्कुल डिफरेंट स्टाइल में कर सकती हैं। ऐसा कैसे संभव है, यहां बता रहे हैं डिटेल में।

क्रिएटिव आइडियाज से घर का करें मेकओवर

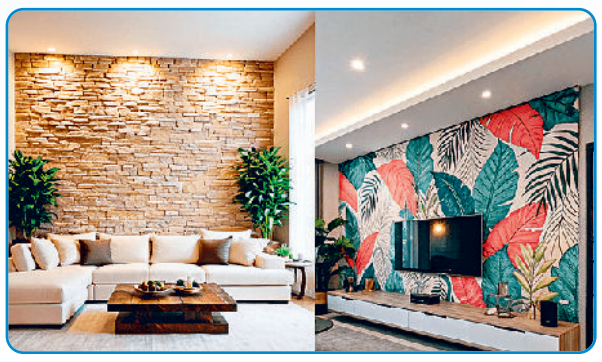

आप नए घर में प्रवेश कर रही हों या वर्तमान में आप जिस घर में रह रही हैं, उसे नए सिरे से डेकोरेट करने के बारे में सोच रही हैं। घर के कमरों के इंटीरियर में बदलाव लाकर मेकओवर करना चाह रही हैं या इसके लिए नए सिरे से प्लान कर रही हैं। जब कभी ऐसा होता है तो अमूमन आप अपने इर्द-गिर्द लोगों के घरों या रिलेटिव्स के घरों के अनुसार या इंटीरियर डिजाइनर की सलाह से बहुत कुछ नया एड करने के लिए सोचती हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपके घर का इंटीरियर डेकोरेशन, दूसरों से बिल्कुल अलग दिखे और इस मेकओवर में आपके घर का बजट भी न बिगड़े तो आइए घर को अपग्रेड करने के लिए आपको कुछ आइडियाज देते हैं।

जब सजाना हो दीवारों को: घर की दीवारों को नया लुक देने और उनका रूप निखारने के लिए तो वॉल पेंटिंग के लिए पेस्टल शेड्स चुनें या व्हाइट कलर। दीवारों से कंट्रास्ट वाला फर्नीचर या दीवारों के शेड्स से थोड़ा गहरे शेड वाले फर्नीचर का चयन करें। ज्यादा से ज्यादा नेचुरल कलर्स को प्राथमिकता दें। दीवारों में अलग-अलग साज-सज्जा के लिए एक अब्स्ट्रैक्ट पेंटिंग, आपके इंटीरियर को आर्टिस्टिक टच देती है।

बात जब फर्श की हो: आमतौर पर डेकोरेशन में घर की फर्श पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता है। जबकि फर्श के कलरफुल एलिमेंट्स, घर में पॉजिटिव बाइब्स फैलाते हैं। घर के अलग-अलग हिस्सों में कारपेट, घर के लुक को बदल देते हैं। इससे घर बड़ा लगता है और ज्यादा खुला और कलरफुल दिखता है। अलग-अलग रंगों के ये कारपेट घर की साज-सज्जा को दूसरों से अलग दिखाते हैं। रीडिंग कॉर्नर में बिछा छोटा कारपेट या लिविंग रूम में एक सेंटर पीस और घर के प्रवेश द्वार पर एक आकर्षक रंगों वाला रनर कमरों को गहराई देता है। एक अच्छा कारपेट देखने वाले को तो अच्छा लगता ही है, घर के लुक को पूर्णता भी प्रदान करता है।

घर में बिखेरें नेचर फीलिंग्स: आपके नए घर में किसी भी आकर्षक स्थान पर रखी गई प्राकृतिक सामग्री, घर में खूबसूरती के साथ नेचर फीलिंग भी बिखेरती है। सेंटर टेबल, लिविंग स्पेस को नया लुक देती है। वूडेन से बनी नक्काशी वाला फर्नीचर दसियों साल तक पुराना नहीं होता। अगर आपके घर में पुराने जमाने का फर्नीचर है तो उसे आप रंग रोगन करवा कर नए कलेवर में सजा सकती हैं। घर के कोनों में या एंट्रेंस में जूट रस्सियों से बंधे मटकों में लगे पौधे, मेटल की कलाकृतियां, प्राकृतिक पत्थर, लकड़ी से बनी कैंडल स्टैंड, कलाकृतियां, संगमरमर प्राकृतिक पत्थरों से बने शो पीस, सादगी के साथ-साथ हमारी पसंद को भी दर्शाते हैं। इनकी सजावट से घर को अलग तरह का सुकून भी मिलता है।

ये एसेसरीज भी करें यूज: घर में सजावट के लिए बड़े आकार के विंटेज मिरर, कलात्मक टेबल लैंप्स, कमरे की शोभा बढ़ाते हैं। पढ़ने के कमरे या होम ऑफिस में सजी बुक शेल्फ को आकर्षक बनाने के लिए उन पर सुंदर कलाकृतियां रखें। तांबे की टेबल स्टैंड या मेटल के फूलदान जैसी एसेसरीज को भी घर के मेकओवर में इस्तेमाल कर सकते हैं। मेकओवर के लिए घर में कुशन और पर्दे भी बदले जा सकते हैं।

स्किन केयर
विधि

यूज करें बादाम का तेल स्किन बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

बादाम के तेल का इस्तेमाल करने से स्किन से जुड़ी कई समस्याएं दूर होती हैं और चेहरा खूबसूरत, निखरा हुआ नजर आता है।

कई गुणों से भरपूर: बादाम का तेल कई स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर होता है और उसके सभी गुण सेहत के साथ-साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं। बादाम के तेल में विटामिन-ई, प्रोटीन, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं जो स्किन केयर के लिए लाभकारी होते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल: सर्दी के मौसम में त्वचा की देखभाल बेहद जरूरी होती है। ठंड और हवा से त्वचा बेजान और रूखी होने लगती है, जिससे चेहरे पर रिंकल्स, दाग-धब्बे समेत कई तरह की समस्याएं नजर आने लगती हैं। इस सीजन में स्किन केयर के लिए

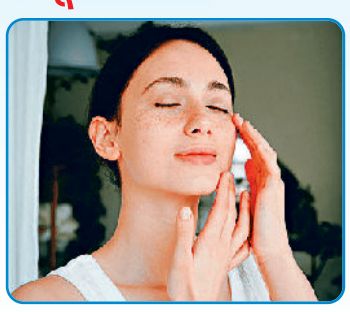

बादाम के तेल का इस्तेमाल एक नेचुरल और असरदार उपाय है, जो न केवल त्वचा को गहराई से पोषण देता है, बल्कि इसे निखार कर बेदाग भी बनाता है।

डार्क सर्कल्स के लिए: आंखों के आस-पास बादाम का तेल लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। इससे डार्क सर्कल्स हल्के होते हैं और चेहरे पर ग्लो आता है।

लिप्स के लिए: सर्दियों में फटे होंठों को ठीक करने के लिए भी बादाम के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। बादाम के तेल की कुछ बूंदें होंठों पर लगाने से होंठ मुलायम और हाइड्रेटेड रहते हैं।

स्क्रब करें: बादाम के तेल में चीनी मिलाकर एक नेचुरल स्क्रब तैयार कर सकती हैं। स्क्रब को हल्के हाथों से त्वचा पर लगाएं और मसाज करें। यह डेड स्किन हटाता है और त्वचा को इंस्टेंट ग्लोइंग बनाता है।

मॉयश्चराइजर: बादाम के तेल का इस्तेमाल मॉयश्चराइजर के रूप में कर सकती हैं। बादाम के तेल में भरपूर मात्रा में विटामिन-ई होता है, जो स्किन को नमी प्रदान करता है।

फेस मसाज: रात को सोने से पहले चेहरे को धोने के बाद बादाम के तेल की दो-तीन बूंदें लेकर हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करें। इससे स्किन में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और चेहरा निखरा दिखेगा।

फेस मास्क: एक कटोरी में बादाम के तेल की तीन-चार बूंदों में एक चम्मच बेसन, एक चुटकी हल्दी और आधा छोटा चम्मच शहद डालें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इससे आपकी स्किन को नमी मिलेगी और चेहरे के दाग-धब्बे भी दूर होंगे।

(ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस
डॉ. अनुराग अवस्थी
ऑर्थोपेडिक्स-सीनियर कंसल्टेंट
ऑर्टिमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम

सर्दी के मौसम में अधिकतर मिड और ओल्ड एज महिलाएं, जोड़ों के दर्द की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे राहत पाने के लिए यहां बताई जा रही बातों का ध्यान रखना होगा। जानें ज्वाइंट पेन के कारण और बचाव के उपायों के बारे में।

सर्दी के मौसम में जोड़ों का दर्द ऐसे मिलेगी आपको राहत

बढ़ती उम्र में अधिकतर महिलाओं को ज्वाइंट पेन यानी जोड़ों के दर्द का सामना करना पड़ता है। ऐसा ऑस्टियोपोरोसिस या ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण होता है। ऑस्टियोपोरोसिस की अवस्था में हड्डियां भीतर से कमजोर होने लगती हैं, जबकि ऑस्टियोआर्थराइटिस में जोड़ों के बीच मौजूद कार्टिलेज को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है।

सर्दी में बढ़ती है समस्या

सर्दी के मौसम में मांसपेशियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे जोड़ों पर अधिक दबाव पड़ता है और यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है। इसके अलावा, ठंड के मौसम में स्मॉग के कारण कई बार शरीर को पर्याप्त धूप नहीं मिल पाती। ऐसे में विटामिन-डी की भी कमी हो जाती है, जो जोड़ों के दर्द को बढ़ा सकती है। सर्दियों में जोड़ों को सपोर्ट देने वाला सिनोवियल फ्लूइड गाढ़ा हो जाता है, जिससे दर्द और अकड़न की शिकायत बढ़ सकती है। ठंड के मौसम में वायुमंडलीय दबाव कम होने से जोड़ों के आस-पास के टिशूज में सूजन भी बढ़ सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- रोजाना सुबह 9 से 11 बजे के बीच कम से कम आधे घंटे धूप में बैठें। इस दौरान हाथ-पैर, कंधे और पीठ का कुछ हिस्सा खुला हो, ताकि शरीर में पर्याप्त विटामिन-डी का निर्माण हो सके।
- अगर आप घर पर रहती हैं, तो कुछ घरेलू कार्य बालकनी या खिड़की के पास बैठकर करें, ताकि आपको सनलाइट मिलती रहे।
- नियमित रूप से किसी प्रशिक्षित विशेषज्ञ की निगरानी में योगाभ्यास करें। आधे घंटे की वॉकिंग भी लाभकारी होती है।
- इस मौसम में इंडियन के बजाय वेस्टर्न टॉयलेट का इस्तेमाल करें।
- सोते समय पैरों के नीचे एक तकिया रखें, ताकि कमर, घुटनों पर दबाव कम हो।
- पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें और घुटनों की सुरक्षा के लिए नी-कैप का उपयोग करें।
- कैल्शियम के लिए डाइट में दूध और अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स को शामिल करें।
- नॉन-वेज खाने वालों के लिए अंडा, मछली और चिकन फायदेमंद हैं, विशेष रूप से चिकन सूप, हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।
- तिल, रागी, चौलाई के साग और बीज, जोड़ों तथा मांसपेशियों के लिए पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।
- अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड्स और सरसों का तेल ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करने में सहायक हैं। इसलिए इनका सेवन जाड़ों में जरूर करें।
- एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर सब्जियां जैसे-अदरक, लहसुन, चुकंदर, ब्रोकली और पालक को अपनी डेली डाइट में शामिल करें। रात को सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना लाभकारी है।
- मैदे से बनी चीजों और जंक फूड से दूरी बनाए रखें।
- नमक, चीनी का सेवन कम मात्रा में करें।

अगर इन उपायों के बाद भी जोड़ों में दर्द बना रहता है, तो डॉक्टर से सलाह अवश्य लें। आमतौर पर विटामिन-डी तथा कैल्शियम सप्लीमेंट्स लेने से राहत मिल सकती है, लेकिन किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना न करें। इन बातों का ध्यान रखकर आप सर्दियों में भी स्वस्थ और सक्रिय रह सकती हैं।

प्रस्तुति: विनीता

नए वर्ष की शुरुआत के साथ ही कर दिया जाएगा पदोन्नत

केंद्र से मिली स्वीकृति, न्यू ईयर में प्रमोशन का पीक: 2026 में 16 अफसर पदोन्नत होकर डीआईजी बनेंगे तो वहीं 13 अफसर एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश पुलिस में आगामी वर्ष पदोन्नति का बड़ा दौर देखने पदों की संख्या बढ़ने के बाद अब 2026 में 16 को मिलेगा। प्रदेश में डीआईजी रैंक के लिए उपलब्ध अफसर पदोन्नत होकर डीआईजी बनेंगे।

एक जनवरी को 13 आईपीएस अधिकारियों को प्रमोशन देकर डीआईजी बनाया जाएगा, जबकि बाकी तीन पद संबंधित अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के साथ क्रम से भरे जाएंगे। खासबात यह है कि इस वर्ष केंद्र ने पांच पद स्पेशल ड्यूटी पोस्ट (एसडीपी) के और आईजी के खाली पदों के बदले 6 पद डीआईजी के स्वीकृत किए हैं। इसके चलते ही इतनी बड़ी संख्या में डीआईजी रेंक लिए प्रमोशन मिल रहा है। हालांकि 2010 बैच के इस बार वर्ष 2010, 2011 और 2012 बैच के अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ 16 अफसर पूर्व में डीआईजी के रूप में पदोन्नत हो चुके 2010 के बचे हुए 4 अधिकारी, 2011 बैच के 4 हैं । इन सभी 13 अधिकारियों को नए वर्ष की शुरूआत के साथ ही पदोन्नत कर दिया जाएगा। हालांकि अगले वर्ष, 2012 बैच के तीन और अफसर पदोन्नत होंगे। इस तरह से कुल 16 डीआईजी अगले साल बनेंगे।

फाइल फोटो

केंद्र ने एसडीपी के 6 पद किए मंजूर

प्रदेश में डीआईजी के केवल 5 पद ही खाली हो रहे थे। इनमें 2 पद उन अधिकारियों के खाली होने से उपलब्ध हुए, जो एक जनवरी को आईजी पद पर पदोन्नत हो रहे हैं। जबकि 3 पद डीआईजी रैंक के अफसरों के रिटायरमेंट से रिक्त होंगे। ऐसे में केवल उपलब्ध पदों के आधार पर पदोन्नति होती, तो सीमित अधिकारियों को ही लाभ मिलता। इसे देखते हुए पीएचक्यू ने केंद्र से स्पेशल ड्यूटी पोस्ट के तहत अतिरिक्त पद स्वीकृत करने का प्रस्ताव भेजा था।

ये अफसर एक जनवरी को डीआईजी के लिए पदोन्नत

जो अफसर एक जनवरी को पदोन्नत होंगे उनमें वर्ष 2010 बैच के राकेश कुमार सगर, आरएस बेल्वेशी, किरणलता केरकेटा, मनोज कुमार राय पदोन्नत होंगे। वहीं वर्ष 2011 बैच के रियाज इकबाल, राहुल कुमार लोढ़ा, सिमाला प्रसाद, असित यादव, जबकि वर्ष 2012 बैच के विवेक सिंह, कुमार प्रतीक, डॉ. शिव दयाल, मयंक अवस्थी और शैलेंद्र सिंह चौहान ये अफसर पदोन्नत होंगे। इनके बाद के आलोक कुमार सिंह, रघुवंश कुमार सिंह और विकास पाठक करीब 6 महीने बाद डीआईजी के पद पर पदोन्नत होंगे।

14 साल की बजाए लग गए 15 और 16 साल

नियमानुसार आईपीएस बनने के बाद 14 साल बाद डीआईजी बन जाते हैं, लेकिन प्रदेश में पिछले तीन सालों से ऐसा नहीं हो पा रहा था। वर्ष 2010 बैच के आईपीएस अफसरों को डीआईजी बनने में 16 साल लग गए, जबकि वर्ष 2011 बैच के अफसरों को 15 साल लग गए। हालांकि वर्ष 2012 बैच अगले वर्ष पूरा पदोन्नत नहीं हो पाएगा, उस बैच के भी कई अफसर वर्ष 2027 में पदोन्नत होंगे, ऐसे में वे भी 15 साल में डीआईजी हो सकेंगे। एक जनवरी को जहां 13 पदों पर पदस्थापना होने के बाद शेष 3 पद आगामी महीनों में डीआईजी रेंक के अधिकारियों के सेवानिवृत्त होने पर रिक्त होंगे। इन रिक्त पदों को भी पदोन्नत कर अधिकारियों से भरा जाएगा और वर्ष 2026 में 16 पद डीआईजी के भरे जाएंगे।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री ने गोवा के अरपोरा में हुए अग्निकांड पर दुःख जताया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोवा के अरपोरा में हुए अग्निकांड में लोगों के हताहत होने पर दुख जताया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है।

कृषक मित्र सूर्य योजना की मॉनिटरिंग सीएस करेंगे

भोपाल। प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना की मानीटरिंग अब खुद मुख्य सचिव अनुराग जैन करेंगे। वे हर तीन महीने में इस योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। इसके क्रियान्वयन के लिए आठ विभागों के अधिकारियों का भी सहयोग लिया जाएगा। अधिकारियों को शामिल करते हुए राज्य स्तरीय समन्वय समिति भी बनाई गई है। मप्र में सिचाई के लिए किसानों को सोलर पंप की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना लागू की गई है। योजना के सभी घटकों के अंतर्गत प्रगति की नियमित समीक्षा होगी। योजना के क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय भी बनाना है। इसके लिए सीएस स्वयं योजना की मानीटरिंग करेंगे। हर तीन माह में योजना की प्रगति की समीक्षा की जाएगी ताकि समयसीमा में लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।

हथियार छोड़कर शांति के पथ पर कदम बढ़ा रहे नक्सली: खंडेलवाल

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बालाघाट में 10 हार्डकोर नक्सलियों के हथियार सहित आत्मसमर्पण करने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि सुरक्षाबलों की प्रभावी कार्रवाई से मप्र सहित देशभर में नक्सलवाद अब खात्मे की ओर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक मप्र सहित देशभर में नक्सलवाद को समाप्त करने की जो तारीख निर्धारित की है, उससे पहले ही मप्र में नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि आज बालाघाट में दस हार्डकोर नक्सलवादियों ने जिस तरह मुख्यमंत्री के समक्ष हथियार सहित आत्मसमर्पण किया है, उससे यह प्रतीत हो रहा है कि मध्यप्रदेश में नक्सलवाद अब पूरी तरह से दम तोड़ चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यों से हथियार छोड़कर नक्सली समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं।

बोले मुख्यमंत्री-शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाना जरूरी

राज्य के कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार है राष्ट्रीय शिक्षा नीति

शिक्षा व्यवस्था में भारतीयता को स्थापित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य : केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान

क्वांटम कम्प्यूटिंग और एआई जैसे न्यूज ऐज स्किल्स का प्रदेश में विस्तार आवश्यक

मप्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 क्रियान्वयन, चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में मप्र देश में अग्रणी है। मप्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को केवल शैक्षणिक सुधार न मानकर राज्य के कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से जोड़ा है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों को कुलगुरु संबोधन देकर हमने प्राचीन गुरुकुल आदर्श को आधुनिक व्यवस्था से जोड़ा है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: क्रियान्वयन, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आरंभ हुई। कार्यशाला में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री का उद्बोधन

राज्यपाल का उद्बोधन

देश समाज को बदलने के विश्वास का प्रतीक राष्ट्रीय शिक्षा नीति

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मप्र को शिक्षा- परिवर्तन की दिशा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए नीति की दिशा, लक्ष्य और समन्वित कार्य- संस्कृति के जरिए प्रयास करने होंगे। यह भारत के भविष्य को नई दिशा देने की दूरदर्शी कार्ययोजना है, जिसका मूल स्वभाव 'समग्रता' है। उन्होंने नीति के लक्ष्यों समग्र शिक्षा, समग्र विकास और समग्र राष्ट्र-निर्माण से जुड़ी चुनौतियों और मध्यप्रदेश की विशेष परिस्थितियों में उपलब्ध संभावनाओं पर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सामूहिक विचार की पहल की सराहना की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में मप्र अग्रणी: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व में जिन भी महापुरुषों ने समय की धारा को बदला है, उन महापुरुषों के व्यक्तित्व विकास में गुरुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिसके बल पर पर प्रभु श्रीराम ने स्वयंवर और रावण वध पर अपने पराक्रम और पुरुषार्थ का परिचय दिया। सम्राट विक्रमादित्य ने स्थापित सुशासन व्यवस्था में उनके द्वारा देशभर से जोड़े गए विद्वानों और नव रत्नों का सहयोग रहा। राजा भोज की ओर से निर्मित भोपाल का बड़ा तालाब आज भी अभियांत्रिकी के विद्यार्थियों के लिए सीखने का विषय है।

रोजगारपरक और नवाचार उन्मुख शिक्षा को दें जनांदोलन- केंद्रीय मंत्री प्रधान

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने प्रदेश की शैक्षणिक संस्थानों में न्यू ऐज स्किल जैसे क्वान्टम कम्प्यूटिंग और एआई के विस्तार की जरूरत बताई। उन्होंने शाला स्तर में विद्यार्थियों के कक्षा 12 तक निरंतर अध्ययनरत रहने, शोध को स्थानीय आवश्यकताओं से जोड़ने, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन में समाज की भागीदारी बढ़ाने और शैक्षणिक संस्थाओं के प्रबंधन को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने की जरूरत बताई। प्रधान ने बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के अभियान में समाज को जोड़ने की आवश्यकता बताई।

प्रधान का उद्बोधन

स्कूल शिक्षा में पालकों का भरोसा जीतना जरूरी

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि स्कूल शिक्षा में पालकों का भरोसा जीतने के लिए मुख्यमंत्री यादव के नेतृत्व में विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन, शिक्षा और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए विशिष्ठ प्रयास जारी हैं। मप्र दोहरी परीक्षा पद्धति लागू करने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परिमार ने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन भारतीय ज्ञान परंपरा को समाहित करते हुए किया जा रहा है।

पतंजलि योगपीठ और रूस सरकार में ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

■ भारत की संस्कृति तथा ऋषियों की धरोहर को रूस लेकर जाएंगे

पतंजलि समूह तथा रूस सरकार के मध्य दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए जिसमें पतंजलि समूह की ओर से स्वामी रामदेव जी तथा मॉस्को सरकार (रूस) की ओर से भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूस के वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने कहा कि यह एमओयू स्वास्थ्य एवं वेलनेस का संवर्धन, स्वास्थ्य पर्यटन, कुशल मानव संसाधन का आदान-प्रदान तथा अनुसंधान आदि विषयों पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि रूस में योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा को लोग पसंद करते हैं तथा इनका अनुसरण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम हमें ऋषियों की इस वैलनेस विधा को पूरे विश्व के लगभग 200 देशों में पहुँचाना है जिसका एण्ट्री प्वाइंट रूस ही होगा। इस एमओयू के पहला महत्वपूर्ण बिन्दु रूस में पतंजलि की वैलनेस सेवाओं का विस्तार करना है। हम रूस के साथ मिलकर उम्र को रिवर्स करने, दीर्घायु प्राप्त करने पर गहन अनुसंधान करेंगे जिससे गम्भीर रोगों का मानव शरीर में आने से वर्षों पहले ही पता किया जा सकेगा। इसका दूसरा बिन्दु भारत के आध्यात्मिक ज्ञान, संस्कृति, योग, आयुर्वेद तथा भारत की अमूल्य धरोहरों से संबंधित ज्ञान को रूस के साथ साझा करना है। इसके लिए हम भारत की संस्कृति तथा ऋषियों की धरोहर को रूस लेकर जाएंगे।

आईएफएस डबास ने पीसीसीएफ हॉफ पर लगाया उदासीनता का आरोप

भोपाल। वन बिरादरी महासंघ के अध्यक्ष पूर्व आईएफएस आजाद सिंह डबास ने पीसीसीएफ (हॉफ) बीएन अंबाड़े पर मप्र ग्राम वन नियम 2015 में अपेक्षित कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अंबाड़े को भेजे पत्र में कहा कि पिछले 7 वर्षों में अनेक जिलों के भ्रमण के दौरान यह ज्ञात हुआ है कि मप्र ग्राम वन नियम 2015 के तहत प्रदेश के ज्यादातर वनमण्डलाधिकारी एवं मुख्य वन संरक्षकों ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। आपके स्तर से इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वन प्रबंधन में आपकी उदासीनता कतई उचित नहीं है। डबास आईएफएस की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की छत्तीसगढ़ सीएम साय से भेंट...

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भोपाल प्रवास के दौरान रविवार की शाम समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विष्णु साय का स्वागत किया और उन्हें विक्रमादित्य घड़ी भेंट की।

सीएम एवं गृह मंत्री के सामने 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एक करोड़ के इनामी कुख्यात नक्सली रामधेर मज्जी का सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ में एक करोड़ के इनामी रामधेर मज्जी सहित 12 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन नक्सलियों में छह महिलाएं भी शामिल हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की पुलिस के लिए नक्सली रामधेर बड़ी चुनौती था। सरेंडर नक्सली रामधेर मज्जी एमएमसी जोन में सीसी मेंबर के रूप में कर रहा था।

राजनांदगांव में नक्सलियों ने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा के सामने सरेंडर किया है। इससे पहले खैरागढ़ जिला बकरकट्टा थाना क्षेत्र के कुम्ही गांव में आज सुबह 12 सीपीआई माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया था। सरेंडर करने वालों में रामधेर मज्जी ने एके-47 सहित बड़े कैडर शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में बड़े नक्सली कैडर के सदस्य जिसमें, सीसी मेंबर, डीवीसीएम, एसीएम और अन्य स्तर के बड़े नक्सली शामिल हैं। इन नक्सलियों ने एके-47 और अन्य हथियारों के साथ सरेंडर किया है। बताया जा रहा है कि सीसी मेंबर रामधेर मज्जी के सरेंडर के बाद नक्सलियों का एमसीसी जोन लगभग खत्म हो गया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में रामधेर मज्जी-सीसीएम, चंदू उसेंडी - डीवीसीएम, ललिता-डीवीसीएम, जानकी-डीवीसीएम, प्रेम-डीवीसीएम, रामसिंह दादा- एसीएम, सुकेश पोट्टम-एसीएम, लक्ष्मी-पीएम, शीला-पीएम, सागर-पीएम, कविता-पीएम, योगिता-पीएम शामिल हैं।

अरुणाभा वेलफेयर सोसाइटी ने किया भारत गौरव रत्न सम्मान का आयोजन

नई दिल्ली। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण समेत विभिन्न क्षेत्र में काम करने वाली लोकप्रिय संस्था अरुणाभा वेलफेयर सोसाइटी ने सेक्टर - 31, फरीदाबाद स्थित एफ. एम.एस.स्कूल आडिटोरियम में देश के अनेक लोगों को भारत गौरव रत्न सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री नंदेश्वर कला केन्द्र के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का आगाज दीप प्रज्वलन से हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हेम सिंह राणा (कृभको और नेशनल को- आपरेटिंग यूनियन औफ इंडिया के औल इंडिया डायरेक्टर), जयदीप सिंह (निजी सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्री कार्यालय) , अरविंद सक्सेना पी.ए. टू रेजिडेंट कमिश्नर, मध्य प्रदेश भवन,नई दिल्ली) अशोक गोयल (विपुल गोयल जी कैबिनेट मंत्री, हरियाणा , के भाई) मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में समाजसेवी विकास सक्सेना, वरिष्ठ मीडिया व्यक्ति और दुर्गा पूजा समिति के संस्थापक पी.सी. गुप्ता , वरिष्ठ पत्रकार, राइटर और नेचुरोपैथ शंभू भद्र , समाज सेवी, साहित्यकार मधु वशिष्ठ, वरिष्ठ पत्रकार सुशील श्रीवास्तव और दीपक चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह का संचालन राइटर डायरेक्टर, आर्टिस्ट गोपाल सक्सेना और डांस कोरियोग्राफर अबरार आशु अहमद ने अपने जोशीले और चुटिले अंदाज में किया। बबीता नागर छाबड़ी, सुनीता शर्मा, शुभ्रा मिश्रा, यश वर्मा, ममता मित्तल, सुभाष गोला प्रजापति, डोरी शर्मा, प्रवीण गुलाटी , सौरभ प्रभात, डा. जयमाला, प्रियल प्रधान, डा. रवि घायल, सी.एल. मीणा, गगन शर्मा, विवेक त्रिपाठी, अर्पणा डी. चक्रवर्ती, अर्चना पाल, ए. के. आजाद, कविता अद्लक्खा, डा. कामरान उद्दीन सिद्दीकी, ललिता भारद्वाज, सृष्टि गुलाटी, डा. रितु पुनहानी, भावना शर्मा, कैप्टन रजनीश, लाल बिहारी लाल,महेश दत्त वशिष्ठ, कृष्ण अद्लक्खा, डा. संजय गुप्ता, डा. राजन कक्कड़, उर्वशी, महेन्द्र कुमार, एस.एस. भुल्लर, गिरीश चावला, महेश अग्रवाल, डा. गौरी अरोड़ा, डा. गुलाब चन्द पटेल, श्रुति त्रिपाठी, डा. लतेश परमार, प्रियंका झा, गुरू हिमांशु ठाकुर, राज श्री, अनिरुद्ध बोदड़े, अंकित सचदेवा, जयवर्धन प्रताप सिंह आदि सहित 101 लोगों को भारत गौरव रत्न सम्मान से नवाजा गया। सम्मान प्राप्त करने में तमाम श्रेणी के लोग शामिल रहें । मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिज्ञ, कला व साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोग, पत्रकार आदि को इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

लोनिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास समेत कई विभाग नहीं हटा पाए पशु

मध्यप्रदेश में अभी भी 8 लाख 57 हजार बेसहारा: 2 साल में 237 एक्सीडेंट, 94 मौत, सड़कों से नहीं हटे आवारा मवेशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश के सभी राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से आवारा पशुओं निराश्रित पशु पाए गए हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 78 हजार 737 हजार 971 निराश्रित पशु पाए गए हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में सर्वाधिक निराश्रित पशु पाए गए है। यहां 82 हजार 485 को हटाने और उनके रखने के इंतजाम करने के निर्देश है लेकिन इसके बाद भी मध्यप्रदेश सरकार आवारा पशुओं को सड़कों से नहीं हटा पा रही है।

पिछले दो वर्षों में सड़कों पर विचरण करते निराश्रित पशुओं के कारण 237 सड़क दुर्घटनाएं हुई जिनमें 94 लोगों की जीवन लीला समाप्त हो गई और 133 लोग घायल हुए है। मध्यप्रदेश में हाल ही में कराई गई बीस वी पशु संगणना में मध्यप्रदेश में 8 लाख 53 और शहरी क्षेत्रों में 3748 निराश्रित पशु पाए गए है। ग्वालियर के शहरी क्षेत्र में सर्वाधिक सात हजार 84 निराश्रित पशु मिले है। जबकि ग्रामीण अंचलों के मामले में रीवा में सर्वाधिक 78 हजार 737 निराश्रित पशु मिले है। राजधानी भोपाल में कुल 9986 निराश्रित पशु मिले है। इनमें शहरी क्षेत्रों 4 हजार 571 निराश्रित पशु मिले है। ग्वालियर जिले में 23 हजार 181, इंदौर जिले में 3302 और जबलपुर जिले में

सांकेतिक चित्र

मुख्यमंत्री ने इन विभागों को दिए थे निर्देश

आवारा पशुओं को सड़कों से हटाने के है निर्देश
मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रदेशभर में सड़कों पर विचरण करते ऐसे निराश्रित पशुओं को हटाने के निर्देश दे चुके है जो दुर्घटनाओं का कारण बन रहे है। लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास विभाग,रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सड़कों से निराश्रित पशुओं को पकड़कर उन्हें रखने के लिए पर्याप्त स्थान तैयार कर वहां रखा जाए।

अलीराजपुर में सबसे अलीराजपुर में सबसे कम

निराश्रित पशु 87 निराश्रित पशु मिले है। इसके बाद आदिवासी अंचल झाबुआ में 428 निराश्रित पशु मिले है। बड़वानी में 510 और मंडला में 572 निराश्रित पशु पाए गए है। अलीराजपुर के शहरी क्षेत्र में सबसे कम 58 निराश्रित पशु मिले है।

चिंतन

स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष बन गया था वंदे मातरम्

शीत सत्र
अजीत लाड़

सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए, वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में समझना जरूरी है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है, किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है।

वंदे मातरम् भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जिसने करोड़ों लोगों को एकजुट किया। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि इसने लाखों भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया है। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रेरणादायक उद्घोष बन गया था। जिस मंत्र, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का स्मरण करना देश का बहुत बड़ा सौभाग्य है। वंदे मातरम् केवल भारत का राष्ट्रीय गीत ही नहीं, स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण भी है। यह बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की प्रथम उद्घोषणा है। इसने हमें याद दिलाया कि भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र है, जिसकी एकता उसकी संस्कृति और सभ्यता से आती है। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वंदे मातरम् के 150 साल पूर्ण हो रहे हैं और हम सभी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं। वंदे मातरम् पर पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम्' अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था, उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था। उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कि पिछले दशकों में वंदे मातरम् के साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है। जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 150 वर्ष उस महान अध्याय और उस गौरव को पुनः स्थापित करने का अवसर है। मोदी ने कहा कि मेरा मानना है कि देश और सदन, दोनों को इस अवसर को जाने नहीं देना चाहिए। यही वंदे मातरम् है, जिसने 1947 में देश को आजादी दिलाई। अब संसद में इस पर चर्चा की जरूरत क्यों पड़ी। दरअसल, सरकार चाहती है कि वंदे मातरम् पर चर्चा से देश में राष्ट्रभावना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का संदेश जाए। यह विषय जनता में भावनात्मक जुड़ाव भी पैदा करता है। बता दें कि वंदे मातरम् का प्रकाशन 1882 में हुआ और यह आनंद मठ के उपन्यास में शामिल हुआ। पहली बार इसे 1896 में कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया और उस समय जल्द ही यह स्वतंत्रता आंदोलन का अनौपचारिक राष्ट्रगान बन गया। 1905 में बंग-भंग आंदोलन के दौरान यह गीत सड़कों पर गूंजने लगा और इसने लोगों को एकजुट करने का काम किया। इसी गीत ने आजादी की तड़प को लोगों के दिलों में और मजबूत किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसी महान हस्तियों ने भी इसकी भावना को सराहा। 1950 में जब भारत गणराज्य बना, तो जन-गण-मन को राष्ट्रगान चुना गया, लेकिन वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया। वंदे मातरम् का सम्मान करना चाहिए। इस गीत का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। यह गीत हमारी मातृभूमि की सेवा और उसकी एकता के लिए प्रेरणा का स्रोत बने, न कि विभाजन का।

गतिरोध में थमती संसद की उत्पादकता

भारत की संसद का यह शीतकालीन सत्र ऐसे समय शुरू हुआ है जब देश तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, आर्थिक चुनौतियों और व्यापक नीतिगत निर्णयों के बीच खड़ा है। सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो संदेश दिया कि संसद का हर क्षण देश के विकास के लिए होना चाहिए। वह सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा का स्मरण था। संसद केवल एक इमारत या सामूहिक बैठकों का स्थल नहीं, वह केंद्र है जहां राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा बनती है। परंतु जैसे ही सत्र आरंभ हुआ, ठीक वही दृश्य सामने आया जो पिछले वर्षों की एक स्थायी प्रवृत्ति बन चुका है। नारे, हंगामा, वेल में उतरना और अंततः कार्यवाही स्थगित होना। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र विरोध की व्यवस्था पर चलता है। असहमति लोकतांत्रिक प्राण है। किंतु विरोध जब निरंतर अवरोध में बदल जाए, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की समस्या नहीं रहती। यह लोकतांत्रिक संस्कृति की समस्या बन जाती है। पिछले कुछ सत्रों का डेटा स्पष्ट संकेत देता है कि संसद अपेक्षित स्तर पर काम नहीं कर पा रही। 2024 के मानसून सत्र में लोकसभा अपने निर्धारित समय का मात्र 29 प्रतिशत चली और राज्यसभा 34 प्रतिशत। सूचीबद्ध प्रश्नों में से 419 प्रश्नों पर केवल 55 उत्तर प्राप्त हुए। 2024 का शीतकालीन सत्र भी औसत से कम रहा। इससे पहले भी 2023 का बजट सत्र और कई अन्य सत्र, विभिन्न विवादों और बाहरी रिपोर्टों को आधार बनाकर, लगातार बाधित होते रहे। कुछ मुद्दे बाद में तकनीकी रूप से संदिग्ध या अधूरे पाए गए, लेकिन तब तक संसद का अनमोल समय नष्ट हो चुका था। यह प्रवृत्ति किसी एक दल की आलोचना नहीं, यह बताने योग्य चेतावनी है कि राजनीति की मौजूदा शैली अधीर होती जा रही है और बहस की परंपरा कमजोर पड़ रही है।

संसद का हर मिनट लगभग लाखों रुपये खर्च करता है और यह राशि जनता के टैक्स से आती है। संसद का बाधित होना केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं, यह आर्थिक संसाधनों के दुरुपयोग, नीति निर्माण की रुकावट और नागरिकों के विश्वास को कमजोर करने वाली स्थिति है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अनिवार्य है। वह सरकार को कठोर प्रश्न पूछकर जवाबदेह बनाता है, गलतियों का खुलासा करता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। फिर भी विपक्ष की शक्ति तभी सार्थक होती है जब वह सदन के भीतर बहस में सक्रिय हो। नारे बहस की जगह नहीं ले सकते और शोर रणनीति का विकल्प नहीं हो सकता। इसके विपरीत, सरकार ने पिछले 11 वर्षों में यह दिखाया है कि नीति-निर्माण और सुधार उसकी प्राथमिकता है व संसद के बाधित होने के बावजूद वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्षम रही है। नए संसद भवन का निर्माण, संसद की कार्यप्रणाली का डिजिटलीकरण, कागज-रहित कामकाज, अप्रासंगिक 1576 कानूनों को हटाना और 421 बिलों को पारित कराना, यह सब किसी भी सरकार के लिए असाधारण उपलब्धियां हैं। यह कार्य ऐसे समय में संभव हुआ है जब लगभग हर सत्र में किसी न किसी मुद्दे पर व्यवधान पैदा हुआ। वर्तमान शीतकालीन सत्र में सूचीबद्ध 13 महत्वपूर्ण विधेयक देश की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और प्रशासनिक ढांचे को सीधे प्रभावित करते हैं। परमाणु

ऊर्जा प्रबंधन, राष्ट्रीय उच्च शिक्षा आयोग, दिवालियापन प्रक्रिया सुधार, सिक्योरिटीज मार्केट कोड, राजमार्ग संशोधन, बीमा और कर संबंधी कानूनों में बदलाव। ये सभी ऐसे निर्णय हैं जो भारत की उभरती अर्थव्यवस्था को अगले दशक की दिशा देंगे। ऐसे में जनता को यह जानने का अधिकार है कि इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर गंभीर चर्चा क्यों नहीं हो पाती और सत्र बार-बार अवरोध का शिकार क्यों बनता है? आज भारत वैश्विक मंचों पर नीति-स्थिरता, सुधारवादी दृष्टि और प्रशासनिक दक्षता के कारण सम्मान प्राप्त कर रहा है। जब दुनिया ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई-चेन स्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक संतुलन की चुनौती देख रही है, भारत को अपनी नीतियों में त्वरित निर्णय और स्पष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस संदर्भ में संसद का हर सत्र देश की सामरिक और आर्थिक दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण बन जाता है। ऐसे समय में अवरोध की राजनीति केवल घरेलू नीतियों को नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के प्रति विश्वास को भी प्रभावित कर सकती है। लोकतंत्र में बहस की संस्कृति केवल सत्ता बदलने का साधन नहीं, यह शासन की गुणवत्ता तय करती है। सरकार पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष की जिम्मेदारी है, पर उन सवालों को प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी बहसों में उठाया जाना चाहिए, न कि हंगामे में खो जाने देना चाहिए। लोकतंत्र को शोर की जरूरत नहीं, जवाबदेही की जरूरत है। फिर भी यह मानना गलत होगा कि सारा दोष केवल एक प्रवृत्ति या समूह का है। भारत की राजनीति में टकराव स्वाभाविक है, और कभी-कभी भावनाएं उग्र भी हो जाती हैं। इन सबसे परे परिपक्व लोकतंत्र वे हैं जो उस उग्रता को नियंत्रित कर लेते हैं, उसे बहस में ढाल देते हैं और नीति-निर्माण को प्राथमिकता देते हैं। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसे भारत को और मजबूती से अपनाने की आवश्यकता है। सरकार को जनता ने लगातार इसीलिए समर्थन दिया है क्योंकि उसका जोर रोजमर्रा की राजनीति के शोर से ऊपर उठकर परिणामों पर रहा है। जनधन योजना, जीएसटी, दिवालियापन कानून, डिजिटल पेमेंट संरचना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, यूपीआई विस्तार, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य ढांचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्पष्ट नीति। ये वो सुधार हैं, जिन्होंने भारत की विकास दिशा तय की है। यही कारण है कि जनता सरकार से यह उम्मीद करती है कि वह अपनी नीतिगत प्रतिबद्धताओं पर मजबूती से आगे बढ़ती रहे और इस प्रक्रिया में विपक्ष का सहयोग या कम से कम, उसका संवैधानिक आचरण उतना ही आवश्यक है।

संसद का समय राष्ट्र का समय है। यह किसी दल या नेता का निजी परिसर नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा का केंद्र है। इसलिए संसद की गरिमा केवल भाषणों में नहीं, आचरण में दिखनी चाहिए। बहसें हों, कठोर सवाल उठें, सरकार घिरे, लेकिन यह सब प्रक्रिया के भीतर हो। जब संसद रुकती है तो देश रुकता है। जब कार्यवाही ठप होती है, तो भविष्य ठहर जाता है। भारत आज निर्णायक मोड़ पर है-आर्थिक उछाल, वैश्विक भरोसा, युवाओं की बढ़ती आकांक्षाएं और तकनीकी क्रांति। ये सब संकेत देते हैं कि आने वाला दशक भारत का हो सकता है। फिर भी यह तभी संभव है जब संसद अपनी मूल भूमिका में लौटे। बहस, तथ्य, नीति और राष्ट्रहित के आधार पर निर्णय हों। सरकार अपनी उत्पादकता बनाए रखे और विपक्ष अपनी सार्थक भूमिका निभाए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी संतुलन में है। यही वह संतुलन है, जिसे इस सत्र में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अंततः लोकतंत्र की वास्तविक आवाज बहस में है, शोर में नहीं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
बाल मुकुन्द ओझा

भ्रष्टाचार के मकड़जाल में फंसी है पूरी दुनिया

दुनिया के लगभग हर देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार की इस महामारी से विश्व मुक्त नहीं हो पाया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों में जन जागरण और चेतना जगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक दिवसों का आयोजन किया जाता है, इनमें एक दिवस भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है, भ्रष्टाचार का मुकाबला करने की खातिर वैश्विक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में रिश्वत की वार्षिक मात्रा एक ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। भ्रष्टाचार के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत से अधिक है। यह अकाट्य सत्य है कि दुनियाभर में भ्रष्टाचार की वजह से न केवल आर्थिक विकास पर असर पड़ता है बल्कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास को भी ठेस पहुंचती है। विश्व का कोई भी देश भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है, जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किए जाते हैं। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर चिंतन और मनन की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक भ्रष्टाचार अपराध है जो सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। इससे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है। भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट आचरण यानि जिसका आचार बिगड़ गया हो। स्वार्थ में लिप्त होकर किया गया गलत कार्य भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं- रिश्वत, कमीशन लेना, काला बाजारी, मुनाफाखोरी, मिलावट, कर्तव्य से भागना, चोर-अपराधियों आतंकियों को सहयोग करना आदि आदि। इसका सीधा मतलब है जब कोई व्यक्ति समाज द्वारा स्थापित नैतिकता के आचरण का उल्लंघन करता है तो वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। यहां भ्रष्टाचार से हमारा तात्पर्य अनैतिक और गलत तरीके से अर्जित आय से है। भारत में भ्रष्टाचार ने लगता है संस्थागत रूप धारण कर लिया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम यह कहा है कि वे न तो खाएंगे और न खाने देंगे। मोदी अपनी बात पर कायम रहे, मगर भ्रष्टाचार पर काबू नहीं पाया जा सका है। दुनिया के भ्रष्टाचार पर नजर रखने वाली संस्था ट्रांसपरेंसी इंटरनेशनल इंडिया के द इंडिया करप्शन सर्वे 2024 के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 96वें स्थान पर रहा। इससे पहले साल 2023 में 93 और 2022 में भारत की रैंकिंग 85 थी, जो इस साल बढ़कर 96 हो गई है। दुनिया में सबसे भ्रष्ट देश सोमालिया है, जबकि सबसे कम भ्रष्ट डेनमार्क है, जो लगातार छठे साल भी ग्लोबल करप्शन इंडेक्स में टॉप पर है।

140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है कि बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। एनसीआरबी और लोकल सर्कल इंडिया करप्शरन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेकख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मंत्री से लेकर संतरी और नेताओं तक पर भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे है। भ्रष्टाचार हमारे सामाजिक, आर्थिक और नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर कानून और दंड-व्यवस्था की जानी चाहिए। जब तक समाज एकजुट होकर भ्रष्टाचार पर हमला नहीं करेगा तब तक इस बीमारी को जड़मूल से समाप्त नहीं किया जा सकता।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं?

संकलित
दर्शन

जब ईश्वर का वास हृदय में माना गया है, तो मंदिर जैसे उपासना स्थल क्यों बनाए जाते हैं? मंदिरों की स्थापना के पीछे उद्देश्य था कि पूजा, अर्चना और यज्ञ आदि द्वारा पवित्र तन्मात्रओं यानी पंचभूतों के सूक्ष्म रूप की सृष्टि की जाए। किसी साधु हृदय व्यक्ति को पूजा का कार्यभार सौंपा जाए। स्थान का मन पर अदृश्य प्रभाव पड़ता है। चिकित्सालय में व्यक्ति को हर तरफ रोग और रोगी ही दिखते हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी वहां अशक्त महसूस करने लगता है। हमारे शरीर से प्रतिदिन शुभ या अशुभ अदृश्य सूक्ष्म शक्ति-राशि का उत्सर्जन होता रहता है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति काम, क्रोध और आलस्य बाहर छोड़कर ईश्वर के प्रति भक्तिभाव से जाता है। यह सामूहिक भक्ति या उपासना शुभ तन्मात्रओं व तरंगों का सृजन करती है। अतः यहां आगमन दुर्बल मन वाले मनुष्यों में ऊर्जा का संचार करता है। सज्जनों से ही प्रार्थना स्थलों की पवित्रता बनी रहती है। यदि मंदिर में असाधु व्यक्तियों का आवागमन बढ़ जाए तो स्थान अपनी पवित्रता खोने लगता है। पवित्र श्रवण मास में शिवलिंग पर दुग्ध, बेलपत्र, फल-फूल आदि चढ़ाकर पुण्य अर्जित करने की होड़ लगी रहती है। यदि ईश्वर है और वह हमारी प्रार्थना से प्रसन्न होता है तो वह एक बेलपत्र, अंजुली भर दूध या एक पुष्प से भी प्रसन्न हो जाएगा। सावन के महीने से इतर भी ये दृश्य आमतौर पर मंदिरों में आम होते हैं। यदि यह व्यवस्था सुचारु न हो तो अव्यवस्था स्वाभाविक है। इसी कारण कई मंदिरों में व्यक्तिगत रूप से भोग-अर्पण की मनाही है।

बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर दें ध्यान

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में दो खास परिवार हैं, पहला पांडव और दूसरा है कौरव। पांडव परिवार में कुंती और पांच पुत्र थे। जबकि कौरव परिवार में धृतराष्ट्र और गांधारी के साथ ही सौ पुत्र थे। पांडवों के पास सुख-सुविधाओं का अभाव था, जबकि कौरवों के पास सारी सुख-सुविधाएं थीं। महाभारत में कुंती अपने पांच पुत्रों के साथ वन में रह रही थीं, क्योंकि धृतराष्ट्र और दुर्योधन नहीं चाहते थे कि पांडु के पुत्रों को राज्य मिले। धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन अधर्मी था। वह बचपन से ही पांडव पुत्रों को परेशान कर रहा था। कुंती के पति पांडु शाप की वजह से मर चुके थे। पांडु की दूसरी पत्नी माद्री भी जीवित नहीं थी। इन दोनों के बाद कुंती को पांच पुत्रों का पालन करना था। तीन पुत्र कुंती के थे और दो पुत्र माद्री के थे। कुंती जानती थीं कि जंगल में तो कोई सुख-सुविधा तो मिलेगी नहीं, इसलिए कुंती ने बच्चों का पालन करते समय संस्कारों पर ज्यादा ध्यान दिया। दूसरी ओर कौरव पक्ष में धृतराष्ट्र अंधे थे, गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली थी। दुर्योधन और उसके भाई लगातार गलत काम कर रहे थे, लेकिन माता-पिता ने उनकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा ये हुआ कि सभी कौरव पुत्र अधर्मी हो गए। महाभारत युद्ध में जब श्रीकृष्ण को ये निर्णय लेना था कि किसके पक्ष में रहेंगे, तब उन्होंने धर्म मार्ग पर चल रहे पांडव पुत्रों को चुना। धृतराष्ट्र और गांधारी ने अपने पुत्रों को सुख-सुविधा की हर एक चीज दी थी, लेकिन अच्छे संस्कार नहीं दिए थे। संतान के मोह में धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को सही-गलत का फर्क नहीं बताया।

अंतर्मन

आज की पाती

अन्याय कभी भी सहन मत करो

यदि आज हम किसी अन्य के साथ हो रहे अन्याय का विरोध नहीं करते, तो यकीन मानिए एक दिन हम स्वयं भी उसी अन्याय का शिकार अवश्य ही होंगे। यही समय है, यही पल, यही क्षण है। ये इंतजार कभी भी नहीं कीजिए, कि केवल हमारे ही साथ कहीं कभी अन्याय होगा, तभी हम किसी सड़ी हुई विकृत व्यवस्था का विरोध करेंगे। फिर उस वक्त व्यर्थ के रुदन, रोने-धोने से कोई लाभ, कोई सकारात्मक प्राप्ति होना अत्यंत ही कठिन या संभवतः असंभव हो सकता है। एक बहुत प्रसिद्ध उक्ति है कि न्याय में देरी, लगभग अन्याय के ही बराबर है। देश, समाज, दुनिया में कहीं एक जगह, किसी एक के साथ हो रहा अन्याय, हर जगह अन्याय होना भी माना जा सकता है। आम तौर पर लोग अन्याय का विरोध नहीं करते हैं, जिसके परिणाम भयंकर होते हैं। इसलिए अन्याय कभी भी सहन मत करो। *– पवन सोनी, धमतरी*

ट्रेंड

नई चेतना का संचार

'सुप्रभातम कार्यक्रम में मैं एक विशेष हिस्से की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। यह है संस्कृत सुभाषित। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति और विरासत को लेकर एक नई चेतना का संचार होता है। यह है आज का सुभाषित।'
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मन को संतुष्टि मिली

'श्री हरमंदिर साहिब में शीश नवाने के बाद मेरे मन को संतुष्टि मिली। वाहेगुरु जी, आप अपनी कृपा दृष्टि सभी पर बनाए रखें।' मैं दिल्ली के लाल किले में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन के बाद शुक्रिया अदा करने आई हूं। **-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली**

आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे

धरम जी, जन्मदिन मुबारक हो..आपको गए हुए दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। मैं धीरे-धीरे खुद को संभाल रही हूं। आप हमेशा मेरे साथ रहेंगे" आपके साथ बिताई जीवन की 'खुशनुमा यादें' कभी मिट नहीं सकतीं। इन पलों को याद करके बड़ा सुकून व खुशी मिलती है। **-हेमा मालिनी, सांसद**

बेहतर महसूस कर रहा

मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मुझे लगता है कि जिस दिन मैं यहां आया था, उस दिन से लेकर आज तक मैंने कौशल विकास और अभ्यास के कई सत्रों में हिस्सा लिया है। सीओई ने खेलने की अनुमति दे दी है। **-शुभमन गिल, उपकप्तान, भारतीय टी20 टीम**

करंट अफेयर

अमेरिकी रक्षा नीति में भारत से व्यापक संबंध बनाने पर जोर

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके। रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में 'भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।'

ऑफ बीट

क्या कॉफी वाकई कैफीन मुक्त होती है

डिकैफ़िनेटेड या 'कैफीन मुक्त' कॉफ़ी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और इसकी खपत में वृद्धि होने की सूचना है। यहां आपको कैफीन मुक्त कॉफ़ी के बारे में जानने की आवश्यकता है: यह कैसे बनाई जाती है, स्वाद, लाभ - और क्या यह वास्तव में कैफीन मुक्त है। डिकैफ़ कैसे बनता है? कॉफ़ी बीन की सुगंध और स्वाद को बरकरार रखते हुए कैफीन को हटाना कोई आसान काम नहीं है। डिकैफ़ कॉफ़ी हरे, बिना भुने कॉफ़ी बीन्स से उनकी कैफीन सामग्री को हटाकर बनाई जाती है और इस तथ्य पर निर्भर करती है कि कैफीन पानी में घुल जाता है। कैफीन को हटाने के लिए तीन मुख्य तरीकों का उपयोग किया जाता है: रासायनिक सॉल्वेंट्स, तरल कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2), या विशेष फिल्टर वाला सादा पानी। इन सभी प्रसंस्करण विधियों में आवश्यक अतिरिक्त कदमों के कारण डिकैफ़ कॉफ़ी अक्सर अधिक महंगी होती है। अधिकांश डिकैफ़ कॉफी विलायक-आधारित तरीकों का उपयोग करके बनाई जाती है क्योंकि यह सबसे सस्ती प्रक्रिया है। यह विधि दो और प्रकारों में विभाजित है: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष। प्रत्यक्ष विधि में कॉफी बीन्स को भाप में पकाना और फिर उन्हें बार-बार एक रासायनिक विलायक (आमतौर पर मेथिलीन क्लोराइड या एथिल एसीटेट) में भिगोना शामिल है जो कैफीन से बंध जाता है और इसे बीन्स से निकालता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

संसद में वंदे मातरम पर तीखी बहस राजनाथ बोले

जन-गण-मन व वंदे मातरम मां भारती की दो आंखें, इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई और जिन्ना के चश्मे से भी देखा गया

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'कुछ लोग यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर सकते हैं कि जन-गण-मन और वंदे मातरम के बीच एक दीवार खड़ी की जा रही है। ऐसा नैरेटिव बनाने का प्रयास विभाजनकारी सोच है। जनता को सब जानना चाहिए

राष्ट्रगीत के साथ अन्याय किया गया, इसे दबाया गया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर सकते हैं कि जन-गण-मण और वंदे मातरम के बीच एक दीवार खड़ी की जा रही है। ऐसा नैरेटिव बनाने का प्रयास विभाजनकारी सोच है. जो लोग यह बात नहीं समझते है वह मां की ममता को भी नहीं समझ सकते. राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि जन-गण-मन और वंदे मातरम मां भारती की दो आंखें है। मां भारती के दो अमर सपूतों की किलकारियां हैं। वंदे मातरम का उदघोष किसी के खिलाफ नहीं है,बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। सिंह ने कहा वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। जन-गण-मण राष्ट्रीय भावना में बसी, लेकिन वंदे मातरम को दबाया गया। वंदे मातरम के साथ हुए अन्याय के बारे में हर किसी को जानना चाहिए। वंदे मातरम के साथ इतिहास का एक बड़ा छल हुआ। इस अन्याय के बावजूद वंदे मातरम का महत्व कभी कम नहीं हो पाया। वंदे मातरम स्वयं में पूर्ण है, लेकिन इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई। इसके साथ जो अन्याय हुआ, उसे जानना जरूरी है. क्योंकि देश की भावी पीढ़ी वंदे मातरम के साथ अन्याय करने वालों की मंशा जान सके।

इसने ब्रिटिश साम्राज्य को झुकाया

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम इतिहास और वर्तमान से जुड़ा हुआ है। वंदे मातरम ने देश को जगाया है। ये सिर्फ बंगाल के चुनाव से नहीं जुड़ा है। वंदे मातरम ने ब्रिटिश साम्राज्य को झुकाया है।

ब्रिटिश हुकूमत लोगों के मानस से वंदे मातरम को नहीं निकाल सकी

संसद में वंदे मातरम पर बोलते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

राजनाथ ने कहा कि बंगाल विभाजन के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान वंदे मातरम की गूंज जनमानस में बैठी। ब्रिटिश हुकूमत ने इसके खिलाफ एक सर्कुलर जारी किया, लेकिन फिर भी ब्रिटिश हुकूमत लोगों के मानस से वंदे मातरम को नहीं निकाल सकी। 1906 में जब पहली बार भारत का पहला झंडा बनाया गया, तब उसके मध्य में वंदे मातरम लिखा था। वंदे मातरम नाम से अखबार भी था।

जन गण मन और वंदे मातरम मां भारती के दो सपूतों की किलकारियां

सिंह ने कहा कि मां अपने बच्चों में कोई भेदभाव नहीं करती। जन गण मन और वंदे मातरम-भारत माता के दो सपूतों की किलकारियां हैं। उन्होंने बताया कि ये दोनों गीत न केवल देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी लोगों को एकजुट करने का काम करते रहे। ये भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय भावना की आत्मा हैं, जो हर भारतीय के दिल में गर्व और प्रेम की भावना जगाते हैं।

इन्होंने भी कहा

जिन्ना को इससे नफरत थी और पंडित नेहरू झुक गए थे : रविशंकर

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में संबोधन पर कहा कि आज भारत की संसद में एक बहुत ऐतिहासिक बहस हुई है। वंदे मातरमम की विरासत को प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत विस्तार से बताया है। पूरे देश को यह सीखने और समझने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि पावन राष्ट्रभक्ति के भाव के इस गीत को इसलिए तोड़ा गया क्योंकि मोहम्मद अली जिन्ना को इससे नफरत थी और पंडित नेहरू झुक गए थे।

राहुल के नदारद रहने पर उठे सवाल

मुस्लिम लीग के आगे समर्पण किया

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अहम चर्चा के वक्त सदन में मौजूद नहीं थे, क्योंकि उनके मन में अपराधबोध है। प्रधानमंत्री ने भी कांग्रेस के रुख पर कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम के साथ विश्वासघात किया और मुस्लिम लीग के आगे समर्पण किया।

विपक्ष से बोले गोगोई

कांग्रेस ने वंदे मातरम को उसकी अहमियत दी

सदन में कांग्रेस के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह आदत है कि जब भी वह किसी मुद्दे पर बोलते हैं तो भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू और कांग्रेस का जिक्र करते रहते हैं।ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान उन्होंने नेहरू का नाम 14 बार और कांग्रेस का नाम 50 बार लिया। जब संविधान की 75वीं सालगिरह पर चर्चा हुई, तो नेहरू का नाम 10 बार और कांग्रेस का नाम 26 बार लिया गया। गोगोई ने कहा कि अगर किसी राजनीतिक पार्टी ने वंदे मातरम को वह अहमियत दी जिसका वह हकदार था, तो वह कांग्रेस थी। उनकी पार्टी ने यह पक्का किया कि इसे सिर्फ एक राजनीतिक नारे के तौर पर न देखा जाए।

यह सिर्फ गाने के लिए नहीं, निभाने के लिए

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने वंदे मातरम ने देश को एक किया और आज़ादी की लड़ाई में जान डाली। सत्ता पक्ष हर चीज पर कब्जा करना चाहता है। यादव ने कहा कि वंदे मातरम सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि इसका पालन करने के लिए है।

ठाकरे कहते थे- देश में रहना है तो: बरने

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के सांसद बरने ने बालासाहेब ठाकरे के बयान से अपने वक्तव्य की शुरुआत की। बकौल बरने, 'बालासाहेब कहते थे, अगर इस देश में रहना है तो वंदे मातरम कहना होगा। बाला साहेब ठाकरे गर्व से कहते थे हम हिंदू हैं, इस पर भी हमें गर्व है।

अनुराग ने भी विपक्ष को घेरा

'वंदे मातरम सिर्फ गीत नहीं, राष्ट्रीय प्रेम की रीत है, इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है

हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से निर्वाचित भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आज की चर्चा ऐतिहासिक दस्तावेज की तरह बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि ये कोई धार्मिक गीत नहीं, ये राष्ट्र की आत्मा और भारत के गौरव का गीत है। ये देश की संस्कृति और विरासत का प्रतीक है।

कांग्रेस के अधिवेशन में यह इस्लाम विरोधी नहीं था तो अब कैसे हो गया?

वंदे मातरम के काटे गए हिस्सों और इसके इतिहास का जिक्र करते हुए ठाकुर ने कहा कि यह उतना ही पवित्र है, जितना, गीता, बाइबल और कुरान है। ठाकर ने कहा, अगर 1896 में कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में वंदे मातरम इस्लाम विरोधी नहीं था तो बाद में यह कैसे हो गया?

जिन्ना के मुन्ना को भी वंदे मातरम से दिक्कत?

ठाकुर ने कहा है कि वंदे मातरम राष्ट्र भक्तों के लिए ऊर्जा का स्रोत है, लेकिन कुछ लोगों को इससे एलर्जी है। मैं 150 वीं जयंती पर इतना ही कहूंगा, कि अंग्रेजों को वंदे मातरम से दिक्कत थी, जिन्ना को वंदे मातरम्म से दिक्कत थी, जिन्ना के मुन्ना को भी इससे दिक्कत है? इसकी कुछ पंक्तियों को क्यों हटाया गया?

शरद पवार की पार्टी के सांसद ने क्रांतिकारियों को याद किया

सांसद मुरलीधर एनसीपी (शरद पवार) गुट के सांसद ने मराठी भाषा में कहा कि आजादी के आंदोलन में इसका योगदान कभी न भूलने वाला है। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ देशवासियों को एकजुट करने में इसने बड़ी भूमिका निभाई है।

पर्यावरण अनदेखी पर हुई राज्यसभा में चिंता

माकन ने उठाया अरावली पर्वत का मामला, रंजीत रंजन ने भी विरोध किया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

राज्यसभा में सोमवार को अरावली पर्वतमाला को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। कांग्रेस सांसद अजय माकन ने केंद्र द्वारा 20 नवंबर को स्वीकार की गई नई परिभाषा को 'आपदा' करार देते हुए कहा कि यह उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत को 'धूल का कटोरा' बनने की ओर धकेल सकती है। माकन ने बताया कि अरावली पर्वत 2.5 अरब वर्ष पुराने हैं और इनका भू-आकृतिक महत्व अत्यंत विशिष्ट है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रस्तावित 100 मीटर की शब्दावली, जिसके तहत किसी भी पहाड़ी को अरावली का हिस्सा तभी माना जाएगा जब वह अपने स्थानीय धरातल से 100 मीटर या अधिक ऊंची हो, वास्तविकता से मेल नहीं खाती। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस मापदंड को लागू करने से राजस्थान की 99 फीसदी अरावली पहाड़ियां परिभाषा से बाहर हो जाएंगी, जिससे संरक्षण का पूरा ढांचा ही ध्वस्त हो जाएगा। सांसद ने यह भी रेखांकित किया कि अरावली उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत को थार रेगिस्तान के विस्तार से बचाने वाली प्राकृतिक ग्रीन वॉल है। इसके नष्ट होने से क्षेत्र में रेगिस्तानीकरण तेज हो सकता है और व्यापक पर्यावरणीय क्षति हो सकती है।

कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने चारधाम यात्रा को सुगम बनाने की उद्देश्य से उत्तरकाशी-गंगोत्री क्षेत्र में चल रही सड़क परियोजना के लिए देवदार के हजारों पेड़ काटे जाने का जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को अंधाधुंध नुकसान पहुंचाने से प्राकृतिक आपदाएं आईं।

सुप्रीम कोर्ट ने सामान्य भविष्य निधि पर सुनाया अहम फैसला

दिवंगत कर्मचारी की जीपीएफ राशि पत्नी-मां में बराबर बांटी जाए, पूर्व का नामांकन 'अमान्य'

भले ही पति की मां को नामित किया गया हो, परिवार को परिभाषित किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला की याचिका स्वीकार कर ली। महिला ने कहा कि उसके दिवंगत पति की नौकरी के दौरान जमा हुई सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की रकम उसे मिलनी चाहिए, भले ही पति की मां को ही नामित किया गया हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जब कोई कर्मचारी परिवार बनाता है (जैसे शादी हो जाती है), तो पहले भरा गया नामांकन फॉर्म अपने-आप मान्य नहीं रहता। अगर कर्मचारी ने परिवार बनने से पहले किसी को नामित किया था, तो वह नामांकन बाद में वैध नहीं माना जाता।

ऐसी स्थिति में रकम परिवार के सभी पात्र सदस्यों में बराबर हिस्से में बांटी जानी चाहिए।पीठ ने कहा कि हालांकि, दिवंगत कर्मचारी ने अपनी मां को नामित किया था, लेकिन नामांकन फॉर्म में मौजूद शर्तों के अनुसार कर्मचारी की मृत्यु के समय वह नामांकन मान्य नहीं रह गया।अदालत ने यह भी साफ कहा कि जीपीएफ का नामांकन फॉर्म या उसमें भरा गया कोई भी हिस्सा, मां को पत्नी से ज्यादा अधिकार नहीं देता।

शादी के बाद भरा गया फॉर्म मान्य नहीं हो सकता

अदालत ने यह भी कहा- मां को पत्नी से ज्यादा अधिकार नहीं

नामांकन अमान्य तो सभी सदस्यों में वितरण होना चाहिए

पति ने 2003 में अपनी पत्नी (याचिकाकर्ता) से शादी की। शादी के बाद उसने कई अन्य नौकरी से जुड़ी सुविधाओं में पत्नी को ही लाभ लेने वाला (नॉमिनी) बनाया, लेकिन जीपीएफ वाले नामांकन में बदलाव नहीं किया और वह पहले जैसा ही बना रहा। शीर्ष अदालत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रासंगिक नियम वास्तव में यह प्रावधान करते हैं कि जब कोई नामांकन अमान्य हो जाता है, तो राशि सभी पात्र सदस्यों के बीच वितरित की जानी चाहिए।

उन्होंने नामांकन बदलने की कोई कोशिश नहीं की

अगर नामांकन अमान्य हो जाए, तो जीपीएफ की रकम परिवार के सभी पात्र सदस्यों में बांटी जाती है। पति के पास 2003 में शादी होने से लेकर 2021तक नामांकन बदलने का पूरा मौका था, पर नहीं किया।

पत्नी आधी रकम पहले ही प्राप्त कर चुकी

कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी नहीं होती कि वे नामांकन बदलने या रद्द करने के लिए याद दिलाएं। यह कर्मचारी का अपना कर्तव्य है। नियमों में साफ बताया गया है कि उसके बाद परिवार के जीवित सदस्यों में पैसा कैसे बांटा जाएगा। कोर्ट ने कहा कि पत्नी को आधी रकम पहले ही मिल चुकी है।

कार में बैठकर वकालत नहीं हो सकती, वकीलों के लिए क्यूबिकल का आदेश दिया

बॉम्बे हाई कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि कोर्ट परिसरों में वकीलों के लिए ऐसे क्यूबिकल उपलब्ध कराए जाएं, जहां से वे आराम से वर्चुअल सुनवाई में शामिल हो सकें। कोर्ट ने ये बात तब कही जब उसे पता चला कि कई वकील मजबूरी में अपनी कारों में बैठकर ही ऑनलाइन सुनवाई में जुड़ रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश श्रीचंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए. अखंड की पीठ राज्य में चल रही स्थानीय निकाय चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पूरे महाराष्ट्र से 100 से ज्यादा याचिकाएं मुख्य न्यायाधीश की बेंच पर भेजी गई हैं ताकि अलग-अलग आदेश न निकलें। इसलिए अलग-अलग जिलों के वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बहस कर रहे हैं।

कार में बैठकर कोर्ट को एड्रेस नहीं कर सकते

एक वकील कार में बैठकर ऑनलाइन पेश हुए. इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ये कार में बैठा कौन है? आप लॉग ऑफ करिए। इस पर वकील ने तुरंत कनेक्शन बंद कर दिया, लेकिन कुछ देर बाद नागपुर की एक वकील भी कार में बैठकर ऑनलाइन जुड़ीं। तब पीठ ने फिर कहा आप कार में बैठकर कोर्ट को संबोधित नहीं कर सकतीं।

क्या वकीलों के लिए क्यूबिकल नहीं है?

पीठ ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या वकीलों के लिए ऑनलाइन पेश होने का कोई क्यूबिकल नहीं है? कोई जगह होनी चाहिए। आमतौर पर बार असोसिएशन यह सुविधा देता है.।कुछ क्यूबिकल होने चाहिए। राज्य की ओर से पेश अतिरिक्त सरकारी वकील नेहा भिड़े ने बताया कि मुंबई में अलग से जगह नहीं है।

पंजाब की राजनीति में हलचल तेज

नवजोत कौर कांग्रेस से निलंबित '500 करोड़' बयान पर कार्रवाई

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस ने सोमवार को पंजाब की पूर्व विधायक नवजोत कौर सिद्धू को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई उनके उस विवादित बयान के बाद हुई, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि पंजाब में मुख्यमंत्री बनने के लिए '500 करोड़ रुपए की अटैची' देनी पड़ती है। उन्होंने दो दिन पहले कहा था कि नवजोत सिद्धू को अगर कांग्रेस पंजाब में सीएम का चेहरा घोषित करती है तो पार्टी में एक्टिव होकर काम करेंगे। उन्होंने ये भी जोड़ दिया कि हमारे पास मुख्यमंत्री पद के लिए पांच सौ करोड़ हम दे सकें, मामला यहीं बिगड़ गया। पार्टी ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए सख्त कदम उठाया है। निलंबन की जानकारी पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा जारी पत्र में दी गई, जिसमें कहा गया है कि नवजोत कौर का बयान पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला है और तथ्यहीन आरोप संगठनात्मक अनुशासन के खिलाफ हैं। नवजोत सिद्धू भाजपा से कांग्रेस में आए थे। इनके दबाव में कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे नेता कांग्रेस से भाजपा में गए। सिद्धू कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के करीबी माने जाते रहे हैं। पार्टी ने भी किसी चुनाव में उनका उपयोग नहीं किया। वे लगातार अपने टीवी शो के शूटिंग में व्यस्त होते गए। इस बीच उनकी पत्नी ने विवादित बयान देकर प्रदेश की राजनीति में तब उफान ला दिया है।

क्या कहा था नवजोत कौर सिद्धू ने?

कुछ दिन पहले मीडिया से बातचीत में नवजोत कौर ने कहा था कि हमारे पास 500 करोड़ रुपए नहीं हैं कि किसी को दे दें और मुख्यमंत्री बना दें। लेकिन जो अटैची दे देता है, वही सीएम बन जाता है। उनके इस बयान के बाद पार्टी में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया।

राजनीतिक प्रतिक्रिया

बयान सामने आते ही विपक्षी दलों भाजपा और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर तीखे हमले किए। दोनों दलों ने इसे 'कांग्रेस में संस्थागत भ्रष्टाचार की स्वीकारोक्ति' बताते हुए पार्टी पर सवाल उठाए। कांग्रेस के भीतर भी इस टिप्पणी को लेकर नाराज़गी देखी गई।

नवजोत कौर की सफाई

निलंबन के बाद नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि उनके शब्दों को तोड़ा-मरोड़ा गया। उनका मकसद पार्टी नेतृत्व पर आरोप लगाना नहीं था, बल्कि वे 'राजनीति में धनबल की बढ़ती प्रवृत्ति' को लेकर चिंता जता रही थीं।

पंजाब कांग्रेस पर असर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस विवाद ने एक बार फिर यह संकेत दिया है कि पंजाब कांग्रेस अंदरूनी मतभेदों से जूझ रही है। सिद्धू दंपती और प्रदेश नेतृत्व के बीच पहले से मौजूद तनाव इस कार्रवाई के बाद और बढ़ सकता है। यह मुद्दा कांग्रेस के लिए चुनौती बन सकता है।

अपनी 371वीं रिपोर्ट संसद में पेश कर दी, समिति के सदस्य जयराम ने रिपोर्ट के बिंदुओं को किया सार्वजनिक

उच्च शिक्षा पर दिग्विजय की अध्यक्षता वाली समिति ने 'रास' के पटल पर कई अनुशंसा के साथ रखी रिपोर्ट

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली संसद की सर्वदलीय शिक्षा संबंधी स्थायी समिति ने उच्च शिक्षा विभाग की स्वायत्त संस्थाओं पर अपनी 371वीं रिपोर्ट संसद में पेश कर दी है। समिति के सदस्य जयराम रमेश ने रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं को सार्वजनिक करते हुए कहा कि इसमें उच्च शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं।

एनटीए पर गंभीर टिप्पणियां, पेन-पेपर परीक्षा को बढ़ावा देने की सिफारिश

रिपोर्ट में बताया गया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) हाल के वर्षों में छात्रों और शिक्षकों के बीच विश्वास कायम करने में विफल रही है। कई प्रमुख परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताएँ और तकनीकी गड़बड़ियों के बाद समिति ने सुझाव दिया है कि एनटीए की आंतरिक क्षमता को तत्काल बढ़ाया जाए। ऑनलाइन मोड की बजाय पेन-पेपर मोड को अधिक प्राथमिकता दी जाए। परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और पारदर्शी बनाया जाए।

नैक में अनियमितताओं पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग

नैक द्वारा संस्थानों की रेटिंग में अनियमितताओं के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए समिति ने कहा कि सरकार को नैक पर श्वेतपत्र जारी करना चाहिए। सुधार के लिए किए गए कदमों को सार्वजनिक किया जाए। मूल्यांकन प्रक्रिया को और अधिक निष्पक्ष एवं विश्वसनीय बनाया जाए।

यूजीसी के ड्राफ्ट नियम कैब को भेजे जाएं

समिति ने अनुशंसा की कि यूजीसी के जनवरी 2025 के ड्राफ्ट नियमों को शिक्षा की केंद्रीय सलाहकार समिति, कैब, के पास समीक्षा के लिए भेजा जाए, ताकि व्यापक चर्चा के बाद ही इन्हें लागू किया जा सके।

एचआईएल को यूजीसी मान्यता देने की सिफारिश

लद्दाख में सोनम वांगचुक द्वारा संचालित हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफ़ अल्टरनेटिव्स, लद्दाख) को यूजीसी मान्यता देने की सिफारिश की गई है। समिति ने कहा, एचआईएल का काम स्थानीय समुदायों के लिए बेहद उपयोगी है। इस संस्थान ने भारतीय ज्ञान परंपरा और अनुभवात्मक शिक्षा में विशिष्ट योगदान दिया है

शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए यूपीएस लागू हो

रिपोर्ट ने केंद्र द्वारा वित्तपोषित उच्च शिक्षा संस्थानों में यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू करने, स्थायी कर्मचारियों को पेंशन सुरक्षा प्रदान करने की स्पष्ट अनुशंसा की है।

आईसीएचआर और आईसीएसआर की संस्थागत कमियों पर चिंता

समिति ने दो प्रमुख शोध संस्थानों में मुद्दों को रेखांकित किया। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद में आरोपित अनियमितताओं की जांच कराने की सिफारिश की गई है साथ ही भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद जैसी अनुसंधान संस्थानों में 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें तुरंत लागू करने की अनुशंसा की गई है। सभी रिक्तियों को शीघ्र भरने, लंबित प्रमोशन लागू करने और शीर्ष पदों पर नियुक्तियाँ की जोरदार वकालत की गई है।

जेआरएफ राशि बढ़ाने की सिफारिश

समिति ने स्वायत्त संस्थानों द्वारा दिए जाने वाले जूनियर रिसर्च फेलोशिप की राशि बढ़ाने की मांग की, ताकि शोध कार्य को बढ़ावा मिल सके और शोधार्थियों के आर्थिक बोझ को कम किया जा सके।

ऑरोविल फाउंडेशन की स्वायत्तता संरक्षित रहे

समिति ने सुझाव दिया कि ऑरोविल फाउंडेशन की शासन प्रणाली में अधिक भागीदारी आधारित निर्णय प्रक्रिया अपनाई जाए। उसकी स्वायत्त प्रकृति को किसी भी कीमत पर प्रभावित न होने दिया जाए। संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष द्वारा जारी की गई अनुशंसा पर विशेषज्ञों का मानना है, उच्च शिक्षा क्षेत्र में सुधारों को लेकर यह रिपोर्ट बेहद महत्त्वपूर्ण है। बहरहाल, समिति के सुझाव केंद्र सरकार के लिए एक स्पष्ट संदेश हैं कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और संस्थागत मजबूती के लिए त्वरित और ठोस कदम उठाना समय की आवश्यकता है।

खबर संक्षेप

रिलायंस इंफ्रा सौर विनिर्माण सुविधा करेगी स्थापित

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी नीत रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के सबसे उन्नत, पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण परिवेश में से एक की स्थापना कर रही है जिसमें इन्गोट, वेफर्स, सेल और मॉड्यूल शामिल होंगे। विनिर्माण सुविधा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से लैस होगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का आईपीओ 12 को खुलेगा

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 2,061 से 2,165 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का मूल्यांकन 1.07 लाख करोड़ रुपये (करीब 11.86 अरब डॉलर) आंका गया है।

रुपया 14 पैसे टूटकर 90.09 प्रति डॉलर पर हुआ बंद

मुंबई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच रुपया सोमवार को 14 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.09 के भाव पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता जैसे कई दबावों के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है।

सेबी ने किया मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क — परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु — मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज-सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर — आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ — खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा-विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन — कारोबार में सुधार के लिए भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन-सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

गिरता रुपया और एआई चिप की कमी से महंगा हो सकता है स्मार्ट टीवी व स्मार्टफोन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सितंबर 2025 में जीएसटी कट में कई प्रोडक्ट्स की कीमत कम हुई। इन प्रोडक्ट्स की लिस्ट में स्मार्ट टीवी भी हैं, जिन पर पहले 28 फीसदी जीएसटी लगता था। अब इन स्मार्ट टीवी पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। जीएसटी कम होने के साथ ही स्मार्ट टीवी भी सस्ते हुए है, लेकिन अब इनकी कीमत बढ़ सकती है।

- पिछले चार महीने में एआई चिप की कीमतों में 6 गुना तक वृद्धि हो गई

स्मार्ट टीवी की कीमत बढ़ने की दो वजह हैं। एक तो स्मार्ट टीवी में इस्तेमाल होने वाले एआई चिप और दूसरा लगातार गिरता रुपया। दोनों ही वजह से टीवी की कीमत आने वाले दिनों बढ़ सकती है।

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के पार पहुंच चुका

चिप्स की सप्लाई भी बनी चुनौती

ऐसे में चिप्स की कमी को पूरा करने के लिए एआई डेटा सेंटर्स को डीडीआर3 और डीडीआर4 चिप्स भी सप्लाई किए जा रहे हैं। इसकी वजह से स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी मेकर्स को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर फ्लैश मेमोरी चीन से इंपोर्ट होती हैं। इनका इस्तेमाल टीवी, मोबाइल, लैपटॉप, फ्लैश ड्राइव और यूएसबी डिवाइसों में होता है।

मेमोरी चिप्स हुई महंगी : सीईओ ने बताया कि पिछले चार महीनों में मेमोरी चिप्स की कीमत 6 गुना तक बढ़ गई है। इसकी वजह से टीवी की कीमतों में जीएसटी कट की वजह से जो रियायतें मिली थी, वो खत्म हो सकती हैं। इसकी वजह से टीवी की मांग जो हाल में बढ़ी थी, उसे झटका लग सकता है।

फ्लैश मेमोरी की शॉर्टेज

दरअसल, पिछले कुछ वक्त से बाजार में फ्लैश मेमोरी की शॉर्टेज है। इसका असर सिर्फ टीवी के बाजार पर ही नहीं बल्कि स्मार्टफोन्स पर भी देखने को मिल रहा है। बीते कुछ दिनों में लांच हुए ज्यादातर फोन्स अपने पिछले वर्जन के मुकाबले काफी ज्यादा कीमत पर आए हैं। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि डीडीआर3 और डीडीआर4 मेमोरी चिप्स की सप्लाई कम हुई है। इसकी वजह एआई डेटा सेंटर हैं। एआई डेटा सेंट्स में डीडीआर6 और डीडीआर7 चिप्स का इस्तेमाल होता है। लेकिन मांग बढ़ने से चिप मेकर्स सप्लाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

कमजोर होता रुपया

पहले बात करते हैं रुपया की, जो अपने निचले स्तर पर पहुंचा हुआ है। रुपया डॉलर के मुकाबले 90 के पार पहुंच गया है। जिन प्रोडक्ट्स को इंपोर्ट किया जाता है, उनकी कीमत पर इसका असर होगा। एसपीपीएल के सीईओ अवनीत सिंह मरवाह के अनुसार रुपये के गिरने और मेमोरी चिप्स की कीमत बढ़ने से जीएसटी का जो फायदा लोगों को मिला था, उसके पूरी तरह से खत्म होने का डर नजर आने लगा है।

वाहन डीलर संगठन फाडा ने दी जानकारी

मोटर वाहन की खुदरा बिक्री नवंबर में बढ़ी, पंजीकरण में दो फीसदी तेजी: फाडा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

त्योहारों के बाद मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही और नवंबर में पंजीकरण में सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे यात्री वाहनों, तिपहिया वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टर की मजबूत मांग से बल मिला। वहान डीलर के संगठन फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, नवंबर 2024 में 32,31,526 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री बढ़कर 33,00,832 इकाई हो गई। पिछले साल दीपावली एवं धनतेरस अक्टूबर के अंत में पड़े थे और वाहनों का पंजीकरण नवंबर में हुआ था, जिससे बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।

- त्योहारों के बाद खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही
- तिपहिया, वाणिज्यिक व ट्रैक्टर की मजबूत मांग रही
- जीएसटी दरों में कटौती का फायदा ग्राहकों को मिला

त्योहारों के बाद भी बिक्री में तेजी जारी

फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, ''जीएसटी दरों में कटौती और मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के डीलर द्वारा की जा रही खुदरा पेशकशों से ग्राहकों ने खरीद की योजना बनाई जिससे त्योहारों के बाद भी ग्राहकों की संख्या में लगातार बढ़ती रही।

यात्री वाहनों का पंजीकरण 20 फीसदी बढ़ा

उद्योग निकाय के अनुसार, नवंबर में यात्री वाहनों का पंजीकरण 20 प्रतिशत बढ़कर 3,94,152 इकाई हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 3,29,253 इकाई से अधिक है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती, विवाह संबंधी मांग, उच्च प्रतीक्षा वाले मॉडलों की बेहतर आपूर्ति और कॉम्पैक्ट एसयूवी से निरंतर बढ़ावा के कारण इस खंड में वृद्धि देखी गई।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में गिरावट

नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले साल की तुलना में तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,46,184 इकाई रह गई। इस प्रकार, वाहनों का भंडार (स्टॉक) का समय 53-55 दिन से घटकर 44-46 दिन रह गया जो बेहतर मांग-आपूर्ति अनुशासन का संकेत है। नवंबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,46,184 इकाई रही।

कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी बिक्री रही

विभिन्न श्रेणियों में कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी खरीदारी हुई और नवंबर में भी ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी जारी रही।'' उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 में त्योहारों के बाद की पारंपरिक मंदी को दरकिनार कर दिया गया तथा पिछले वर्ष के असामान्य रूप से उच्च तुलनात्मक आधार के बावजूद मजबूत प्रदर्शन किया गया।

ट्रैक्टर पंजीकरण में 57 फीसदी की वृद्धि

उद्योग निकाय ने बताया कि ट्रैक्टर पंजीकरण में पिछले महीने सालाना आधार पर 57 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह नवंबर 2024 की 80,507 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने 1,26,033 इकाई रहा। फाडा ने कहा, '' अगले तीन महीनों में भारत की मोटर वाहन खुदरा बिक्री का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है, जिसे जीएसटी 2.0 कर युक्तिकरण, ग्रामीण आर्थिक संकेतकों में सुधार से निरंतर गति का समर्थन प्राप्त है...वहीं 74 प्रतिशत डीलर को सभी क्षेत्रों में वृद्धि की उम्मीद है....''

नए मॉडल की पेशकश में मांग बढने की उम्मीद

उद्योग निकाय ने कहा कि जनवरी में अपेक्षित मूल्य वृद्धि, 2026 में नए मॉडलों की पेशकश और विवाह संबंधी मांग से बिक्री को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही फसल से होनी वाली आय से ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा मांग मजबूत रहने की उम्मीद है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार लुढ़का, 1 दिन में 7.5 लाख करोड़ स्वाहा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से एक ही दिन में निवेशकों के 7.5 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया हुआ है। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। जियोजित

- सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी 26 हजार के नीचे आया
- विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बना दबाव

इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार में चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक इस सप्ताह की फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। नायर ने कहा कि मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है।

कमजोर मांग से सोना गिरकर 1,32,600 रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। स्थानीय बाजारों में कमजोर मांग होने से सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमतें 300 रुपये गिरकर 1,32,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। हालांकि, चांदी की कीमतें 1,500 रुपये बढ़कर 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गईं, जो लगातार दूसरे दिन की बढ़त दर्शाता है। पिछले कारोबार सत्र में यह 1,83,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना भाव 0.18 प्रतिशत बढ़कर 4,205.26 डॉलर प्रति औंस हो

गया। मिराए एसेट शेयरखान के जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, ''अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 10 दिसंबर को नीतिगत बैठक के पहले हाजिर सोना में बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव देखा गया। यह लगभग 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,210 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।'

आधुनिक और भारतीय शिक्षा के समन्वय का मार्ग प्रशस्त करेगा भारतीय शिक्षा बोर्ड : डॉ. एनपी सिंह

प्रयागराज। एएमए कन्वेंशन सेंटर प्रयागराज में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. एन. पी. सिंह ने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड की स्थापना का उद्देश्य स्वदेशी शिक्षा पद्धति को पुनर्जीवित करते हुए आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि आज देश को ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो विद्यार्थियों में आत्मगौरव, भारतीयता, नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और वैश्विक दृष्टि दोनों का विकास कर सके। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखकर भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और राज्य बोर्डों के समकक्ष मान्यता प्राप्त है। डॉ. सिंह ने बताया कि बोर्ड के पाठ्यक्रम में वेद, उपनिषद, गीता, जैन

और बौद्ध दर्शन, भारतीय शूरवीरों की कथाएँ, संवैधानिक मूल्य, गुरुकुल परंपरा और आधुनिक विज्ञान-प्रौद्योगिकी को संतुलित रूप से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को कहानियों और कविताओं के माध्यम से भारतीय दर्शनों से परिचित कराने तथा उच्च कक्षाओं में इन विषयों का विस्तृत अध्ययन कराने की व्यवस्था की गई है।

भारत अपने लिए लाभकारी स्रोतों से तेल खरीदने को आजाद: रूस

मॉस्को। रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा। अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, ''भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा।'' वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **श्याम गुप्ता पुत्रः राम कृष्ण गुप्ता पताः गुप्ता क्लिनिक, झुग्गी नं. 29, बस स्टैण्ड के पास, पुलिस लाइन एफ–ब्लॉक के सामने, मंगोलपुरी, दिल्ली और जी–5, राजीव नगर एक्सटेंशन, बेगमपुर, दिल्ली और गाँव घगुआ, थाना बंसी, सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश** ने **CT No. 6664/2017 U/s 200 Cr. P.C., थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **श्याम गुप्ता** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **श्याम गुप्ता** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CT No. 6664/2017 U/s 200 Cr. P.C., थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **श्याम गुप्ता** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 16.01.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रितिका जैन
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी
उत्तर पश्चिम, रूम नं. 105
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/16498/OD/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr Pc/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सद्दाम पुत्र** ज़मील अहमद **निवासीः** म.नं. D-403, गली नं. 1, जनता कॉलोनी, वेलकम, दिल्ली ने **FIR No. 65/18 U/s 25/54/59 Arms Act. थानाः वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सद्दाम** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सद्दाम** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 65/18 U/s 25/54/59 Arms Act. थानाः वेलकम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सद्दाम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दिपाक्षी राना, JMFC-03
कमरा नं.19, कड़कड़डूमा कोर्ट, शाहदरा, दिल्ली

DP/16364/NE/2025 (Court Notice)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रिंकू पुत्र परमशी पताः बी–47 पहलादपुर बदरपुर, नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 245/2010 धारा 279/337/304ए भा.द.स. के तहत** थानाः राजौरी गार्डन, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रिंकू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रिंकू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 245/2010 धारा 279/337/304ए भा.द.स. के तहत थानाः राजौरी गार्डन, दिल्ली के उक्त रिंकू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
शशांक नंदन भट्ट
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02
पश्चिम कमरा नं.356,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16209/WD/2025

शब्द पहेली - 6072

1	2		3		4	■	5		6	7
8		■		■	9			■	10	
	■	11				■	12	13	■	
14				■	■	15	■	16	17	
	■		■	18			19	■		■
20	21		22		■	23		24		25
		■	26				■		■	
27		28	■		■	■	29			
	■	30	31	■	32				■	
33	34	■	35			■		■	36	
37				■	38					

बाएँ से दाए

1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6071 का हल

उ	प	चा	र	■	मि	■	वि	रा	स	त
■	र	■	घु	■	ग	द	र	■	ही	न
क	■	■	व	रा	ह	■	ह	■	■	हा
म	हा	वी	र	■	बा	ल	■	क	मा	ई
जो	■	रा	■	ना	न	■	श	■	ख	■
र	म	णी	य	ता	■	भा	व	ही	न	ता
■	न	■	म	■	ज	ल	■	ट	■	र
अ	का	ल	■	शू	ल	■	नी	र	व	ता
प	■	■	न	■	प्र	ख	र	■	■	र
रा	ल	■	म	हू	बा	■	स	■	मी	■
ध	ड़	क	न	■	ह	■	ता	र	त	म्य

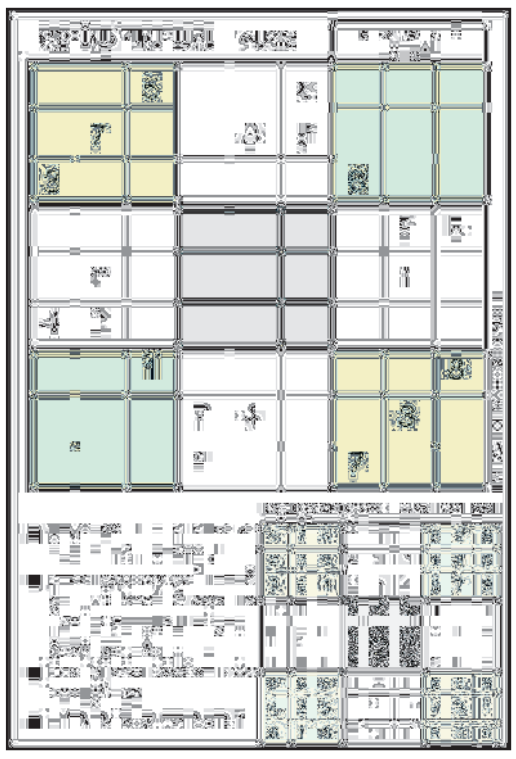

टी-20 ट्रॉफी में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने अमित पासी

एजेंसी ▶▶| बड़ौदा

बड़ौदा से डेब्यू करने वाले विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज अमित पासी ने 55 गेंद में 10 चौके और नौ छक्कों की मदद से 114 रन की धमाकेदार पारी खेली। इसके साथ वह सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए और वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने से वह सिर्फ 1 रन दूर रह गए।

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में बड़ौदा अपनी लीग स्टेज का अंतिम और सातवां मैच खेलने उतरी। कप्तान विष्णु सोलंकी ने 25 रन बनाए, जबकि अंत में भानु पानिया ने 28 रन की पारी खेली। इन पारियों के दम पर बड़ौदा ने 5 विकेट पर

पासी ने 55 गेंद में 10 चौके और 9 छक्कों से 114 रन ठोके

220 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। 26 साल के अमित पासी बड़ौदा के लिए अपना पहला मैच खेल रहे थे। नियमित विकेटकीपर जितेश शर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम से जुड़ चुके हैं, जिसके चलते उन्हें बड़ौदा का कैंप छोड़ना पड़ा। इस कारण अमित पासी को डेब्यू करने का मौका मिला और उन्होंने इसे दोनों हाथों से लपका। अमित पासी अब टी20 क्रिकेट में डेब्यू पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज़ बन गए हैं। उनसे पहले 2015 में बिलाल आसिफ ने फ़ैसलाबाद में स्टैलियंस की ओर से खेलते हुए अपने टी20 डेब्यू में 114 रन बनाए थे। अब अमित पासी ने भी उसी आंकड़े को छू लिया है अगर वो एक रन और बना लेते तो डेब्यू में ही वर्ल्ड रिकॉर्ड पारी उनके नाम दर्ज हो जाती।

राजस्थान से जीता झारखंड

ट्रॉफी के आखिरी लीग मैच में झारखंड ने राजस्थान को 36 रन से हरा दिया तो वहीं बंगाल की टीम को हरियाणा के खिलाफ हार मिली। बंगाल ने हरियाणा को 24 रन से हरा दिया। झारखंड की टीम ने 7 में से 7 मैच जीते और अंकतालिका में ग्रुप डी में 28 अंक के साथ पहले स्थान पर रहा तो वहीं हरियाणा की ये 7 में से 5वीं जीत रही और ये टीम 20 अंक के साथ ग्रुप सी में पहले स्थान पर रहा। झारखंड और राजस्थान के बीच खेले गए मैच में झारखंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 215 रन बनाए और इसके जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 179 के स्कोर पर सिमट गई। झारखंड के लिए ओपनर विराट सिंह ने 36 गेंदों पर 5 छक्के और 4 चौकों के साथ 36 गेंदों पर 69 रन की पारी खेली तो

वहीं कुमार कुशाग्र ने 37 गेंदों पर 55 रन बनाए जबकि रॉबिन मिंज ने 27 गेंदों पर 58 रन बनाए। राजस्थान के लिए करन लांबा ने 52 रन की पारी खेली तो वहीं राजस्थान के खिलाफ झारखंड के लिए सुशांत मिश्रा और अनुकूल रॉय ने 3-3 विकेट झटके।

यूपी को हराकर बिहार ने जीता मुकाबला

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टूर्नामेंट में आखिरकार बिहार की टीम को 6 मैचों के बाद आखिरी लीग मैच में जीत मिल ही गई। इस मैच में बिहार के स्टार ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी नहीं खेले थे जिनका प्रदर्शन अगर एक शतक को छोड़ दें तो साधारण ही रहा था। बिहार ने अपना आखिरी लीग में इस टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला और इस मुकाबले में यूपी ने पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 6 विकेट पर 124 रन ही बना पाई। बिहार को जीत के लिए 125 रन का ज्यादा मुश्किल टारगेट नहीं मिला था और इस टीम ने 19.2 ओवर में 4 विकेट पर 145 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेशक बिहार को इस मैच में जीत मिली, लेकिन ये टीम अगले दौर से पहले ही बाहर हो चुकी है।

विदर्भ ने आंध्र को हराया, यश ठाकुर ने झटके चार विकेट

लखनऊ। विदर्भ ने तेज गेंदबाज यश ठाकुर के चार विकेट की मदद से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अंतिम दौर के मैच में आंध्र को 19 रन से पराजित किया। आंध्र की टीम ग्रुप ए से मुंबई के साथ पहले ही अगले दौर में अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी है लेकिन अंतिम मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 154 रन बनाए। इसके जवाब में आंध्र की टीम नौ विकेट पर 135 रन नहीं बना सकी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ठाकुर ने 22 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने पहले मैच में पांच विकेट लिए थे और इस तरह से कुल 18 विकेट लेकर प्रतियोगिता में अपने अभियान का समापन किया। विदर्भ की पारी अमन मोखड़े (50) और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर (41) के इर्द-गिर्द घूमती रहीं।

खबर संक्षेप

बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए लियोन को बाहर किया: स्मिथ

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को अंतिम एकादश से बाहर रखने पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि यह फैसला बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए लिया गया था और स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज के खिलाफ कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं थी। यह पिछले 13 साल में पहला अवसर था जबकि लियोन को घरेलू टेस्ट मैच से बाहर किया गया। इस स्पिनर ने इसके बाद कहा था कि उनका मूड बेहद खराब है। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा था कि लियोन को केवल इस मैच के लिए बाहर किया गया। उन्होंने एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए इस 38 वर्षीय स्पिनर को अंतिम एकादश में जगह देने की गारंटी दी थी।

आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में भारत को मिले छह पदक

दोहा। निशानेबाज जोरावर सिंह संधू पुरुषों के ट्रैप फाइनल में शुरुआती 10 शॉट में सात हिट के साथ सातवें स्थान पर रहे जबकि भारत ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्वर्ण सहित छह पदक के साथ अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ अभियान का अंत किया। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर लुसैल निशानेबाजी परिसर में शॉटगन प्रतियोगिताओं के आखिरी दिन अकेले भारतीय प्रतिस्पर्धी थे। जोरावर ने क्वालीफाइंग में 125 में से 119 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें अब नए आईएसएसएफ नियमों के अनुसार पहले के छह के बजाय आठ निशानेबाजों ने जगह बनाई।

अभी भी पदक जीतने का एक मौका : कोच श्रीजेश

चेन्नई। सात बार की चैंपियन जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 1-5 से करारी हार के बाद नौ साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का सपना टूटने के बावजूद भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि अभी भी टीम के पास

पदक जीतने का एक मौका है और इसे गंवाना नहीं है। भारतीय टीम अब दस दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि फाइनल में स्पेन की टक्कर जर्मनी से होगी। सेमीफाइनल हारने के बाद श्रीजेश ने कहा, 'यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षाएं थी, हम उस स्तर पर खेल नहीं पाए। जब आप जूनियर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेल रहे हैं तो आसान मौके नहीं दे सकते।' उन्होंने कहा, 'हमे काफी मौके मिले लेकिन हम भुना नहीं सके। पेनल्टी कॉर्नर भी एक ही मिला जिस पर गोल तो हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई बार विरोधी टीम बहुत अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें करना भूल जाते हैं।

अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी टीम इंडिया

भारत-द.अफ्रीका के बीच पहला टी20 आज, शुभमन और हार्दिक की वापसी

एजेंसी ▶▶| कटक

शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम 9 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है।

विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की श्रृंखला खेलेगी। भारतीय टीम इन दोनों श्रृंखला में स्पष्ट नजरिए के साथ उतरेगी, जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच 7 फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा।

भारत ने टी20 में किया दमदार प्रदर्शन

पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है। विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है, जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है। इस बीच भारतीय टीम को केवल चार मैच में हार मिली। इस अवधि में भारतीय टीम ने कोई टी20 श्रृंखला नहीं हारी है और अब उसका लक्ष्य उस टीम के खिलाफ अपनी धार को और अधिक मजबूत करना होगा, जिसे उसने टी20 विश्व कप फाइनल में हराया था।

मैच शाम 7 बजे से शुरू

गिल के कार्यभार प्रबंधन पर कड़ी नजर

गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में गर्दन में अकड़न के कारण बाहर हो जाने के बाद वापसी कर रहे हैं। पिछले आईपीएल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण और भारत के आगामी व्यस्त सत्र को देखते हुए उनके कार्यभार प्रबंधन पर कड़ी नजर रखी जाएगी। लेकिन 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.89 की औसत से 837 रन बनाने वाले गिल के लिए यह श्रृंखला आईसीसी प्रतियोगिता से पहले अच्छी तैयारी करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। गिल की वापसी से अभिषेक शर्मा के साथ उनकी मजबूत सलामी जोड़ी बनेगी।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

भारत-अफ्रीका टी20 मैचों के टॉप 5 बैटर्स

डेविड मिलर	524 रन
रोहित शर्मा	429 रन
विराट कोहली	394 रन
सूर्यकुमार यादव	372 रन
क्विंटन डिकॉक	351 रन

अभिषेक का शानदार प्रदर्शन

अभिषेक शर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अब तक कुल 4 टी20 मुकाबले खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने इस टीम के खिलाफ 56 गेंदों का सामना करते हुए 97 रन बनाए हैं। उनका औसत 24.25 का रहा है जबकि स्ट्राइक रेट 173.21 का है, जो काफी बेहतरीन है। इस टीम के खिलाफ अभिषेक ने एक अर्धशतकीय पारी खेली है और बेस्ट स्कोर 50 रन है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4 मैचों में अभिषेक ने 7 चौके और 9 छक्के लगाए हैं।

संकट में न्यूजीलैंड, टेस्ट सीरीज से 3 खिलाड़ी बाहर

क्राइस्टचर्च। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच न्यूजीलैंड की टीम संकट में है। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर शेष सीरीज से बाहर हो गए हैं। राइट आर्म मीडियम बॉलर क्रिश्चियन क्लार्क को न्यूजीलैंड के खेमे में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज मैट हेनरी काफ इंजरी से जूझ रहे हैं, जबकि नाथन स्मिथ को साइड इंजरी है। ये दोनों ही खिलाड़ी क्राइस्टचर्च में सीरीज के पहले टेस्ट के दौरान घायल हो गए थे। वहीं, ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर अपनी ग्रोइन की समस्या से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, "नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के गेंदबाज क्रिश्चियन क्लार्क वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले वेलिंगटन में टेस्ट टीम में शामिल होंगे। क्रिश्चियन आपका स्वागत है। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर वेस्टइंडीज के विरुद्ध शेष टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। इन खिलाड़ियों को बहुत जल्द वापस देखने का इंतजार है।"

पॉवेल की धमाकेदार पारी, दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी को हराया

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल की धमाकेदार पारी की मदद से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइट राइडर्स को 83 रन से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। पॉवेल ने 52 गेंदों पर नाबाद 96 रन बनाए जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने जॉर्डन कॉक्स (32 गेंदों पर 52 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की, जिससे दुबई कैपिटल्स ने खराब शुरुआत से उबरते हुए चार विकेट पर 186 रन बनाए। इसके जवाब में नाइट राइडर्स की टीम 15.3 ओवर में 103 रन पर ढेर हो गई और दुबई कैपिटल्स ने आसान जीत हासिल की।

स्पेनिश फुटबॉल

9 खिलाड़ियों के साथ खेला रियाल मैड्रिड, घरेलू मैदान पर मिली हार

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

रियाल मैड्रिड को 9 खिलाड़ियों के साथ खेलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी और वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में सेल्टा विगो के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से हार गया।

रियाल मैड्रिड की अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में यह पहली पराजय है। इससे वह बार्सिलोना से खिताब की दौड़ में भी पिछड़ गया है। रियाल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में जल्दी ही गोल खा लिया। इसके बाद उसके दो खिलाड़ियों फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास को रेड कार्ड दिखाए गए, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। मैड्रिड के बेंच पर बैठे खिलाड़ी एंड्रिक को भी शिकायत करने पर रेड कार्ड दिखाया गया। विलियट स्वेडबर्ग ने 54वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट के पास से एक बेहतरीन फ्लिक से सेल्टा विगो के लिए पहला गोल किया।

फीफा विश्व कप 2026 मैचों के दोनों हाफ में होगा तीन-तीन मिनट का 'हाइड्रेशन ब्रेक'

ज्यूरिख। फीफा ने अगले साल होने वाले विश्व कप के हर मैच में दोनों हाफ में तीन मिनट का 'हाइड्रेशन ब्रेक (पानी पीने या तरल पदार्थ के सेवन के लिए) ' रखने का फैसला किया है। रेफरी मैच के प्रत्येक हाफ में 22 मिनट पूरे होने पर खिलाड़ियों के पानी पीने के लिए खेल रोक देंगे। यह तापमान, मेजबान देश (अमेरिका, कनाडा या मैक्सिको), या स्टेडियम में छत और एयर कंडीशनिंग होने या न होने पर निर्भर नहीं करेगा। इस बदलाव से प्रसारकों को भी फायदा मिलेगा क्योंकि उन्हें मैच के दोनों हाफ में तीन मिनट की रुकावट के बारे में पहले से पता होगा। फीफा ने कहा कि यह फैसला 2026 विश्व कप के मुख्य टूर्नामेंट की संचालन समिति के प्रमुख मनोलो जुबिरिया की प्रसारकों के साथ एक बैठक में लिया गया था।

शाकिब का कबूलनामा, कहा जानबूझकर की थी चकिंग

लंदन। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने स्वीकार किया कि शारीरिक थकान के कारण उन्हें सरे की तरफ से खेलते हुए इंग्लिश काउंटी मैच के दौरान जानबूझकर चकिंग (गलत एक्शन से गेंदबाजी करना) का सहारा लेना पड़ा।

बाएं हाथ के स्पिनर शाकिब अल हसन को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की ओर से आयोजित की जाने वाली सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया था। पिछले दिसंबर 2024 में लॉफबोरो विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र जांच में शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को अवैध पाया गया था। अंपायरों ने टांटन में समरसेट के खिलाफ सरे के प्रथम श्रेणी मैच के दौरान शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को लेकर शिकायत की थी। इस मैच की दो पारियों में शाकिब अल हसन ने लगभग 65 ओवर गेंदबाजी की थी।

जीत के बाद टीम इंडिया को मिली सजा रायपुर वनडे में कर बैठी ब्लंडर

एजेंसी ▶▶| दुबई

साउथ अफ्रीका के विरुद्ध वनडे सीरीज 2-1 से जीतने के बाद भारतीय टीम पर जुर्माना लगा है। रायपुर में 3 दिसंबर को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में धीमे ओवर-रेट के लिए टीम इंडिया पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईसीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया, खिलाड़ियों और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनकी टीम की ओर से निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। केएल राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने टाइम अलाउंस को ध्यान में रखते हुए टारगेट से दो ओवर कम फेंके, जिसके बाद आईसीसी एलीट पैनल के मेंबर रिची रिचर्डसन ने यह सजा सुनाई। केएल राहुल ने गलती स्वीकार करते हुए प्रस्तावित सजा पर सहमति जताई, जिससे आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर रोड टकर और रोहन पंडित, तीसरे अंपायर सैम नोगास्की और चौथे अंपायर जयरमन मदनगोपाल ने आरोप लगाए थे।

- भारतीय टीम ने टारगेट से दो ओवर कम फेंके
- स्लो ओवर रेट की वजह से जुर्माना, भारतीय प्लेयर्स की 10% फीस कटी

जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप में टॉप-10 की उम्मीद बरकरार

भारत की दमदार वापसी: वेल्स को 3-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| सैंटियागो (चिली)

क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके भारत ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता के नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स पर 3-1 की शानदार जीत के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। चिली के सैंटियागो में खेले गए मैच में भारत की ओर से हिना बानो (14वें मिनट), सुनलिता टोप्पो (24वें) और इशिका (31वें) ने गोल किए। वेल्स के लिए एलोइस मोट (52वें) ने गोल किया।

हिना, सुनलिता, इशिका ने दागे गोल

भारत क्वार्टर फाइनल की रेस से पहले ही बाहर

भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। वेल्स के खिलाफ मैच में भारत ने मैच पर शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। भारत को पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए, लेकिन शुरुआत में गोल नहीं कर पाईं। वेल्स को भी इस बीच पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त बनाने का मौका मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर निधि ने उनके खिलाड़ियों के प्रयास विफल कर दिए और स्कोर बराबर बनाए रखा।

दूसरे हाफ तक भारत ने दागे 3 गोल

भारत ने दूसरे हाफ के शुरू में ही अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब वेल्स की गोलकीपर से मिले रिबाउंड पर इशिका ने गोल कर दिया। भारत ने लगातार मौके बनाते हुए वेल्स को उसके ही हाफ में पीछे धकेलते हुए तीसरा क्वार्टर समाप्त किया। भारत चौथे और अंतिम क्वार्टर में भी गोल करने के लिए प्रयास करता रहा।

वेल्स ने 52वें मिनट में किया गोल

दूसरी तरफ वेल्स को एक मौका मिला और एलोइस मोट (52वें मिनट) ने इसका फ़ायदा उठाते हुए अपनी टीम के लिए एकमात्र गोल किया। भारत का अगला मुकाबला 9 दिसंबर को उरुग्वे से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने वाली टीम ओवरऑल सूची में नौवें स्थान के लिए, जबकि हारने वाली टीम 11वें स्थान के लिए मैच खेलेगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले

यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स भारत में जल्द शुरू करेगी कैंपस

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दोनों देश अपनी शैक्षिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग, रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान वित्तपोषण, शैक्षिक एवं अकादमिक गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व की टॉप-20 यूनिवर्सिटियों में शुमार ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स (यूएनएसडब्ल्यू) जल्द ही भारत में अपना कैंपस शुरू करने जा रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार यह ऑस्ट्रेलिया का एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है, जो क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शीर्ष-20 उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स भारत में अपना परिसर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। दरअसल, धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर और सहायक मंत्री जूलियन हिल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों और मित्रों से मिलकर उन्हें अत्यंत खुशी हुई।

दोनों देश शैक्षिक एवं अकादमिक ऑपरेशन्स को बढ़ावा देंगे

'प्री-स्कूल से लेकर पीएचडी' तक शिक्षा क्षेत्र में करेंगे सहयोग

शिक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहभागिता की समीक्षा की

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात करते ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर (मध्य में)।

धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सहयोग की समीक्षा की गई। साथ ही 'प्री-स्कूल से लेकर पीएचडी' तक शिक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहभागिता को और मजबूत करने पर गहन चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि भारत के लिए छात्रों में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-रेडी पीढ़ी तैयार करना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर के साथ मिलकर यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स को लेटर ऑफ इंटेंट भी सौंपा।

दोनों देश ज्ञान साझेदारी को सशक्त करेंगे

प्रधान ने यूएनएसडब्ल्यू को बधाई देते हुए भारत में उसका स्वागत किया और इसे भारत-ऑस्ट्रेलिया ज्ञान साझेदारी को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देश अपनी जीवंत शैक्षिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग, रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान वित्तपोषण और दो-तरफा शैक्षिक एवं अकादमिक गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने बताया कि तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद की बैठक में शिक्षा परिदृश्य के रूपांतरण और दोनों देशों के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में विशेषज्ञ शामिल हुए

बता दें, शिक्षा मंत्रालय 8 और 9 दिसंबर को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी कर रहा है। तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर और कौशल एवं प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जाइल्स ने सह-अध्यक्षता की। बैठक में स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए। चर्चा के प्रमुख विषयों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण व पेशेवर विकास, सहयोगी अनुसंधान और कुशल कार्यबल निर्माण शामिल रहे।

खबर संक्षेप

बम धमाके के आरोपियों की हिरासत बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने 10 नवंबर को लाल किले के पास

हुए कार विस्फोट मामले के सिलसिले में गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राथर, डॉ. शाहीना सईद और मौलवी इरफान अहमद वागे की एनआईए हिरासत की अवधि सोमवार को चार दिन के लिए बढ़ा दी। 10 दिन की एनआईए हिरासत की अवधि सोमवार को हुई थी।

स्टारलिंक सेवा का शुल्क 8600 रु. प्रति माह होगा

नई दिल्ली। एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक

ने भारत में अपनी वेबसाइट लाइव कर दी है। स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस के लिए 8600 रुपए प्रतिमाह चार्ज करेगी। इसमें 34,000 रुपए की कीमत के हार्डवेयर की कॉस्ट भी शामिल है। एक महीने के फ्री ट्रायल के साथ अनलिमिटेड डेटा भी ऑफर करेगी।

थाईलैंड ने कंबोडियाई सीमा पर किया हमला

बैंकॉक। थाईलैंड ने कंबोडिया के खिलाफ एयरस्ट्राइक शुरू कर दी,

जिसके बाद दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसियों के बीच युद्ध की एक नई दौड़ शुरू हो गई है। वहीं, दोनों पक्षों की तरफ से एक-दूसरे पर आरोप लगाया जा रहा है। थाई सेना के प्रवक्ता ने कहा कि कंबोडियाई मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर किए गए थे।

अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) जारी किया

अमेरिका की परमाणु और हिंद-प्रशांत रणनीतियों में भारत प्रमुख भागीदार

क्वाड के जरिए भारत के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर

सैन्य अभ्यास, रक्षा व्यापार और समुद्री सुरक्षा में साझेदारी बढ़ाएं | चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को करें तैयार

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) का संयुक्त मसौदा जारी किया है। इस अधिनियम में भारत को अमेरिका की कई रणनीतियों- जैसे नागरिक परमाणु सहयोग, रक्षा सह-उत्पादन और समुद्री सुरक्षा में विशेष स्थान दिया गया है। यह बिल छह दशकों से हर साल पारित होता आया है और इस सप्ताह के अंत में इसके हाउस से पारित होने की उम्मीद है। एनडीएए में भारत को इंडो-प्रशांत क्षेत्र और परमाणु नीति में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका के रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को मजबूत करें, ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का 'तुलनात्मक लाभ' बढ़ाया जा सके। विधेयक में कहा गया है कि अमेरिका भारत के साथ उसकी परमाणु दायित्व नीति पर निरंतर बातचीत करेगा और भारत को उन चुनिंदा देशों में शामिल करेगा जो चीन की चुनौती का सामना करने के लिए नई रक्षा व्यवस्था तैयार कर रहे हैं। रक्षा मंत्री को विदेश मंत्री के साथ तालमेल बनाकर एक योजना बनानी चाहिए और चलानी चाहिए।

संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

विधेयक में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि अमेरिका और भारत मिलकर एक संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित करेंगे, जो 2008 के नागरिक परमाणु समझौते के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करेगा। साथ ही भारत के घरेलू परमाणु दायित्व नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने पर चर्चा होगी। इसके अलावा, इन मुद्दों पर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तर पर 'एक रणनीति विकसित करने' का कार्य भी इसी तंत्र को सौंपा गया है। अमेरिका को पांच वर्षों तक हर साल इस समीक्षा की रिपोर्ट कांग्रेस में पेश करनी होगी।

भारत के साथ जुड़ाव बढ़ाने की सलाह

संसद ने यह भी कहा है कि अमेरिका को क्वाड्रिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) सहित भारत के साथ अपना जुड़ाव बढ़ाना चाहिए, ताकि इंडो-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र और खुला रखा जा सके। इसमें सैन्य अभ्यास, रक्षा व्यापार, मानवीय सहायता और समुद्री सुरक्षा शामिल हैं। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन को रोकने के लिए अमेरिका अपनी क्षेत्रीय उपस्थिति और साझेदारी भी बढ़ाएगा।

भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए एक विशेष राजदूत नियुक्त करें

विधेयक में भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए एक विशेष राजदूत नियुक्त करने का प्रावधान भी है, जिसका कार्य इस क्षेत्र में अमेरिका की कूटनीति का समन्वय करना और चीन के प्रभाव का संतुलन तैयार करना होगा। इन सभी कदमों से स्पष्ट होता है कि भारत अब अमेरिका की क्षेत्रीय रणनीति का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। हाल के वर्षों में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग काफी मजबूत हुआ है।

भारत नागरिक परमाणु सहयोगी देश

विधेयक के अन्य हिस्सों में भारत को वैश्विक नागरिक परमाणु सहयोग में "सहयोगी देश" के रूप में चिन्हित किया गया है। कानून प्रशासन को अमेरिकी परमाणु निर्यात का विस्तार करने के लिए 10 वर्षीय रणनीति बनाने और रूस तथा चीन से होने वाली प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करने का निर्देश देता है। विधेयक में इंडो-प्रशांत क्षेत्र से जुड़े प्रावधानों में भारत को प्राथमिक सहयोगियों की सूची में शामिल किया गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस और न्यूजीलैंड भी हैं। इन देशों के साथ मिलकर रक्षा उद्योग, आपूर्ति श्रृंखला और नई तकनीकों पर संयुक्त कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री को इस दिशा में समझौते करने, तकनीकी सहायता प्रदान करने और उद्योग तथा शिक्षण संस्थानों को जोड़ने का अधिकार होगा, ताकि संयुक्त उत्पादन और विकास को प्रोत्साहन मिल सके।

अमेरिकी एविएशन वकील ने कहा-

एफडीआर डेटा जारी हो, ये पीड़ितों का अधिकार, तभी सच सामने आएगा

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे के छह महीने बाद भी कई सवालों का जवाब अब तक सामने नहीं आया है। इसी बीच अमेरिका के एविएशन अटॉर्नी माइक एंड्रूज ने भारत सरकार से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) सार्वजनिक करने की मांग दोहराई है। एंड्रूज हादसे में मारे गए 130 से ज्यादा परिवारों के प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। एंड्रूज का कहना है कि डेटा जारी होने से जांच में पारदर्शिता आएगी और प्रभावित परिवार यह तय कर सकेंगे कि कानूनी तौर पर अगला कदम क्या होना चाहिए।

गुजरात में पीड़ित परिवारों से दोबारा मुलाकात करते हुए एंड्रूज ने कहा कि भारत सरकार एफडीआर डेटा जारी करे। तभी हमारे विशेषज्ञ स्वतंत्र जांच कर पाएंगे। पीड़ित परिवारों का सबसे बड़ा अधिकार है पारदर्शिता। उन्होंने बताया कि कई बार बोइंग 787 में वॉटर लीकेज के कारण इलेक्ट्रिकल सिस्टम प्रभावित होने की घटनाएं सामने आई हैं। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि कहीं इसी वजह से तो यह हादसा नहीं हुआ।

अहमदाबाद विमान हादसा

अकेले बचे यात्री का बयान संदिग्ध

माइक एंड्रूज ने इकलौते जीवित यात्री विश्वास कुमार रमेश के इंटरव्यू का हवाला देते हुए कहा कि क्रैश से ठीक पहले विमान के अंदर की लाइटें झपकी थीं और हरी हो गई थीं, जो यह संकेत देती हैं कि विमान ने मुख्य बिजली व्यवस्था से बैकअप सिस्टम में स्विच किया था। यह गंभीर इलेक्ट्रिकल फॉल्ट की तरफ इशारा करता है। बता दें, 12 जून को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 (बोइंग 787-8) एक मेडिकल हॉस्टल कॉम्प्लेक्स से टकराकर आग की लपटों में घिर गई थी। इसमें 242 में से 241 लोग मारे गए, जमीन पर भी 19 लोगों की मौत हुई, सिर्फ एक यात्री विश्वास कुमार जीवित बचा।

अमेरिका में भी डाली गई सूचना के अधिकार की अर्जी

एंड्रूज ने बताया कि उन्होंने संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) से जानकारी पाने के लिए फ्रीडम ऑफ इनफार्मेशन एक्ट के तहत अपील की है, क्योंकि माना जा रहा है कि एएआईबी ने अपनी जांच का कुछ हिस्सा अमेरिका के अधिकारियों के साथ साझा किया है। अमेरिकी वकील अब आणंद, वडोदरा और मुंबई में उन परिवारों से मिलेंगे जिन्होंने कानूनी लड़ाई आगे बढ़ाने की सहमति दी है।

भारत-नेपाल रेल प्रोजेक्ट की डीपीआर जनवरी तक होगी तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेपाल की राजधानी काठमांडू जल्द ही भारत की राजधानी दिल्ली के साथ रेल लाइन से जुड़ जाएगा। बिहार के रक्सौल और काठमांडू के बीच नई रेल लाइन प्रोजेक्ट के सर्वे का काम आखिरी चरण में है, जो इस महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद अगले साल जनवरी में डीपीआर भी तैयार कर लिया जाएगा। प्रोजेक्ट का डीपीआर तैयार होने के बाद रक्सौल-काठमांडू रेल प्रोजेक्ट के तहत लाइन बिछाने के लिए टेंडर जारी होंगे और फिर लाइन बिछाने का काम शुरू होगा। रक्सौल से काठमांडू के बीच करीब 136 किमी लंबी रेल लाइन

बिछाई जाएगी और इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 25,000 करोड़ का खर्च आएगा, जिसमें बढ़ोतरी भी हो सकती है। प्रोजेक्ट के तहत 136 के रूट पर 13 रेलवे स्टेशन भी बनाए जाएंगे। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद रक्सौल से काठमांडू का सफर सिर्फ 2 से 3 घंटे में पूरा हो जाएगा। 2018 में रेल लाइन की कोशिशें शुरू हुई थीं।

टाटा-मार्टिन का सैन्य विमान रखरखाव केंद्र अगले साल शुरू होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन ने भारत में सी-130जे सुपर हरक्यूलिस सैन्य परिवहन विमान के संचालन में मदद के लिए एक नए रखरखाव, मरम्मत एवं नवीकरण (एमआरओ) केंद्र की बेंगलुरु में स्थापना की सोमवार को घोषणा की।

एमआरओ केंद्र का निर्माण 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा। इस केंद्र को एमआरओ संचालन के लिए पहला सी-130जे विमान 2027 की शुरुआत में मिलने की उम्मीद है। भारतीय वायु सेना फिलहाल लॉकहीड मार्टिन के 12 सी-130जे विमानों का संचालन करती है, जिन्हें दुनिया के अग्रणी सामरिक मालवाहक विमानों में से

एक माना जाता है। इस अवसर पर लॉकहीड मार्टिन के सीईओ फ्रैंक सेंट जॉन ने कहा कि नया सी-130जे एमआरओ केंद्र भारत में विश्वस्तरीय रखरखाव क्षमता विकसित करेगा, सेना की तैयारियों में सुधार लाएगा। और ऐसे अवसर पैदा करेगा, जो क्षेत्रीय और वैश्विक सी-130जे संचालकों के लिए मददगार होंगे।

रूस-यूक्रेन संघष विराम से पीछे हटे राष्ट्रपति ट्रंप, कहा मैं निराश...

जेलेंस्की अमेरिकी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के लिए तैयार नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके देश द्वारा तैयार किए गए उस शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार नहीं हैं जिसका उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करना है। रूस और यूक्रेन के बीच मतभेदों को कम करने के उद्देश्य से शनिवार को अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने तीन दिन की बातचीत अमेरिका के मियामी में पूरी की लेकिन रविवार रात पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने संकेत दिया कि वार्ता को आगे बढ़ने से रोकने वाले जेलेंस्की ही हैं।

यूएस और यूक्रेन के बीच तीन दिन की बातचीत बेनतीजा

रूस के कब्जे वाले इलाकों को छोड़ने को तैयार नहीं यूक्रेन

शांति प्रस्ताव से रूस को दिक्कत नहीं

(बाएं से दाएं) डोनाल्ड ट्रंप, वोलोदिमीर जेलेंस्की और व्लादिमीर पुतिन

ट्रंप ने कहा कि मुझे थोड़ी निराशा है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अभी तक इस प्रस्ताव को नहीं पढ़ा है, कुछ घंटे पहले तक यही स्थिति थी। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन उन्होंने इसे नहीं पढ़ा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रूस को इससे कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यह पक्का नहीं कि जेलेंस्की को यह ठीक लगे। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की योजना को सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं दी है।

जेलेंस्की अच्छे प्रचारक

डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने कहा है कि उनके पिता यूक्रेन शांति वार्ता से पीछे हट सकते हैं। दोहा फोरम में अपने संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने दावा किया कि यूक्रेन रूस की तुलना में ज्यादा भ्रष्ट देश है। साथ ही उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी बहुत अच्छा प्रचारक बताया।

लंदन में यूरोपीय नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

इससे पहले अमेरिका और रूस के प्रतिनिधियों के बीच मॉस्को में बैठक हुई थी। उस बैठक में भी कोई नतीजा नहीं निकल पाया था। बैठक के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी कहा था कि बैठक में अच्छी बातचीत हुई, लेकिन शांति वार्ता पर सहमति बनाना आसान नहीं है। वहीं जल्द ही यूक्रेन राष्ट्रपति जेलेंस्की लंदन में ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्राध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इससे साफ है कि यूक्रेन शांति वार्ता का मामला बेहद जटिल होता जा रहा है। यूक्रेन, रूस द्वारा कब्जाए गए इलाकों पर अपना दावा छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे लेकर निराशा जाहिर की।

पुतिन की भारत यात्रा पर बोला चीन

तीनों देश के रिश्ते क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा कि चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा भी हैं।

गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं। चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और

चीन प्रवक्ता गुओ जियाकुन

भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। चीन दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ नई दिल्ली के साथ अनवरत और मजबूत संबंध कायम करना चाहता है। चीन द्विपक्षीय संबंधों के अनवरत, मजबूत और स्थिर विकास को बढ़ावा देने तथा शांति एवं समृद्धि में योगदान देने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109